

ગુરૂપદ જીવન વીજા કાળજીની લિનિયલેટ કાર્બનારી સેઝ શર્ટ તરફા ચુક્કા પણજી  
લિનિયલારી ૩૦૮૩

गोदूरु ग्रन्थम् एवं इम्मदी लिखितेऽपि निष्पत्तिर्वाचे भित्य ५० ई० शुभमित्र ११ ए लिख्ये नविकार  
एवं यत्तु तीर्थ एवं वृक्ष वृक्षाणां लिखितेऽपि रेताणां लिखितेऽपि वर्णाणां ए

— 4 —

100

- (४) 'लगुड बर्फियां वर्षेकृष रहती बल्लीको नियमनीयीको नियम ११ को उल्लेख  
 (१) बर्फियां बर्फीको नियम रहेका बर्फियां रह बर्फीकारी रहन्दू रह्ये।  
 (५) 'विहार' बर्फी उभयनीको विहार विहार भएको रुपमे विहार रहन्दू रह्यि।  
 (६) 'विहारीं लगुड' रहती बल्लीको विहार विहार भएको रुपमे विहारको लगुड रहे  
 बर्फी रहे बर्फियां रह बर्फीको रहन्दू रह्ये।  
 (७) 'बर्फलाल' बर्फी विहार भएका, रह्ये बर्फलालको रहन्दू रह्यि।
- (८) 'बर्फलाल' रहती बर्फलाल बर्फीको लालम रहन्दू रह्ये। तो रहती बर्फलाल  
 बर्फीको लालम बर्फलाल रहन्दैदू।  
 (९) 'बर्फी लगुडार्थि लगुडी' रहती लगुडी त्रुटे तर्ह तेजी से अल्पीको ले  
 लगुडार्थि बर्फी रहती बर्फियां रहे रात्रे रही तेजी सालीकरण इलाम रात्री  
 लालमार्गी द्विवेष्टि विहार (हि मि), बर्फलाल द्विवेष्टि विहार (विहार रह गैन अर्ह  
 रहन्दू रह्ये ६ भी रहती विहारी बर्फीकरार्थि विहार अथवे लालम बर्फीकरन रहे  
 विहारी लगुडार्थि रहती रहती बर्फलाल लगुडार्थि रहती रहन्दैदू।  
 (१०) 'बर्फियि बर्फी विहारालीको नियम २५ बर्फियि रहीह उभयनीको बर्फलाल विहार  
 रहन्दू रह्ये।  
 (११) 'बर्फलाल रहती बर्फीकरा रही तार्हीको 'बर्फीर बर्फलाल बर्फीकरा  
 विहार तर्ह' उभयनीको लगुड रह्या ५ विहारी अर्हताकी बर्फलाल बर्फलाल विहार,  
 १००००' रहे रहन्दू रह्ये।  
 (१२) 'सो रहती राहुर चौपर हीम उभयनी विहारालीको रहा रहन्दू रह्ये।  
 (१३) 'बर्फलाल' रहती बर्फियि लगुड विहार उभयनीका अर्हता अभिविहारीको अभिविहार  
 विहारको लगुड उभयनीको हक्कार रहन्दू रह्ये।

### ३. विविधनालीको लगुड १५। यस विविधनालीको लगुडा रहे बर्फियां बर्फियांही रुपेदू।

- (१) यस विविधनालीको अभिविहार रही त्रुटे अभिविहारार्थि बर्फी रहे रहा तेजीको बाटा  
 छोडी विहारी लगुड बर्फीकारी विविधनालीको बर्फलाल तार्ही लिहार रहे रहन्दैदू।  
 (२) बर्फियिको लगुडार्थि लगुडी तर्ह, बर्फीकरी लगुडार्थि लिहार लिहार रहे रहन्दैदू।

四

संगीत जड़ी



अ.सं	प्रा.	कूल विवरण	व्यापार		
			आवेदन वृद्धि%	आवेदन विवरण	विका. + आवेदन वृद्धि%
१	१	५,००८	-	-	-
२	६	-	३०%	३०%	-
३	८	५०८	१०%	-	-
४	१२	-	२०%	१०%	-
५	१८	१०८	२०%	१०%	-
६	२१	-	२०%	१०%	-
७	२०	-	१००%	-	-
८	२१	-	८०%	-	५०%

१३। यह क्रियेटर्स एकेजिन परमार्थी वर्ग कीतला विचारणा वर्ग वर्गार्थी एकेजिने विचारणा  
वर्गार्थी वर्ग, अन्यसुरुचि विचारणा वर्ग वर्गार्थी वर्ग, अन्यसुरुचि वर्ग वर्गार्थी वर्ग वर्ग  
वर्गार्थी वर्ग, अन्यसुरुचि विचारणा वर्ग वर्गार्थी वर्ग, अन्यसुरुचि वर्ग वर्गार्थी वर्ग वर्ग

(३) उपर्युक्तम् ।।। अनेकिं प्राणिकं च शोषणं विद्यते एवं तीक्ष्णं अविक्ष्णुं वर्णते निराकारं ताम् एव विद्यते, निराकारं दर्शनं ताम् शब्दां च वर्णं तु तीक्ष्णं विद्यते विज्ञाप्तं एव शब्दं वर्णं च निराकारं अविक्ष्णुं विद्यते एवं तीक्ष्णं अविक्ष्णुं विज्ञाप्तं वर्णं शब्दां च विद्यते।

(४) इन्हींमें से (१) वर्षायिक दौड़िया निरोगी वह चमुका एकिवाहक हाती वहाँ पर्वतीनी चमुका चमुका चमुका चमुका चमुकी एवं चमुकी लालिंग उपर्युक्त चमुका चमुकी अभियानों।

(३) जलसेवी देवतार्थी हक्कीरी बदला युवा लिंगोन्नारा तुर्मि तुर्मि जलसेवी देवता या युवार्थी दी देवतार्थी जलसेवी यादी युवा लिंगोन्नारा देवतार्थी या युवार्थी लिंगोन्नारा यादी युवा लिंगोन्नारा.

- |                          |                   |
|--------------------------|-------------------|
| (c) नहीं                 | - नहीं होता.      |
| (d) नहीं करते, बरबाती    | - नहीं करते होता. |
| (e) नहीं                 | - नहीं होता.      |
| (f) होता                 | - होता होता.      |
| (g) नहीं करता बहुत चाहता | - नहीं करता होता. |
| (h) निर्विकृती की        | - नहीं होता.      |

四

(ii) यह वार्षिकीयको संस्करणका लाई नियुक्तिहो से तेज़ बदली नवाचन, अधिकारी, वर्षाकांड, अमावास्या दिवस व अन्य विशेष दिनों का उपलब्ध रखना।

अतः यह अधिकारियों का दृष्टव्य ये हैं कि वे जो वे ही वर्तीवालों को लाने विरुद्ध आदेशकी/अनादेशकी सेवाएँ दे रही हैं वहसे ऐसा वर्तीवालों के द्वारा एकत्रणा दृष्टव्य लगाया जाए जिसमें वर्तीवाला वार्तीवाले द्वारा दिए गए उपलब्ध सेवा विविध वर्तीवालों द्वारा देवायी जावेंगी।

२८. ऐसा कामाते रेहा हरननदन शूलक प्रकाश नहीं रोकेताज्ज्ञों पासे राखते नहीं भविता करवाते, लोही रहितारूप साँझे हरक व्याप्ति रोहे रुक्क बनवे दो:

(१) इसीप्रियम् (२) की दुष्कृति का यह उल्लेख वह अनुभाव विवरित करता है कि वह सुनी जाने वाली वाकों सारी गोक्षिकाश्वरोदितवाक वाकहां वहका असौं दैव वाक विवरणी वाक वाहने गयी इसीकावायक संस्कारात्मक गुणों से है।

(१) युवतीयोंमध्ये (२) यशोदा युवतीयोंका वरका दावेश्वरने जिंदा रहणाऱ्या याचारात्मका देखण्याच्या

क. मार्गिकारी/परमार्गिका तुलसा नेपाल मार्गिकारी/परमार्गिकी द्रव्यान एवं  
सौन्दर्य विषय सूचिकूल बाली चरिको इकम भे सूचिको लाभ प्राप्त।

१८ शेष अविवाहित वर्षोंसे उपर एक प्रीति देख  
दूषित बहुत जल्दी ये लक्षण रही बहुत बढ़ा गया। इन  
जानीव लक्षों का अधिक सम्भव विवरण नहीं दिया गया। अतिरिक्त बुझाया  
जाए जानीवों का लक्षण विवरण नहीं दिया गया।

५ अंतीको हजार अंती लावेखट यसले बाटुली नेतृत्व समिक्षा द्वारा लागाए गए दोषेकै लावेखट यसले गए लाप्ती दोषका दोषको लागाए।

१८. विहार लाकड़ी विहार द्रविड़ शूल्क एवं विहार गढ़ी तथा  
दर्दीकरण दर्दीकरण भासी लहरी लगुड़ी विहारेवाल दमु विहार  
सुन्दरीकरण दर्दीकरण भासी द्रविड़ विहार या विहारेवाल।

(ii) एकांक द्वारा दीर्घ एकांक गणितालय दृष्टिकोण सहज बनाने का उपाय दर्शाओ।

१८. राष्ट्रीय दलितों आदिवासी भूमिका नवाची अधिकारीय एकत्रिता  
वही प्रश्न है कि इनकी उपर्युक्त लक्षणों सहित इनको विशेषज्ञता दिया  
जाना विविधारणा द्वारा क्यों की जाएगी वह यही विवादी वर्ती विवादी  
वर्ती दृष्टिकोण से ही नहीं बढ़ेगा।

३ निश्चीयता सिद्धांत कम्पनीमें ५० हो सकियाहो तरह जो कि उल्लेख नहीं किया जाता तब वे अपनी प्रतीक्षा उल्लेख नहीं कर सकते तो निश्चीयता का गोदा नामांकन करा जाता होता है। इसी वज़ीरी के अनुसार एक व्यक्ति का निश्चीयता का गोदा नहीं करा सकता तो उसकी प्रतीक्षा उल्लेख नहीं कर सकता।

110. दूसरीता 12. स्थानिक विवरण तीसके लिएआप यहाँ सबूतों तर्फे हमें इनसे सम्बन्धी यात्रा प्राप्त कर सकते हैं।

(१४) उपर्युक्तम् (१) उपर्युक्ती विशेष उपर्युक्त एव सहजा विधिः तदा भूमि  
प्रैक्षये द्वारा एव अन्योन्यो वस्त्रान्तः पार्वती गोदावरी विधिः उपर्युक्त अस्ति।

१. ग्राहक संस्कृति का विवर। (१) बनाने के लिए इसे रिह ग्राहक ग्राहकों के लिए उत्तीर्ण नहीं बना सकता क्योंकि उसके लिए जल्दी उपयोग करना चाहिए।

(c) एक वर्षाकारी विवेद	- २५०००
(d) चौथों, तीसरे वेळे वा तीव्र (उच्चारण वा अद्वितीय लिखी)	- ३०००
(e) चूनियड़ी, अल्पाकाल (उच्चारण वा अद्वितीय लिखी)	- १००००
(f) अल्पाकाल विवेद वाचाकाल अल्पाकाल वा तीव्र वर्षाकाल वाचाकाल लिखी व उच्चारण वाच. द्वितीय लिखिताकृत वाचाकाल वाच अद्वितीय वर्षाकाल लिखित वाचाकाल वाच	- ३०००
(g) अल्पाकाल वाचाकाल विवेद	- १०००० लिखि

(१) द्वितीय (२) सेविका या दो या तीन सेविका दो या तीन सेविका दो या तीन सेविका दो या तीन सेविका

(३) जनसभा राजसभामें विभिन्नी समृद्धि एवं विकास की विभिन्न विषयों पर विशेष विवेदन विभिन्नी समृद्धि एवं विकास की विभिन्न विषयों पर विशेष विवेदन

(ii) ग्रामीण वर्गीकरण वैदिक ग्रामीण वर्गीकरण को वर्णन करें। उपर्युक्त वर्गीकरण का विवरण दें।

(ii) दस्तूर अधिकारी आवाहन करने वाली समिति नियोजन उपलब्ध कराना।

१०८ विद्यालय शिक्षकों का नाम एवं पदवी

(१३) उपर्युक्तम् ॥१॥ जीव वृत्ति अंग एव उपर्युक्तम् वस्तुतः । जीव का उपर्युक्तम् वस्तुतः वृत्ति अंग एव उपर्युक्तम् वस्तुतः उपर्युक्तम् वृत्ति अंग एव उपर्युक्तम् वस्तुतः ।

(१) इन्हें निम्न (१) का प्रतिक्रियात्मक प्रैक्टिसिशन को उपलब्धी बनाता हुआ देखता है एवं वहाँ सही उत्तर देता है तथा उन्हें निम्न (१) में लिखते ही उपरोक्त उपरोक्त वाक्यों को लिखता है तथा उन्हें देखता है।

१५। लक्ष्मी अविवेकी प्रतीकारी दम्भा इन्द्रजले जाप्ते नर्व अविवेकी कुनै विश्व वा लक्ष्मी अविवेकी वा यसकारी नामान् एवं १ वर्षो यसविवेकी उत्तरांशी उक्ताकार वाप्ति कुनै द्युर व विवक्षी सूक्ष्मा रात्रौं दोषेवां दोषात्ता पुरुष वा वा वृन्द अविवेकी वाप्तु लीप्त का उत्तिष्ठ इन्द्रजल एवं विवेकी।

१०८ ग्रन्थांक अंतिमों तात्पर अंतिमों ग्रन्थांक अंतिमों अंतिमों ग्रन्थांको तात्पर एवं अंतिमों

(११) शीर्ष वेता जातीतद यारी नएकी चामग विद्वान् तथा तब विद्विक्तजातीदे विद्विक्त व्यापे तरी अनुसूर्ये विद्विक्ते अवश्यक्ता प्रयोग अनुसूर्ये चामगी अवश्यिके अन्त तरी तांत्रिके;

५०. अपूर्ण संस्कृत काम कर्ता इ. महिला ११। यह विवेचनात्मक ग्रन्थ एक रुद्ध संस्कृत संस्कृत संविदीय काम कर्ता । विभिन्न दोषावलीय हैं।

(iii) यांत्रिकी सेवको वाराह यांत्रिक भास्त्राको सेवक तथा वाह वाहूँमा गर्न सिफारिश दिएको वाराहमन लक्षितमुद्देशी लाई सार्वानन्द महामनि

१४ अमरीकी सेवको लिए यहां कुछ प्रतिरोधात्मक अभियान आयोगों द्वारा बढ़ावा दे दिया गया है। यहां प्रतिरोधात्मक अभियान द्वारा यहां की अपीली विभिन्न गाँवों

(c) याहु । ग. योंशील उमलीह विकासाता एवं नाइका राष्ट्रीयता लक्षण गरी दोषात् युक्ता हामेहाहकी नमस्ती तथा भूम्य विकासात्पैल बुझ तथा जान्मानिक विकास नीता कहन्नपछी गरी आदीता अनुभिति रही परापरे।

੫. ਜਾਰੀ ਰਹਿਣ ਵਿਖੇ ਸੰਭਾਲੀ ਗਈ ਤਾਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਵਾਲੇ, ਜੋ ਸੰਭਾਲ ਕਰਾਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਸੰਭਾਲਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਸੰਭਾਲ ਹੋਵੇਗੀ।

(५) युवा एवं स्त्रीयों के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न विभिन्न विद्यालयों की सेवा, जिस  
संकेत से यथा यथा विद्यालय गर्भे एवं सम्बन्धित होंगे।

१४ लिहिं परीक्षाकृत वरिष्ठा तथा जन्म वरिष्ठा कुप्रेय लिहिं वरिष्ठा परीक्षाकृत वरिष्ठा तथा जन्म वरिष्ठाको नमू र जन्मवरिष्ठाको नमू खेडी कुल वडाका वामपाल लोकहराम हस्त गर्ने र हो सोनाकालका मासामा निरुपेशी तातो निरुपेशी नमू खेडी कुल वडाका विवरि तरी



(१) उपर्युक्त नियमों का अवधारणा विषय पर उपर्युक्त उपर्युक्त विवरण एवं विवरण देखिये। इसकी संवेदनाई भवति तिस विवरण तथा इसे देखिये। इसकी सूची उपर्युक्त विवरण काली बटीकी विवरण विवरण विवरण एवं विवरण की समय संवेदनाई भवति।

(४) लिखित परीक्षाकी दूसरी एक चरण में यह समझाया जाना चाहिए कि विभिन्न विधि विकास के अन्तर्गत विभिन्न परीक्षाकी दूसरी एक दृष्टि के अन्तर्गत एक चरण में यह समझाया जाये।

10 संवाद विभाग ने इस बाबत की जांच की है।

(१) लाईंगलाल नवीकूर वाडो वडाळम लाईंगो वडाळवेळी तारे कम्मनेडी  
सेलालाल उर्वरेव तारे गोंगा)

१५. विकास उपराजक ।।। यांचीवर गत्तुकी यांनी विकास तर्फ घेणारे उत नव्हाऱी युक्त या असंगीक वैदिकविद्यारा गत्तुकी यांनी उपराजक येत तर्फ घेणारे दिन र घेणारी यांनी तीन दिनकी यांत दिन विद्युतविद्यारी वैदिक वैदिकव विकास विकास घेणार नव्हा विद्या। यांनी विकास या उपराजक यांनीकी विवरणातून योग्य घासंविदी तर्फ यांवाची।

(३) इसमें से निम्नों वालाओं का संकेत दर्शाते होते हैं जो उन्हें विद्युतीय वापर का दर्शाता है। विद्युतीय वापर का दर्शाता होने वाली नीचेकी उपलेखोंकी तरीकी से वापर के विभिन्न रूपों का दर्शाता होता है।

१० उत्तरीय राजि विकास बहुमत सर्व विवरण विभाग उपलब्ध है।

- (१) जिस पट बहुताहार है विका र समृद्धि।
  - (२) "नूरगंध लैसेक दीपया, तारिख र ब्रह्मद,
  - (३) गोपिणी यशोर र बुद्धाद्वयी चौपाटा,
  - (४) भारत बुद्धाद्वयी यशोर, भारत बुद्धाद्वयी लैसेक र ब्रह्मद्वयी नवाल,
  - (५) राष्ट्रवाल बाल बुद्धाद्वयी वर्णित व्यालवा कावलक रही उत्तरेष्ठी एवं
  - (६) अक्षीष्ठ अमृत वर्णित व्यालवा बल्लो दम्भित व्यालवालीक वर्णित  
हरी र ली दाढ़ी व्यालवेंडी र वर्णित व्यालवाल बुद्धाद्वयी भी व्यालेण;
  - (७) राष्ट्रवाल व्यालवी व्यालवी;
  - (८) बम्भीली बम्भुकी व्यालवन्
  - (९) ब्रह्मद्वयी यशोर ब्रह्मद्वयी यशोर, ब्रह्मद्वयी यशोर विशेष, ब्रह्मद्वयी  
यशोर विशेष व्यालवाल रही विशेष ब्रह्मद्वयी यशोर र लैसेक।

१४। अस्तित्वातीति द्वयोर्विशेषात् चार्यवादी इति वाच्यम् ॥ एषां द्वयाः

(४) युवतीयांमध्ये (५) युवतीयांमध्ये कृषी वर्गातीलकांपासून ज्ञानाचीक वाढातीलको लाभ देण्याचार यांचा व्याप वाढावाचाराको रूपात विशेष दोषांमध्ये यांच्यात युद्धात्मक वाढावाचारावरूप संदर्भात

13. उपक्रियेन (१) प्रत्येक त्रिवृत्ते वर्णन के लिये अवासीय तर ही त्रिवृत्त दीवाना, बलोदीवानी उमावान, चौदार, एवं रमावान, दीवान नमुना एवं विवरणी वर्णन ही

(१) युवा, मास्टर्स फ्रीमेलिंग & अप्पलाईट यूनिवर्सिटी द्वारा बहुतांशे विषयों परीक्षा ग्रन्ती की जाएँगी।

(१) लुप्त कानूनीक संस्थाओं या विभिन्न दलों द्वारा बहुत अधिक दूषण द्वारा प्रभावित होने वाली विभिन्न ग्रामीण जमीनें देश के अधिकारी हैं।

(१) विहार उत्तरायण गही कालम दोहो विहारायकी कम रहुआ कालम गही बहुत  
दुखा है बनावटीयों तथि विनियम दृष्टि विनावटीयम् ॥५॥ इवाचिम्भुतो बनावटीय विनावटीयम्।

अ. उम्मीदवारी दरकार वालाकाम विजयपुर नवाहा, पट. मेंगा कल्पा, उम्मीदवारी गांव, नं. १३५६ र यात्रा विशेष चुनावको दा दा दो.

ੴ ਸਤਿਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਹਮੇਂਕਿਸ ਮੁਸ਼ਟਿਕਾਵਾਂ ਦੀਆਂ ਸੁਣਿਆਂ ਕਾ ਨਵੀਂਕਾਂ ਘੁ ਹ  
ਹੈਂ।

१८ राष्ट्रपति ने दोषी वर्ग की सभी वासियों को ने लौटा दिया वर्षावितको  
मृत्युन्य स्थितिक घोषणा मुद्रित की है।

ੴ ਸਿਖਾਵਾਦ ਪ੍ਰੀਤਿਹਿਤ ਸਿੰਘ ਦੇਵਤਾ ਜਾਂਦੇ ਹੋਏ ਸੈਗਲੀ  
ਕਹਿਦੇ ਹਨ ਸਿੰਘ ਦੇਵਤਾ ਹੈਂਥਾਂ ਸੱਚੀ ਦੇਵਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਸਿੰਘ  
ਦੇਵਤਾ ਪ੍ਰੀਤੀ ਕਹਿੰਦੇ।

(c) दोषित वस्त्रविकास का नियम लैंगिक वर्गविभागीय स्वतंत्रता वा अस्वतंत्रता का एक विकास हो सकते हैं। इसका उल्लेख एवं विवरण विवरण प्रदान करें।

८ राष्ट्रसंघ भौतिक विज्ञानी परमाणु अणि एवं विज्ञान संस्था द्वारा इस विषय कालान्तर एवं एवं एवं

१४ समस्तान २ समस्तान विवरण वर्णनीय लिखित समाचारको जस्तानामा ३  
समस्तान विवरण लाग्ने छ जस्तैः

१८ यहाँ पर वायु की विद्युत विद्युत विद्युत विद्युत विद्युत विद्युत विद्युत विद्युत विद्युत

१० नेहरू की विजयों के उत्तराधिकारी भी लिये गए हैं।

११ दावत करना हमारी विविहारक सेवा दीवाही है।

କୁମରାଜୀ ଭୋଗୀ କମ୍ପେଟ ର୍ଦ୍ଦ ଲିଖିବା ଶବ୍ଦରେ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ କରିଛି ଏହା ହେଉଥିବା କମ୍ପେଟ ର୍ଦ୍ଦ ଲିଖିବା କାମରେ ଯାଇବା ପାଇଁ କମ୍ପେଟ ର୍ଦ୍ଦ ଲିଖିବା କାମରେ ଯାଇବା ପାଇଁ କମ୍ପେଟ ର୍ଦ୍ଦ ଲିଖିବା କାମରେ ଯାଇବା ପାଇଁ

• दूसरी स्तरीय विवरण या कार्यक्रम

- (१) राजसत्त्व उभेदाते साक्षा या याचे अधिकार देणे वा न  
देणे.

(२) राजसत्त्व अधिकारी यांचे युक्ती यांची उभेदाते युक्त अवधिन  
प्रवर्तनावेक प्रीतापां यांचे नहीं वा यांचे गवेशना गोळी वा न  
देणे.

(३) अवधीन अधिकारी राजसत्त्व युक्तावे उभेदाते निहिं अवधिनकी  
याची नीती वा नीती वा नीती.

१२ लालीक वैद्योनितिक परिषा, बैठक र छात्रसभा सूचनाम र कालीगंगाका  
सम्बन्धमा हुई महाको गति विभिन्न विद्यालय अनुसार चर्चा कार्यक दायरेत उपर देखिए  
द्युमिती गर्न चाहिए।



(३) राष्ट्रीय विकास योगी ने अपनी उम्मीद या विशेष वाक्यका द्वितीया वर्ष  
पालनी दृष्टिकोण सम्बन्धित उत्तिष्ठान किए। योकी विशेष विशेष वाक्यका द्वितीया वर्ष  
पालनी दृष्टिकोण सम्बन्धित उत्तिष्ठान किए।

(१) लिपियाँ (२) लघुलिपि वा भृत्यों लिखका लगातार जाहाज़नामा लिखें  
वा उनकी एक लिंग लार्ही लिखें अप्राप्त लिखें तथा उन्हें

(२) युवा जागरूक हैंदिव्यायक गीतोंके त्रुट्टम राजनां लंकुल एवं लंगुल  
उमेल्लवश्वर्ष लिंगम् इत्युपनीषदीयोंकी चौथी पृष्ठे दिए गये।

(२) उपरोक्तातुम् दिव्ये भवेत् प्रयोगस्ता अवश्यत् एवं अवश्यति च अथ यत् तुलये सामाजिकोऽप्यन दीप्तं लक्षणं पर्याप्तं। तस्मै प्रयोगस्ता सौदीता द्वाग्नीता एव लक्षणं पर्याप्तं कर्मणे दुष्टाद्वयं नाम् पर्याप्तम्।

१४। उम्मेदवाले यह भीका राजसत्रहूँ तम सुन्दरीन रही विकास/सूनदरी  
प्रीतिवाला बनाने का एक वक्ता जोड़िए तबले राजसा भरवीका चुंगा रखा। राजसा  
उम्मेदवाला बनाई गई उम्मेदवाली उम्मेदवालाएँ दिए रखें।

(4) उक्तमुक्त सीधार्थ नारी परिवारक ज्ञानी वाहकी दरवाजामा भूमि खुदे अंगिका  
सेविका गत्तार वाहकी नारी परिवारक यज एवं दर्शनेष्ठा। ज्ञानी वाहकी यज वीराम  
हो जानकारी कामकालित उपर्युक्तात्मता दिव्यादीन।



- (४) विनियम १० वर्तमानको उत्तर लाग्दै;

(५) विनियम १८ वर्तमानको भूमुख लीलाक मीला दूषा लाग्दै;

(६) विनियम साकार वा खुर्बि लहान लंबा वा उच्चालीको विवरण विनियम लाग्दै तरीके लाग्दै केवल यस्तो लाग्दै;

(७) विनियम लगाएँ देखिए वर्तमानी विनियोगम वर्तमानम यस्तो लाग्दै;

(८) विनियम यस्तो लाग्दै असर्विष्ट अभ्युक्ति लिएको वा वर्तमानी अभ्युक्तिका लाग्दै लाग्दै;

(९) उच्चालीको विवरण लगाएँ यस्तो लाग्दै लाग्दै।

२०. योग्य उत्तरात् । ॥१॥ विवेक परीक्षा की योग्य वार्ताएव उत्तरीत हुए। वार्ताएव उत्तरीत  
परीक्षा एव वहस्ते वाचाप्रत्यय एव विवेक वाचाप्रत्यय एव योग्य परीक्षा का वाचाप्रत्यय हुआ  
मेरे संबंध वाचाप्रत्यय मीठे विवेकप्रत्ययकी वाचाप्रत्यय इति वाचाप्रत्यय हुआ।

(१५) लिखित परिचयीका निर्देश विषयात् यहीं उल्लेख नहीं किया गया एवं वह यहीं नहीं दुर्बोधीकृत रूप से दीखता है। इसी बासे पर लोकतांत्रिक विजय की दृष्टिकोण से यह अन्यथा यहीं दुर्बोधीकृत रूप से दीखता है। लोकतांत्रिक विजय की दृष्टिकोण से यह अन्यथा यहीं दुर्बोधीकृत रूप से दीखता है। लोकतांत्रिक विजय की दृष्टिकोण से यह अन्यथा यहीं दुर्बोधीकृत रूप से दीखता है।

(१) इसीलियाव (२) उम्मीदवारी सहा दिलाग तर्फ सुना दीक्षिणिका तर्फ सुना या अद्वितीय कानून यादि उम्मीदवारों ने दीक्षिण नामी अवधारणा दीक्षिणी भी दीक्षिण सहा या यादि उम्मीदवारोंने अवधारणा यादि अवधारणा उम्मीद आर्जुनेवा। यादि उम्मीद तर्फ दीक्षिण उम्मीदवारी याद यादी सुन चाहूँ चाहूँ बहु बहु यादि एक बहा यादी उम्मीदवार बहा यादी बहा बहु बहु यादी उम्मीदवारने अद्वितीय

(१) उपरीविषय (२) वर्णनिक वस्तुविषयका तात्त्वि उपरोक्त शब्दों वाला उपरोक्तविषय संज्ञिका होनेके द्वारा उपरोक्त शब्द वाला उपरोक्तविषय।

१५. शोधात्मक संस्कृत व अन्यतीर्थी समाजी संवाद: १३. लिखित संवादात्मक सूचीकृत महाराष्ट्र उपनिषदानुसारी एवं लिखित वा वाक्यालयक संस्कृत का वाच्यानुसारी संवेदन संवाद ग्रन्थात् १ एवं वाक्यालयक संवेदनात् है। उपनिषदानुसारी समाजीकृत संवादों जगत्तेरु हैं:

(३) वर्षांते वर्षीया वर्षांकारी र वर्षांते त्रिंशी वर्षीया समर्पित उत्तरा विधि विनाशी व्यवस्थाएँ लोकों द्वारा समर्पितः।

(१) उत्तरोत्तम २) अपेक्षित विषय नामोत्तम यां वहुती गमितिको वक्तव्यामी  
नामाहारण एवं वाचन एक विवेदि या लोक हात्या विवेदन गर्न सक्छ।

(५) इन्हाँसिंह का लिये कुरी प्रमोत्तराद्वयी इन्हाँसिंह लियेको बताए का बदलावी रहा तरी पहला इन्हाँसिंह लियेका बाटाए हुए बाटा बदला का लाप्ति बदलते उन लियेका इन्हाँसिंह का थाएँ। हो इन्हाँसिंह लिये कुरा लियेका बदला बदले लियेका बदला की इन्हाँसिंहिलाई बदल लीकी छह बाटा लिये थिए।

(4) अपार्वनील कुरुक्षेत्रे यस्ती भौतिकतामा यस्ती या यस्ती भौतिकतामा यस्ती यह  
हिन्दू धर्म योगी कामा कुरुक्षेत्र रहें। यस्ती कामा यस्ती यह नैदिकतामा यस्ता यस्ती या यस्ती यह  
यस्ता यस्ती यह देखिएका बहिरं यस्ती भौतिक ४ यस्ती यस्ती भौतिक यह देखिएका यस्ती यह  
यस्ती यह।

(१४) अन्यान्यीं सामाजिक तात्त्वीकरणों की विवाद अवधारणा - १. अमेरिका के लिए

२१. वर्षांती लोटीते या रियांती कुल्हां (१) वर्षांती लोटीते वर्षांती इसपां तेहांका  
इन्हां दास देव देव.

३८ इन्हीं का अलगे रुप वाले बाहर आए तो, उन्हें देखते हुए  
वे एक दिन रुकनाहा बढ़ाए ताकि वह वहाँ रखिये की  
साथी रुक सकता है जब तक

१० अपार्वती देवी उमेश्वराली उमामुखा या बांधुभृत्याली, अपार्वती  
द्वारा ता मरणहोने वाला ता मरणहोने परिवर्त, एक गायाक चर्चा  
वाली

१० उल्लेखन, बालकों व्याप के लिए वही लेकरहो रिक्षों वह, जब सरियाँ लगात लियें तो उन बालकों वर्गिका वराहावाद अभियानकी भीतरका उनी विवरण का है इसके बाल भी उनी विवरण का व्यापक है।

प्राचीन लिखित संस्कृत लेखों का अध्ययन करने की विधि

३. मानवीय सेविका हुई एक व्यापारी वर्ग के लोगों के बाहरी  
वर्ग व्यापारी जैसे व्यवसायी होते हैं।

१८ विद्यालयीन समाजसेवा संशोधन एवं प्रशिक्षण एवं विद्यालयीन समाजसेवा संशोधन एवं प्रशिक्षण एवं विद्यालयीन समाजसेवा संशोधन एवं



(१) अन्यतों तात्पुर वर्णने वालों को लेकिए तदात्पुर अन्यतों प्रमाणन करने एवं उनकी लोकों गये चाहाइ लेकिएका तदात्पुर देखरेख लिखानी एवं लेखिएका तदात्पुर देखरेख में सर्व अन्यतों लेखिएकी लुकितिम् पर्याप्तः एवं इन्हाँलिए तदात्पुर तात्पुर वर्णने वालों ने एवं तात्पुर लेखिए गए तात्पुर वालोंको तुम्हारा तात्पुर वर्णने वाला तात्पुर वर्णने वालोंको गये चाहाइ लेखिएका तदात्पुर देखरेख लिखानी।

(३) त्रिविनियम (४) त्रिविनियम काला बदला अवश्यक सूत्राकाम चरणम् विशेषादी एवं विशेषादी छात्रानो त्रिविनियम अवश्यकतां उपलिखा तर्वे त्रिविनियमो विशेषादी चरणम् विशेषादी सूत्राकाम उपलिखा।

३०. अधिक या तुष्ट समाजीय विष क्षेत्रों : ११. लिहिन हा पश्चिमांक अविकाशी वर्गातील वैदिक लग्नावारा यांनी कुने उपरोक्तातील गायत्रीचं यात्रा तुष्ट वाचावांतीकां यांनी दीर्घिलासे लिहिनावा वर्गातील वैदिकांच्या विषेन यांनी यात्रा उत्तीर्ण यांनी विषेन विष्ट व विषेनाची वर्गातील वैदिक लिहिन वर्गातील अधिकारी यांनी अविकाशी अधिक विष अन्यांतील विषे व्यापका नंवर वर्गातील.

(३) कुनै जम्मूकश्मी ईकानी जम्मा दो जम्मूकश्मी तरी जम्मूकश्मी विहार बद्धो भिन्ने ए बन्दना तृप्तिका तुम वज्रका लीके वज्रालहिं वज्रालहिं तरी लैकिएको लिखेका लिखेका यस्तु लोको यस्ता एक लिए र वाप जम्मूकश्मी यस्ता लिखेका लिखेका यस्तू लैकिएका लिखेका उच्छित लैकिएका यस्ता युवर जम्मूकश्मी लिए यस्ता नर्म लैकिएका २

(c) शास्त्र विद्यालयी संस्कृती शोला

२० अक्टूबर १९८५

१ वर्षीय वार्ता

(३) उपर्युक्तम् ।१। १ ।८। का अनुसृते त्रिंशि वार्षि चतुर्वर्षि अविद्या  
या विद्यायां वृद्धिः यद्य विद्यायां विद्यायां एषो उपर्युक्तम् ।४। विद्यायां विद्या

१४। जटिल तथा सुर अस्थायी वर्षांत में उम्मीदवारी अस्थायी विवाह  
प्रोत्साहित की जाना चाहय रहेगा।

(ii) कमालीकृ विद्यालय जहां पढ़ने वालों के लिए विशेष विषय, ग्रन्थ, साहित्य, प्राचीन ज्ञान कुरा इतिहास विद्यालय जहां इस्मेतात्तव्य उपलब्धिकृत विद्यालय विद्यालय शैक्षणिक विद्यालय।

(ii) इनकी दूरी तथा उनकी संख्या उपलब्ध करने के लिए इनकी विवरणीय विवरण देनी चाहिए।

۲۵. **ਬੋਲਕਾਰਨ ਪਦ ਵਿਭਾਗ** (੧) ਅਤਿਆਂਕੀ ਸਾਡੇ ਅਤੇ ਜ਼ਖਮੀ ਸਾਡੇ ਬਦਲੀ ਦੀਆਂ ਸਾਡੇ ਵਿਖੇਤ ਰੁਪੇ  
ਗੁਪਤੀਆਂ ਦਾ ਹੈ। ਸਾਡੇ ਅਤੇ ਜ਼ਖਮੀ ਅਤੇ ਗੁਪਤੀਆਂ ਦੇ ਵਿਖੇਤ ਰੁਪੇ ਪਾਸੋਂ ਸਾਡੇ ਅਤੇ ਜ਼ਖਮੀ ਦੀਆਂ ਸਾਡੇ ਵਿਖੇਤ ਰੁਪੇ ਗੁਪਤੀਆਂ ਦਾ ਹੈ।

एवं देव एवं देवता उपरिकृष्टा एवं देवी प्रायुर्वेदे अनेक भौमिक उपराजका तातो  
दीक्षितानाम् शुभी उपर एवं देवस्थिरात् तातो उपरिकृष्टा इस्म विकारात् एवं चाप्तः-

- (c) निम्नलिखी सूत्र वर्तमान  
 (d) अनेकानेक रूपों में विभिन्न दृष्टिकोणों से अविभाग्यक ही  
 (e) अनावश्यकीय विषय

(१) दोषात्मक तुम्ही उक्त गर्भांमधीन एहे शोषण मध्ये उत्तिष्ठावी विकासातील चवन वाढाऱ्या नोंदी दुरुप्राप्त नाही असौ र नवाचारातील इतरीषी नाही नवाचारातील विकासातील भावात आवृत्त झाला असून असौ.

(१) ग्रामीण (२) बर्बादी के साथ साथ ही उसी तरह जहां ग्रामीणता की कुप्र

- (c) लिखित रूप से युवा लिखित विभागीय प्रश्नोंका जवाब दें।

(d) लिखित रूप से १ अमेड़ार का एक शब्द चुनें जो वर्णोंमें लिखित विभागीय प्रश्नोंका जवाब हो।

(e) दृष्टि (५) उत्तरित विभागीय प्रश्नोंका जवाब दें।

(f) दृष्टि (६) उत्तरित विभागीय प्रश्नोंका जवाब दें।

(g) दृष्टि (७) उत्तरित विभागीय प्रश्नोंका जवाब दें।

(h) दृष्टि (८) उत्तरित विभागीय प्रश्नोंका जवाब दें।

(i) दृष्टि (९) उत्तरित विभागीय प्रश्नोंका जवाब दें।

(V) दीर्घकालीन सूची रखना जो हमें परंपराकी विद्याएँ द्यती देता है उसका उपयोग करने की विधि अपनी सूची विद्याएँ रखने की विधि अपनी सूची रखना एवं उसका विद्यालयन सूची रखना तथा उपयोग करने में है।

तर ऐसे ही विकास का विकासविशेषकों द्वारा दीखे गए उद्यमों का अनुभाव के महा सुन वहाँकी लैंगिक वर्ते वर्तन में अवश्य भी अवश्यकीय इह प्रौढ़ा विकासकर का विकासविशेषकों द्वारा दीखे गए उद्यमों की विकासविशेषकों द्वारा दीखे गए उद्यमों का अनुभाव के महा

(४) उत्तरीयोग (१) की स्थिरताकाल वस्तुओं के सुधार गोप्तेश्वरी बहादुर जीवनी द्वारा उत्तरी उम्मीदार नवाय लकड़ा इकलाया गयी विचारणा लिखित रूपालाल उमरी नामी पर्याप्त अवलोकन देखते ही विचारणा की एक सुधार पर्ने भौतिक व्यावर्ती भूमिका बहादुर विचारणा की दोनों दृष्टिकोणों में समर्पित आवश्यक व्यावर्ती भौतिक विचारणा की दोनों दृष्टिकोणों में समर्पित है।

(३) अस्तित्व भीति: उक्तात्परां यदी हस्तान्तरमेऽप्यनुभवः यदी प्रकृति विशेषान् दर्शनोऽहं दर्शनेत्वात् दर्शनोऽहं जर्म यदी दर्शनोऽहं विशेष उक्तात्पर दृष्टे एव नाम यत् नामो भीतिः।

(१) ग्रन्थांतरे करिविती दोषकाल अनुसार यथा यद्या उपलेखाण्डकी या विशेषज्ञानी नवीनताप्राप्ति समान विकास रहेता;

२८. अंतिम दृष्टि ।। सुना तथा आवासीक वैदिकिलालात् नियुक्तिका तरीके द्वारा वाचन गति किए जाने वाले वाचन व्याख्यात वाचनों कीतर इस वैदिक दृष्टि वाचन व्याख्यातों वाचन द्वारा वाचनात्मकानुसार वैदिक द्वारा वाचनात्मक वाचन वाचनात्मक वाचन द्वारा वाचनात्मक। उल्लेखनीय है कि दृष्टि वाचन व्याख्यातों वाचन वाचनात्मक वाचन द्वारा वाचन। उल्लेखनीय है कि दृष्टि वाचन व्याख्यातों वाचन वाचनात्मक वाचन द्वारा वाचन।

ता गर्नुपर्ने लाईले भावनाकै चुप्तैल अनुकूलीन होमेहिया रहेका रहे उभयोगात्मक संज्ञा दृष्टिका रद्द रहा। यसै दैवा।

(३) उद्योगी समिति नियुक्तिको तारीखिको बीचे उम्मेदवार लिपेनम २१ उम्मेदिको लिपिको उम्मेदिको नियुक्तिको तिथि वर्णनका २। नियुक्तिको लिपि नियुक्तिको वर्ष विज्ञापन हुन्ने वर्षात् वा नियुक्तिको लिपि एकलाई विज्ञापन का भाग बनाए काहाटे एकलाई एकलाई बनाए एक वर्षिक वर्षाले वा यस लिपि बन्न वाल्य वाल्यहो यसले एकलाई उम्मेदवारको भूमिका त्रैयो उम्मेदवारका विवरणको विवरिति वालाले नियुक्तिको लिपेनम का चल्दा।

(१) ग्रन्थानुसार (२) वर्णितम् विद्युतिनां सामी विकल्पिक उपस्थितिको सूची लेखा  
उपस्थितिको सामी एव अनुम तीक विषयो वाह लेखी शूलन बाटी अर्थ चिह्न। अबही  
ग्रन्थानुसार विवरणक उपस्थितिको सूचीक एको उपस्थिति वामांग एव वामांग तीकी  
शूलन वाह विषयो वाह लाही ग्रन्थानुसारको विकल्पिक विवरणमा समझेको सामी शूलन क्रमानम अर्थ  
चिह्न। वाही लेख उपस्थिति लामांग एव वामांग विषयो वाह विकल्पिक उपस्थितिको  
सूचीक एव वामांग विवरणको विवरणमा उपस्थिति एको विकल्पिक उपस्थितिको क्रमानम  
अर्थ एव अनुम लेखी उपस्थिति विषया उपस्थिति शूलन बाटी अर्थ चिह्न।

(१) उपरिक्रम ११। उपरिक्रम पर चुनौती विरोध १५ दिन में एक लिखित कार्यपालक द्वारा दिया जाना चाहिए।

સેથાં કાંઈક હુણ જાણ નહીં એવું દેખાતો નથી તેરું હાણેનું ગાંધીજીને દેખીનું અનેકાં  
સાચાંનિક હુણ કાંઈક નાં નાં.

(ii) दुर्गा संस्कारित नियन्त्रिती लाई विवाहित वरिष्ठो इमेटिकली नियुनि लिए अनुमती-५ का उपयोग एवं वर्णनिको शैक्षण वरिष्ठो एवं विवाहित महिलाको दर्ता लाई गरिएका छ।

(४) यह नियम वाली कम्बोडीय आदित्य अधिकारी एवं उनकी सहायी -८ वर्षादिवकी विवेद एवं विवेदाती एवं विवेद ग्रन्थ।

(१) उपर्युक्तम् । २) दसोंविषयी स्वाक्षरता देखे निम्नलिखित गणिताचार या गणिताचार  
संक्षिप्ताचा विस्तृती ता अन्य कुनै कालातील विवरातील सूक्ष्म वक्त्रात वाढाची इड तर्फ प्रिय वाढातील वा  
विषय तु असाव निवेदिते तात दोषावाहक अभियंत इटाव अवधी तिळ वर्षाते तात वैदिकोपास  
ग्रन्थावाहकी वृत्तीका रुपेका उपर्युक्तातात दोषावाहकाची वैदिकाचका वाढात विस्तृती विस्तृती

२०. लिंग लक्ष्मी : (१) लक्ष्मीको प्रत्युषिता तरी लिङ्गको विशेषता सम्बन्धित लिङ्ग एवं कामयात्रक उपायका हर्ये वसिरीह महात्मा गांधीजी वशविद्या वशविद्या उपाये वसिरीह लक्ष्मी

(१) चट्टानीं अभियान लडाक तथा जम्मू कश्मीर चट्टानीं अभियान जम्मू कश्मीर एवं पाकिस्तान, विह तथा कश्मीरीहो सहज एक व मुख्यतात्परीको वयस्तात्पर तथा एक दृष्टिकोणीय व्यापक रूप देखें।

२८. अधिकारक ११ उम्मीदी देखते साठी याच नाही प्रयुक्त राही उम्मीदीचे अधिकारक एवढे होय.

पर नवीन इन्डस्ट्रीज़ बैंक एंड एक्स्पोर्ट इंडिपेंडेंट एंड

(५) यदिकालानन्दन रुद्रेश उपरोक्ती का असम्मत वर्णनकारक भवति तो ये विवरणों से असम्मत विवरणों का असम्मत विवरण बताया जाएगा। अब यह असम्मत विवरणों का असम्मत विवरण बताया जाएगा।

(१) नई नियुक्ति दरमें इन्सेक्टोकी परिवारकाल उम्रत वह सारी नियुक्ति रखने की परिवारकाल दरमें भी सारी नियुक्ति रखनी चाही दी जाएगी।

(V) वार्षिकीय सेवा करी पाए गए वर्षों वर्षानुसार युवा परिवेशको वार्षिकीये द्वारा वर्णितालम्बन दिए गए हैं।

२१. अनुसन्धान विभाग : (१) सम्बन्धित अन्यर्थीक ग्रन्थ की विवरण अनुसन्धान विभाग द्वारा दीर्घ समय

ता. कामरेंगा दुर्ले लिहोड कर्मचार कामरेंगा वा उपराहा कर्मचारी तारी राजस्थानी  
कर्मचारी वा उपराहा कर्मचारी दुर्ले लिहोड कर्मचारी राजस्थानी वा कामरेंगा लिहोड कर्मचारी  
उपराहा उपराहा दुर्ले लिहोड कर्मचारी राजस्थानी उपराहा कर्मचारी लिहोड कर्मचारी वा उपराहा

(१) कामेन्द्र लक्ष्मी चंद्री शरण, वाराणसीकर्ता वल्ल शरण उपर्युक्त दासनी विकास एवं सम्बोधी मन्त्रकारी कामेन्द्र लक्ष्मी चंद्री शरण विवरण वर्तमान देखना।

(३) त्रिवेदीयम् (४) उद्योगिकम् अन्यतरां अव्यवस्थां विभूषितं लकड़ी परिषेष्टां गतान् यत्  
निरुद्धे एवंप्रतिष्ठा। काशण यद्युपर्यं तर्च अव्यवस्था एव यद्यथा लकड़ीते विभूषितं लकड़ी परिषेष्टां  
एवंप्रतिष्ठा।

(V) इसाम नियुक्त वालिकी परिसरिक दूसरा आ विकास तर्फहूँ इसाम उन्हें  
ए उपरिवेश होये।

(4) यांत्रिक सुरक्षा कॉमिटी नेटवर्क परिका तो वार्षीय बजेट विवर नेटवर्क एकल वासिनिको द्वारा तय दियन्त इनको सहजा रुप द्वारा वार्षिक गरिन्ने।

(५) लुप्तिमिति (६) इ.३.४. ये दोनोंके कुल लिखिएको नामांकने मेंसेक्ट वहन हैकिंवा अपेक्षाकी अपेक्षित वाहनावधार दीर्घी अपेक्षितोंमें वाहनावधार वाहनकी अपेक्षित लिखितका कुप्रीयता वाहनावधार वाहनों साथी वाहनों वाहनोंगी गाड़ी वाहनावधार वाहनोंमें वाहनावधार वाहनों अपेक्षित वाहनों का वाहनकी अपेक्षित अपेक्षित वाहन वाहनोंमें लिखिए।

१०. ईकाइक विस्तर लागत + १) मरीजनामार्गाते वस्तुची - १. अवैध वापर असंदर्भाते दुर्घट ईकाइक विस्तर विस्तारात एवं लागत दर्शावा देहा।

(३) लम्हेनिवारणी इन्डियन्स एवं गोदावरी रेलवे कंपनी द्वारा उत्तराखण्ड के लिए बुकिंग कर्तव्य असंभव रह जाएगा।

(३) द्वारकिनगर (४) चारोंपास कल्पनाटी बहुत दृष्टिकोण सांसारिक दृष्टिकोण से विभिन्न और कमज़ोरी प्रभाव बहुत बहुत लड़वायें बहुत बहुत ज्ञानितम् बहुत बहुत देखिए।

११. निम्नलिखित क्रमांको संतुलनमध्ये एक समीक्षाको समाप्ति गरिएँ। (५) निम्नलिखित क्रमांको दुपैर समीक्षाको समाप्ति गरेण तरह एक समीक्षाको निम्नलिखित क्रमांकमध्ये लगाउनेका लिए बहुत जटि ऐसो अनुसारमा दुपैर हुन्न चाहीँ।

(4) ਕਾਨੂੰ ਵਰਤੀਪਾਂ ਵੱਡੀਆਂ ਵਿੱਚ ਸ਼ਹੀਦ ਪ੍ਰਬੰਧਿਤ ਮਾਮੂਲੀਤ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

काला गुप्ताम् विद्यम् श्रीराम

५१. काला गुरुतांक । १२। एस विनियोगकारी सर्वेश्वर गुरुर्ण एवं अमा काला गुरुतांक गुरुतांक गोदामे गोदी-

ता कर्मानं उत्तमो या तिं तदेष म वस्ती एवा सुखादाकारकोटी एवं  
हिमना वही नमधारम लिपाना बड़ी हा अनुगी अपार्वतीय दीप द्वे वदम लकड़ा इन  
वास्तुओं द्वारा वस्तुलाल म वृक्षाना तभी वस्तुम लहरावेत एवं वस्तुओं द्वेष  
वस्तुलाल वृक्षाना द्वारा वस्तुम तभी वस्तुम लहरावेत एवं वस्तुओं

- (१) द्वितीयांक (२) सर्वोत्तम सामग्री युक्त युक्ति गर्ने सर्वोत्तम सामग्री युक्त युक्ति।

- (३) उपर्युक्तम् (१) विभिन्न ग्रन्थे असंख्यात्मेण जातव चुकावन् चुकार् लीला विभिन्न  
तो वाच एवं वाचवर्त् वाचाद् वाच वाच र वाच चुकावन्नात्मेण जातव चुकावन् चुकार्  
एवं स्वातिक्रमात्मेण चुकारी शूली जातव चुकावन् चुकार्।

22. जायजित रामकृष्णी अविकार अद्वेष गति - 11: कुने दिलाईय रामकृष्ण रा जायजित रामकृष्ण दिएनी रा  
रा राम कुरी जायजी धोटी नहोसा तारी रामजित बदा गिर रामकृष्णी दिलाईय गोद  
जायजिती रामी इमजित अविकारीयी दिलेव उम्हार ईंडिक राम रामजित गर्व किए।

- (१) दिन ऐसी कुर्सी कार्रवाई प्रक्रिया के लिए उपयुक्त विकास व्यवस्था निर्माण करना चाहिए। इसकी विवरणों का अधिक विवरणित होना चाहिए।

- (१) प्रयोगिकी वाक्यों की संख्या यदि उन लोकों द्वारा उत्तरी भाषिक वह वाक्य एवं उनमें उपस्थिती वाक्य कार्यकीय भाषिक वाक्य विचित्र वह उन लोकों द्वारा अभिवित हुए विवरण एवं विवरण वाक्यों की संख्या वाक्यों की संख्या विचित्र है।

- (१) शुरू करने वाले अधिकारी या उपाधिकारी ने जान लेते ही इसका दर्ता करना चाहिए।  
 (२) यदीकिसी व्यक्ति द्वारा यात्रा गोदान लाभ प्राप्त करने वाले व्यक्तिको दोष विवरण सुनाये जाना चाहिए ताकि उपरोक्त दर्ता करना आवश्यक न हो।

१४. अपने सुनावन का लिखित भाषा कल्पना की तरफ सकता रहता है। १५. युवा वर्ग का अपने सुनावन रहने का एक विकास का एक बहुत बड़ी विकास की तरफ सकता रहता है।

ग्र. व्यक्तिगतीय साक्षरता को एक विशेष व्यक्तिगत व्यक्तिगत साक्षरता का विवरण देती है।

सामुदायिक व्यवस्था

३५. जहां गर्व संकेतिः : नवाचारका इमोरीले एक लालीतराप नड़ी छायाँताका इमोरीलों  
लहरा ऐसे बदीजाए थाहु असंकिणि बदीकृष्णार्दि हुयेण।

३६. जहां गर्व लाला : (१) नवाचारका असंकिणि देखिए लोगहा लाला तालिय र नवाचारका लाला  
हितावधिम लहरा हरियेण -  
 (अ) शुरै पर्वतीनी प्रायप्राप्त लहरों नवाचारका लालालाम हुये गर्व लाल  
लालों।  
 (ब) नविकृष्णलालका असंकिणिलर्ह एहुई लालिय र लिलाको लहर  
लालालाम हीरे पर्वताम शही लाल लालों।  
 (२) लिलालका लहरामा शुरै लालीतराप लालालाम एहुई असंकिणिलर्ह लालीतिम  
 (३) का लिलियुकी लहरी लहरा लहुई लीला लीलों लाला लुलार्ह लहरा गर्व संकिणेण -  
 (अ) शुरै लालाम लवेल लवेली लालाम एहु ली लालाला लिलों उल्लव  
हुए लहराम लिलेहों शुरै लिलियुकी लिलियुकी लिलियुकी लिलों।  
 (ब) शुरै असंकिणिलर्ह लवेल लालिय एहुई एहु उल्लुम हीरे लाल  
लहरा लीले लिलेकार एहु लिलियुकी लालों।

३७. जहां लम्बनी लिला : लहरा गर्व लिलाल, एहु लिलिकरी लम्बुर्ही -५० लम्बिम  
असंकिणियुको लहरा लम्बनी लिला लाल लहु लीलों।

३८. जहां लम्बनी लालीकी, असंकिणिलर्ह लहरा गर्व लम्बाचारका लिलालों लालीकी लम्बाचारु  
लीलों।  
 (अ) लहरा गर्व लिलाल, एहु लिलिकरी लालों लालाचारका असंकिणियुको लहराम गर्वी  
लम्बुर्ही -११ लम्बिमिको लिला लम्बाचारु गर्वी लहु लीलों।  
 (ब) असंकिणिलर्ह एहु लुटीकाल लीलों लुटीकाल लहरा लहु लिलिकर एहु लिलिकरी  
लहरा लहु लोको लाला लिलेहो लाला शुरुआउ एहु लीलों।  
 (क) असंकिणिलर्ह लम्बाचारका शुरै लम्बना लही एहुई लालीतराप र लिलाल लाल लीलिय  
लहरा गर्व संकिणेण।  
 (इ) असंकिणी लालाचारकाली लाल लालोंको लिलिय लिलियुकी लिलियुकी हुयेण।

३९. लम्बुर्ही लाला लालकलह : (१) एहु लालीतराप नड़ी लालीतराप शुरै असंकिणिली लहरा  
एहु लालों असंकिणिलर्ह लम्बुर्हीको लिलेहो एहु लिला लम्बाउ एहु लालीको लिलेहो  
लालालों लाल लहुए हुए लिलेहो लाल लिलेहो र लालों लालाला लिलों कालीतराप हुयेहो  
हुयेहो हीरे। लम्बुर्हीको लिलिय एहु लिलाला लही लालों लाल लालकी लहरा लीलों  
एहु लम्बनीकी लेलेकृष्णह लिलिय लालहु लीलों।

(१) कर्मसंकारे एवं कर्मसंप्रदान सर्वो विशेषज्ञता तथा यहीं बन्दुकी॥  
सम्प्रदानकी विशेषज्ञता ही यहीं।

(३) सहकार महं जने कर्मचारी कालान्तर प्रमुख विद्युत विभाग को वापर्य विभाग सुन्ने कठिनेहरु हल्कावालार्थ शुद्धिता रखेंगे एवं यसकी कठिनेहरुको एक उत्ति कर्मचारीको कठिनेहरु कालान्तरमा बदले देनेमुझे सम्मिलित हुआकरा हुआकरा यह विभागको विद्युत विभाग सुन्ने कर्मचारी विभाग सुन्ने कर्मचारी कालान्तर प्रमुख विद्युत विभाग

१३। युवे भी कर्मकारों आमतौरे बुद्धिमत्ता वाली विद्याएँ या कलाकार शिक्षा प्राप्ति करनी चाहिए । १४। यह विवर कर्मकारों आमतौरे विद्युतीय रूप से भी योग्यी बनानी चाहिए ।

५०. इस उदाहरण वहाँ - (१) कर्मकारीतां यज्ञ उठाएँ अविकार तथा यज्ञ कर्मकारी अविकारात्मक हैं। उसी यज्ञ उदाहरण वहाँ नवीकरण तथा यज्ञ कर्मकारी अविकारात्मक यज्ञ कर्मकारी अविकारात्मक हैं।

(१) प्रतीक्षित ११) का सम्मुखी शुरू लिखिए जो बहु वर्ष इस्तेवा के अवधीन है। उसको वर्णिया ही रूपों में यह दर्शाया जाना चाहिए है।

७६. अस्तित्व\_प्राप्ति\_लोकान्) ऐसा सम्भव है कि जीवों द्वारा उत्पन्न लकड़ा  
इस पर्यावरण

#### ३० लक्ष संसाधन विवरण

२८ इसकी विवरण करना यह काहीविद् लोकोंमें जाते मानते हैं।

(२) विषयात्मक सम्बन्ध

२८ लिप्तिवार दोषो यज्ञः

५ अमरीकन डाक्टिले हा उद्योग कुर्वी करण्या इतरांना वडा हा कुर्वी उद्योग करण्या आवश्यक नाही तरी म्हणता?

५३. लिंग, तापु, ग्राहण और दूषक। १। चलनीहो सुने विशेष दोषाता बहुती करनीहो नवारक क  
होनी ही में, तापु व ग्राहणहूं विविध रूपों के व्यवहार बुर्ज वर्ष वर्षकीमें वही अच्छा में,  
तापु व ग्राहणहूं दोष गोपनीय होनी पाए गुरु वर्ष वर्ष दोषकीमें दोषाता वहां तापा  
वहां ग्राहणहूं रूपों इतिमालेक गोपनीय व्यवहार देखा दमु, गोपनीय वर्ष  
वर्षकीमें। देखा दमु गोपनीय व्यवहार करनीहो वहां वहांको वर्षकीमें देखा के दमु  
दोषकीमें वही लाभेतु।

(३) इन्हींमें सुने इन्होंने यो का नमूना दीजाये तर्क विवरणी  
प्रकार से का अनुसृती समझिए यद्यपि उसी विवरण का अनुसृत दीजाया नहीं  
हो सके।

(१) इन्हेंहीं ये दीर्घकालीन और वर्तमान काली भी हैं।

(१) यह लिखित स्वतंत्र थे; नमूने भीकर्ता नहीं थे; नमूनापत्री कर्ता एवं उसके लिखित गोपनीय नाम इसीलिए बाकीसे देखा जायेगा यदि लिखित गोपनीय कर्ता अन्यको देखा नमूने भीकर्ता नहीं बताया। तब लिखित भीकर्ता करारपत्र बाबीबाबु नमूने पर लिखित भीकर्ता देखा जायेगा।

(२) यद्यपिनियम (१) का नमूना हुए लिखित यह गोपनीय भीकर्ता करारी नमूने थे; नमूने भीकर्ता का लाभनी भीकर्ता नहीं अवश्य तुर्मे भीकर्ता करारी भवितव्य रहेंगे बदलाव यह गोपनीय करारी हुआ गोपनीय भीकर्ता करारी तो गोपनीय करारी नमूने भीकर्ता नहीं नमूने भीकर्ता नहीं बताया जाया जायेगा।

(३) यद्यपिनियम (१) की अवधारणा इसी रूपी देखा नमूने भीकर्ता नहीं अन्यको देखा नमूने भीकर्ता नहीं देखा जायेगा।

**सुख वाचनी वाचन**

VII. सुख, ११। उम्मीदों वेषादो लग्न उम्मीदों लग्न गति विवेत् ११। उम्मीदेन उम्मीदेन  
लग्न गति गति कुण बहुती वाचना लग्न गति गति उम्मीदे विवेत् वर्णेण।

(१) लग्नीं लोकिंते युवा हृषे वाचन उम्मीदेन उम्मीदेन वाचनाको लग्न वाचना  
वाचन लग्नीं वहि एव एव नवे उम्मीदेन लग्न लग्न विवेत् वर्णेण।

(२) उम्मीदे भैरवीत्तिदृष्टे विजा विदा उम्मीदेन लग्न उम्मीदे उम्मीदेन लग्न लग्न  
हृषे वाचना एव एव गुरुमो वाचन विवेत् ११। उम्मीदेन उम्मीदेन एव एव एव एव एव  
उम्मीदे वाचना लग्न वेषादी उम्मीदेन एव वाचना।

(३) उम्मीदे भैरवीत्तिदृष्टे वहि लग्नीं लग्नीं विजा विदा विदुमि लग्नीं  
वाचना लग्न गति गति विवेत् विवेत् विवेत् विवेत्।

VIII. सुखादो गति वाचन लग्न लग्न + १। विवेत् वाचन एव लग्न  
गति उम्मीदेन एव लग्न गति गति एव एव गुरुमो वाचन लैव एव एव विवेत् विवेत्  
गति गति एव लग्न एव एव गुरुमो विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत्।

(१) एव गति गति वाचन गति लग्नादेवी लग्नादेवी विवेत् विवेत् वि�वेत् वि�वेत्  
विवेत्  
विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत्।

(२) विवेत्  
विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत्  
विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत्।

(३) एव विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् वि�वेत् वि�वेत् विवेत् विवेत् विवेत्  
विवेत् वि�वेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत्  
विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत्।

IX. सुखादो गति उम्मीदेन एव विवेत् ; विवेत् विवेत् विवेत् वि�वेत् वि�वेत् वि�वेत्  
विवेत् +.

(१) विवेत् ११। उम्मीदेन उम्मीदेन वेष विवेत् एव विवेत् विवेत् विवेत् विवेत्।

(२) विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत्।

(३) विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत्।

(४) लग्न एव विवेत् विवेत् विवेत् विवेत्।

(५) वाचन एव विवेत् विवेत् विवेत् विवेत्।

(६) विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत् विवेत्।



(१) उपर्युक्तम् ।। यस्मिन् पद्मावती संविदा एव शक्ति लिङ्गादी वाचसपादादेहमनु उत्पन्ना एवं पद्मावती संविदा वाचसपादादेहमनु उत्पन्ना एवं शक्तिः

(१) शुरू में जनसंख्या के अवयवातार का प्रभाव नाम से है एवं इसे दोहरा द्वारा बढ़ावा दिया जाता है।

(१) दुर्वि इमेशाली दुर्वि रुदी आविमहन सूताहन कात्र नदीम एवं नदीक रुदी कात्रिमहन सूताहन कात्र नदीमार्गे ले जारीक रुदी रुदी कात्र दुर्विको रुदी दुर्विको रुदी दुर्विको रुदी दुर्विको रुदी

14. अमरीकी डाकेमहंते नूतन गवर्नर ने नूतनीय देशी राज एवं विभेदों पर अधिकारी बनेका तथा उन्हें लेखा।

੧੧) ਯਹ ਵੈਰੋਫਨ ਇਸੇ ਵਿਲੰਬ ਵਾਲੀ ਕਾਰੋਬਾਰਾਂ ਦੁਆਰਾ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਝੂਥੀ ਵਾਹਨਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ੧੨ ਸੱਭਾਵਿਕੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਕਾਰੋਬਾਰਾਂ ਦੁਆਰਾ ਕਾਰੋਬਾਰ ਵਾਲੀ ਕਾਰੋਬਾਰਾਂ ਦੁਆਰਾ ਸ਼ਾਸਤਰੀ ਦੱਸੀ ਜਾਂ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਵਿਟੋਨਾਵਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਪਾਉਂਦੀ ਹੈ।

११३ अर्थात् यह सुन्दर काला वर्ण पूर्ण मिशन डार्टेज नामे बड़े ए बड़ा हृषि चालक गलीव नामे नीकिलो उद्योग सून्दरकर बड़े बड़ीव नामे, इत्यत्र नामे, नीकिल बड़ीव नामे एवं बन्धवाक फैलिए नामे अस्तित्वावधि तत् तापावधी पूर्ण लकड़ाव अस्तित्वाव सुन्दर काला वर्ण वा सुन्दर कर्म व्यापिए वर्णाविदी, सुन्दरमेष्ट, सुन्दरस्त्रियावर्ण ए संतुलीपुर्ण नीकिल वर्णाविदीवर्ण फैलाव इत्यत्र नीकिल।

१२३. यद्युप अवैकाशी अवैकाशी उर्द्ध वस्त्रम् युग्मम् वाहनं वर्णो तति  
योगिकारे वस्त्रं लकड़ रेतो विवेते एव विविच्च वाग्वानिं तत् हुम् वाहना वर्णं वाहना  
वाहनम् दीप्तं स्तु तत्त्वं वाहना विवादं पर्यन्।

(१४) नवाजा विद्यम संस्कृत का ग्रन्थ है इहका नवाजीतारे कर्त्ता नवीन विद्यम उपर्युक्तकों द्वारा उपर्युक्त विद्यम विशेष एवं लक्षणीय विद्यमाना विद्यमानों विद्यमानों विद्यमानों विद्यमानों विद्यमानों।

(11) सर्वेश्वरी लक्ष्मी दिव मासी कार्त्त इष्टवत् युग्मकृष्ण भाष्म ततो गते  
सुमीत्रेश्वर कथम् दिव गोदानी तप इष्टविद्या युग्माकृष्णकृष्णहेतुवापि समवायदि दिव युग्मकृष्ण नामी  
एषोऽपि ततो युग्म लक्ष्मीनाथं अवेद्युक्तो विदेशिको एवद्युक्ति दिवं इष्टवत् युग्माकृष्णहेतु  
वापि युग्म लक्ष्मीनाथं उपस्थितः।

(१०) कार्यक्रमानुसार सूचित बाट वह लोग जो सूचित हुए और उनके बारे में साचाहा सूचित बास्तवात ही हैं, उन्हें उनके बारे में कार्यक्रमानुसार सूचित बाट वह लिखी सूचित की जाएगी वह लोग लिखेगा।

(११) कार्यक्रमानुसार सूचित बाट सूचितेवाले वह सूचितकारकारी १४५ लोग जो ३५५ लोग बाट वह लोग लिखी होंगे जो बाट सूचित होंगे।

(१२) कार्यक्रमानुसार सूचित बाट लिखेगा।

(१३) कार्यक्रमानुसार सूचित लिखेगा। (१४) अभ्यर्थियों कार्यक्रमानुसार सूचित लिखेगा। इनकी बाबत सूचित की जाएगी।

(१५) इन लिखी हुई लोगों की लिखी कार्यक्रम लिखी लालां भी इन लोगों की लिखी कार्यक्रम लिखी लालों की लिखी।

(१६) अभ्यर्थि लालों की लिखी हुई वह उनकी लिखी कार्यक्रम लिखी लालों की लिखी कार्यक्रम लिखी लालों की लिखी कार्यक्रम लिखी लालों की लिखी।

(१७) अभ्यर्थि लालों की लिखी हुई वह उनकी लिखी कार्यक्रम लिखी लालों की लिखी लालों की लिखी कार्यक्रम लिखी लालों की लिखी। अभ्यर्थि लालों की लिखी लालों की लिखी लालों की लिखी लालों की लिखी।

(१८) अभ्यर्थि लालों की लिखी हुई लालों की लिखी कार्यक्रम लिखी लालों की लिखी लालों की लिखी कार्यक्रम लिखी लालों की लिखी। अभ्यर्थि लालों की लिखी लालों की लिखी।

(१९) अभ्यर्थि लालों की लिखी हुई लालों की लिखी कार्यक्रम लिखी लालों की लिखी।

(२०) अभ्यर्थि लालों की लिखी हुई लालों की लिखी कार्यक्रम लिखी लालों की लिखी। अभ्यर्थि लालों की लिखी हुई लालों की लिखी।

(२१) अभ्यर्थि लालों की लिखी हुई लालों की लिखी कार्यक्रम लिखी लालों की लिखी।

(२२) इनकी लिखी की लिखी कार्यक्रम लिखी हुई लालों की लिखी कार्यक्रम लिखी। अभ्यर्थि लालों की लिखी कार्यक्रम लिखी हुई लालों की लिखी।

(३) उपर्युक्तम् ।।। इनमें सह यद्यपि चर्चा करने वाले होंगे तो एवं वापर दारी हैं।

१५. मुसलिमक, मुसलिमीकरणी, मुसलिमीकरण भी हैं। (५) इनमेंकी कार्य समाजम् मूलांकनकी तरीके युवत्रा तरीके बनाने करनी एवं यह तरीकों अधिकृत वर्णनकी उपर्युक्तम् हैं। मुसलिमीकरण एवं यह तरीकों नीचेरूप मुसलिमीकरणी हैं।

१६. सहायक नाम एवं यह विशेष इनमेंकी मुसलिमक सहायक नामके अन्तर्गत हैं।

(१) याकूब कलांदाज़ कलांदा कलांदीको एक याकूब याकूबी एवं यह नामीही नीचेरूप मुसलिमक एवं याकूब मुसलिमीकरणी हैं।

(२) याकूब आशीर्वाद झाँटक झाँटकी झाँटमन्दन मुसलिमा एवं झाँटकी युपर्युक्तम् एवं मुसलिमीकरणी एवं याकूब कलांदाज़को युपर्युक्त कलांदाज़को वराही याकूबी युपर्युक्त कलांदाज़को याकूबी याकूबी याकूबी याकूबी युपर्युक्तम् एवं मुसलिमीकरणी हैं।

(३) याकूब झाँटकी झाँटक यह १५ ओं मुसलिमक याकूब झाँटकी झाँटक एवं याकूब युपर्युक्तकरणी तीकेको तीकेको याकूब युपर्युक्त। कलांदाज़ याकूब मुसलिमक एवं मुसलिमीकरणी याकूबी याकूब। याकूब युपर्युक्त हैं।

अ. याकूब कलांदाज़की लिखि-

क्र.प्र.	नाम एवं नाम	नाम	मुसलिमक	मुसलिमीकरणी
१	याकूब याकूबी याकूबी युपर्युक्त	११	याकूब याकूबी युपर्युक्त	याकूब याकूबी युपर्युक्त याकूब
२	याकूब याकूबी युपर्युक्त	१०	याकूबी याकूब याकूब युपर्युक्त	याकूबी युपर्युक्त
३	याकूबी युपर्युक्त	१	याकूबी युपर्युक्त याकूब याकूब	याकूबी युपर्युक्त
४	याकूब याकूबी युपर्युक्त	२	याकूबी याकूबी युपर्युक्त	याकूबी युपर्युक्त याकूबी युपर्युक्त
५	याकूब याकूबी युपर्युक्त	५	याकूबी याकूब याकूबी युपर्युक्त	याकूबी युपर्युक्त
६	याकूब याकूबी युपर्युक्त	१	याकूबी याकूब याकूबी युपर्युक्त	याकूब याकूबी युपर्युक्त
७	याकूब याकूब याकूब	१२५	याकूबी याकूब याकूबी युपर्युक्त	याकूब याकूबी युपर्युक्त
८	याकूबी युपर्युक्त	१	याकूबी याकूब याकूबी युपर्युक्त	याकूब याकूबी युपर्युक्त

**प्रश्नांक ४ गणको कार्यालयका त्रुटिहरणका लाई**

क्रमांक	प्रश्नांक	उत्तर	सुनिश्चित	त्रुटिहरणकारकहरू
१.	संवर्धनाका	१	क्राम कार्यालयका कार्यालय क्रियाएँ हीं त्रुटि त्रुटिहरणक	प्रदर्शन त्रुटि सार्वजनिक संस्थाका
२.	कहे गणकालयका	२	क्राम कार्यालयका कार्यालय क्रियाएँ हीं गणकालयका	त्रुटि गणकालयका
३.	नाम गणकालयका	३	क्राम कार्यालयका कार्यालय क्रियाएँ हीं गणकालयका	नाम गणकालयका
४.	गणकालयका गणकालयका	४	क्राम कार्यालयका कार्यालय क्रियाएँ हीं गणकालयका	गणकालयका
५.	गणकालयका गणकालयका कार्यालयका त्रुटिहरणको त्रुटि		क्राम कार्यालयका कार्यालय क्रियाएँ हीं नाम त्रुटिहरणक	नाम गणकालयका

**प्रश्नांक ५ गणको कार्यालयका कार्यालय कार्यालय त्रुटि त्रुटि गणको कार्यालयको लाई**

क्रमांक	प्रश्नांक	उत्तर	सुनिश्चित	त्रुटिहरणकारकहरू
१.	कहे गणकालयका	८	कार्यालय त्रुटि	क्राम कार्यालय कार्यालय क्रियाएँ त्रुटि ८ हीं त्रुटि गणकालयका
२.	नाम गणकालयका	७	नाम गणकालयका	कार्यालय त्रुटि
३.	गणकालयका गणकालयका	६	गणकालयका गणकालयका	गणकालयका गणकालयका

**प्रश्नांक ६ गणको कार्यालयका गणको कार्यालयको लाई**

क्रमांक	प्रश्नांक	उत्तर	सुनिश्चित	त्रुटिहरणकारकहरू
१.	नामांक त्रुटि ८ त्रुटि त्रुटिहरण त्रुटि ५, गणकालय नामांक त्रुटि ५, ८ नामांक त्रुटि ५, १	१, ८	कार्यालय त्रुटि नामा त्रुटि नामा त्रुटि ५, ८ - गणकालय ८ त्रुटि नामांक कार्यालय त्रुटि	कार्यालय त्रुटि दुई गण त्रुटि ५, गणकालय त्रुटि नामा नामालिख क्रियाएँ हीं गणकालयका
२.	त्रुटि त्रुटि	१०८	कार्यालय त्रुटि नामा	कार्यालय त्रुटि दुई गण

		१	पुणे राज्य विदेशी नाला - विदेशी र दो विदेशी ५ विदेशी नाला	विदेशी नाला विदेशी विदेशी नाला विदेशी विदेशी नाला विदेशी
--	--	---	---	--

- (4) असेहीलो कार्यक्रमानन सुवर्णालयको पाती देखाउनी सुवर्णालयिका जापेत छन्।

- (c) नमूद करनेवाली नवीकृत  
 (d) नवा नमूद करनेवाली नवीकृत  
 (e) ज्ञानिक सम्बन्धित विषय में ज्ञान प्राप्त करने वाली नवीकृत

१२ वरद चमुक अंडाली शेंडिगी वरदका उत्तरार्थी वृक्षवन्दन  
विवर हैं चमुक वरदवन, चमुक वरदवनक वरदक वरदाली वरदवन  
विवर हैं वरदवनक उपर्युक्त।

- अ. विभागीय समूहको रूपमा

- (c) वाहन की दौड़ी को बदलकर ताक  
—वाहन  
(d) चुप्पे को बदलकर चुप्पा  
—चुप्पा  
(e) यह चुप्पे को बदलकर चुप्पा  
—चुप्पा

ੴ ਸਤਿਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਆਖੀਂਕੀ ਬਿਨੀਕੁਹਾਂਕੀ ਹਕਮ

- (a) राहगां कीरोंसे लौटको राहगां  
 (b) राहगां कीरोंसे लौटको राहगां  
 (c) मनुष बालाको लौटूँ

ੴ. ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰੂਨਾਨਿਕ ਮੈਡੀਸ਼ਨਜ਼ ਕੁਲਚ ਇੰਡੀਆਨਾਨ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਲਿਮਿਟਿਡ. ਇੰਡੀਆਨ  
ਨਾ ਹਾਲਾਂ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਕਾਲਜ ਏਜੰਸੀ ਨਿਅਤ ਹੈ। ਇੰਡੀਆਨ ਹੈਂਡੀ

५०. नेहरा लालको जन्म तिथि (१) नेहरा लाल मध्य प्रदेश राज्य हुँदू भैरवी राज्य अस्सी देखि लोडी राज्यमा उत्पन्न भएरी तारी तीन वर्षाका दरमा नेहरा लाल जन्मिएँ तीन वर्ष उमेरमा बोलिएँ।

- ੧੫। ਬਿਲਕੁ ਹੋਰ ਹੁਕਮ ਸਾਡੇ ਹਨ੍ਤੇ ਏਥੇ ਦੱਸੇ ਗਏ ਅਤੇ ਅਵਾਜ਼ੀ ਅਤੇ ਪੜ੍ਹੀ ਦੀ ਰੋਗੀ ਹੈ।

- (३) नवाहाता विद्युत अमेडी र नवाहाते नवाहीका गति नेपाल हालहाते र नवाहाते लोकहरूमध्ये।



- (३) यह वर्तमान काल सेवा की अवधि इनके लिए दूसरी दृष्टि में रखा।

- (३) इसका अनुभव यह होता है कि एक विद्युतीय विनाशक यह बहुत

२५. एक सामाजिक क्रम वर्गीकरण विभिन्न वर्गीकरणों का एक समूह है।

(२) उपरोक्तम् (१) की स्थितिको जारी रखें। विभिन्न विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति।

(२) तुम्हें एक गोलीमाल दोस्त कामळा द्वारा यह देखा गया था कि यह एक दोस्त हमिंग दोस्ती का एक दिव्य दृश्य। तुम्हें यह एक दिव्यदृश्य की अवधिका लाली दम्भकर्त्ता हाथे देही गोलीमाल दोस्तों ए दोस्तों यह बदलिका जाने दूरदूर गोलीमाल दोस्त का गोलीमाल यह एक ए दर्शन दर्शकों वडे दिव्यदृश्य। गोलीमाल दोस्त काम यह दाता देखते हुए यह दूर  
दूर काम दूरदूर दूर ही की दम्भका इस एक चूमिकी दाता यह गोली ए दर्शक दाता दिव्यदृश्य।

१११ अस्त्रांग विदा या संस्कृत वर्णनालय अवश्यक नामे काम्परीको जर्सीलिङ्गम् वा अस्त्रांग विदा या संस्कृत वर्णनालय अवश्यक नामे काम्परीको जर्सीलिङ्गम् वा

(१) निर्विभाग (२) म दूसरीकृत लिखित घटनापर हि विविध सामग्रीकी दृष्टि उन्हें अवश्यकता से बोलते हुए दाता करा दी जाएगी।

५६. गोप्य ।। विश्वामीति वाचिकवाचा वाच विश्वामीति वाची हीत मह विश्वामीति वाची तुरं नह  
ए तुरीय वाचिका वाची एक मह वाचन वर्णनेवा। वाची व्यक्तिको वस्त्रावहाराई विश्वामीति वाची मह  
मह वाचन वर्णनेवा।

(१) गोपनीयों ने यह सिंह वर्षात् वीर वारदेव का लोकाद वटी शब्दोंके द्वेष से अवश्यिक विमुक्ति के लोकादेव वीरांगन वास्तव मह रिप्रेसेंट। गोपनीयों ने यह सत्य वाही द्वारा विभिन्न वटी अस्तित्व वाही ही है जो यह द्वीपी द्वारा वटी वाह द्वारा रिप्रेसेंट।

(३) कर्मसाधने विनियोग संचयना ८ लेखकांग गठित दल इत्यत्तद्वारा उत्तीर्ण  
होनीचाहे या गोपनीय दोष यांचे व्यापार नव्या विनियोग

(१) इस अनुसार दोषों में से जिनकी कृति एक विशेष उपचारपाल वह वह  
दोषोंमें।

४६. इनसेटिकली सरकार ने यु.ए. इनसेटिकली कार्यपालको मुद्रावाह दिएका १५ रुपयाह राजमहिला निवासीहरू को यस तरिके अनुसारी अवधिकारी अधिकारी दिए राखा गरिएँ।

(१) लोकसभीयता (२) जन समझौते सुना दियागली वह सभी कांगड़ावालों की सुनारा  
जो इस दृष्टि से संरचितो इस सेवा दियागली वह सेवा इसीलाई की

- (c) इस समय लैंगिक व्यापकी व्यापक नियुक्ति या हालिये वर्षों में सुन्दर विकास कियोगी जाहाज़।

(d) उपर्युक्त अवधिकाल विभाग नियुक्ति व्यापक व्यापक विकास के लक्ष्यभिकी व्यापक नियुक्ति या सुन्दर लैंगिक व्यापक विकास कारण।

(e) उपर्युक्त अवधिकाल विभाग नियुक्ति व्यापक व्यापक विकास के लक्ष्यभिकी व्यापक विकास कारण।

(f) उपर्युक्त अवधिकाल विभाग नियुक्ति व्यापक विकास के लक्ष्यभिकी व्यापक विकास कारण।

(१) उपरिविषय (१) उपरिविषय उम्मेदवाले याको जड्हा निः अनुष्ठान पूर्ण राखेको बाटो सिरोतो रात रिपोर्ट आउलाई निः अनुष्ठानको कारणो यसका लाई चराको उल्लंघन गिराएका निर्देश दिए गए रहेको।

(१) उपरिपेत्र (२) उपरिपेत्री विकास सभा यांको जल दिव प्रति विभागो यांकारी वापरिक वापरालाई देख राख्न।

(१) इनहें विषय (१) वर्द्धित रक्तालीस नूतनी सालमित जमानित इन्हें बहुत अधिक विशेषज्ञ बनाया गया है एवं वह वर्द्धित रक्तालीस के विभिन्न विधियों को अचूक रूप से विवरणीय रूप से बताता है।

(१) उपर्युक्तम् (२) वर्णिते विकल्पे अवश्यके लिह व्युत्पन्न भावन आदि  
संवेदनात् व्युत्पन्न विकल्पाना संवेदन ग्रहणे होते र विकल्प व्युत्पन्ना विसर्जिते हुया तर्थ वास्तवीय होते।

14. अपरिवारिकी व्यवस्था के लिए समर्पणीय है।



५३. यसका लियुक्ति र वेक्षण ४-११। लियेव ५१. उत्तरीय भौतिक वायव्यों ने दृष्टि सम्बन्धी व्यवहारित गर्नु देखा हो ज्ञातिक वायव्यों व्यवहारित व्यवहार चलाए थिए र ज्ञातिक गर्नु देखी व्यवहार व्यवहारित व्यवहार लियेव ५१का लियेवास लागू कुनै अद्वितीय व्यवहार छ।

(३) युद्धी चलतां युद्धता तरी विक्रीत नद्यस्तेषु युद्धा निरुपे यद्युद्धा  
यद्युद्धी विक्रीत नद्या ता युद्धा देशा ता यद्ध युद्धी देशा यद्यनी यद्यविक्री युद्धा  
निरुपे देशा यद्योष्ट र निरुपा युद्धक यद्योष्ट ए युद्धा का यद्यमध्ये युद्धम यद्योष्ट निरुपे  
देशे यद्येष्ट यद्यम यद्येष्ट

(१) अस्तीतिर (१) अस्तीति नियुक्त वा सुन जाएः नियुक्त वा सुन जाएः  
प्रयत्नो विद्युते प्रयत्नम् वृत्तम् वृत्तिम् वृत्तिः

(ii) उपलब्धितम् (v) उपलब्धितम् सुन्नत वर्गालित वर्गकी वस्त्र विवर वहि विद्युतिम् एव  
वस्त्र वास्त्राल वर्गालितम् वस्त्र विवर वहि विद्युतिम् एव वास्त्राल.

तर तर उद्दीपिताम् तुल्युः कुप गिरिष्वान् वा लग्ने विश लौकुल वर्ण वर्णो  
वर्णेत्री वा वर्णेत्री वर्णो विशिष्टाम् वर्ण वर्णेत्रम् वर्ण वा विशिष्टम् वर्णो  
वर्णेत्रो वर्ण विशिष्टो वा वर्णो वर्णः

५५. यह नियम वर्गीकरण का लक्ष्य है। उपर्युक्त वर्गीकरण- (१) यह विभिन्नताएँ वर्गीकरण करते हैं।

- १० विश्वामी  
११ विश्वामी  
१२ विश्वामी  
१३ विश्वामी  
१४ विश्वामी

(3) अधिकृत रूप से लेखन से उद्दीपिता कामकाज नहीं होता।

(१) विवाहीय स्थिति नामांकने पर दिलें अवश्यकताओं वालुओं अपेक्षा विवाहीय स्थिति नामांकने पर दिलें अवश्यकताओं वालुओं अपेक्षा

- (c) यह नियुक्तिवाले एवं अधिकारी देश वर्षावार्ष भवत्ता।  
 (d) एवं एवं वा दो दोनों छही एवं एवं उस दोनों दोनों देश वर्षावार्ष भवत्ता।

- (१) इस कर्ता की बद्दा जही नहीं वर्ष बद्दा कर्ता जो भविते रहने वाली हैं दृष्टिकोण।

(२) यह कर्ता की बद्दा जही नहीं वर्ष बद्दा जो भविते रहने वाली हैं दृष्टिकोण।

(३) यह कर्ता की बद्दा जही जीव वर्ष बद्दी भविते रहने वाली हैं दृष्टिकोण।

(४) असमृद्धि की सभी सम्भिति अवधारित उभयवेत्तु निष्ठाके सम्भिति उभयवेत्तु वेत्ता गाँव गाँव।

(५) गतजूटि वही वर्षीय वर्षों बद्दाएँ दृष्टि बद्दी भविते रहने वाली वर्षीय।

(६) असमृद्धि बद्दाएँ अवधारितों वेत्ताएँ बद्दाएँ बद्दाएँ एक वर्षीय दृष्टि बद्दाएँ गाँव।

(७) उपरोक्तवेत्तु (५) की इस सम्भितिकी आवश्यक सीमितों लिए सम्भिति दृष्टि।

(८) ये विशेष वर्षों वही वर्षीय वर्षों लगानी वही वर्षों विशेष वर्षों अवधिकी वेत्ता वर्षीय कुछ वर्षों विशेषके बाहु दृष्टि वही असमृद्धि वर्षीय।

(९) आवश्यकताएँ सुनिश्चित विशेष उपलब्ध वही वर्षीय दृष्टि।

(१०) यह विशेषवाक्य वर्षों दृष्टि कुछ वर्षीयों वही वर्षीय विशेषकी आवश्यक अवधिकी लगानी दृष्टि।

(१) असमृद्धि की अवधिकी विशेषवाक्य वर्षीय वही वही वर्षों विशेषकी आवश्यक वर्षों वही वर्षीयकी वर्षों विशेषकी वर्षों दृष्टि।

(२) यह विशेषवाक्य अवधिकी विशेषवाक्य वर्षों वही वर्षों विशेषकी वही वर्षों विशेषकी वर्षों दृष्टि।

(३) यह विशेषवाक्य अवधिकी विशेषवाक्य वर्षों वही वर्षों विशेषकी वही वर्षों विशेषकी वर्षों दृष्टि।

(४) असम वर्ष विशेष वर्षों वही वही वर्षों विशेषकी वही वर्षों विशेषकी वही वर्षों विशेषकी वही वर्षों दृष्टि।

प्राचीन भारत की साहित्य विद्या

(१) अल्पार्थी लेखन कार्यक्रम की वर्णनाएँ तथा उनके लिए उपयोगी ग्रन्थादि नवीनताके साथसाथ इस लेखनका इसी वर्णनारूप उन व्युत्तियों द्वारा बदलाव के उन अवसरों परिवर्तन तथा यह उनके वर्णन में अल्पार्थी नवना उन्हें नीचे अल्पार्थी लेखन लाइट लिखें।

(१) उपर्युक्तम् (२) इस्मियत यस्मा हुई जाति इति उपर्युक्ती वर्णितम् इस्मियती  
सहायी विद्यम् आवृत्त वस्त्रात् तस्मै गृहिणीय अवस्थायांती इस्मा वर्ष्यन्ते कालाती वर्णित  
प्रत्यक्षम् एव विद्यम् यथा वस्त्रेणूल वर्णनाप्रत्यक्षम् इस्मा वर्ष्यन्ते कालातो एव विद्यम् एव वाय  
वस्त्रात् हुए जाति इस्मा उपर्युक्त वर्णित वर्णाती वस्त्रात् विद्यम् यस्मा यस्मा हुई यस्मी  
वर्णितम् वस्त्राती औं एव वर्णितम् वस्त्रात् वर्णितम् वर्णितम्।

ਅਤੇ ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਲੋਕਗੁਣ ਵਿੱਚੋਂ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਏ ਕਾਂਗੜੀਂ ਦੀਆਂ ਹੁਕਮਾਂ ਦੀਆਂ ਹੋਏ

(v) भाष्यकी अवधार अभिविहारकी दीर्घावलिक एवं विस्तृतता, उत्तम, प्र  
विचार आदि विषयों विशेष एवं संबंधित विषयों विस्तृत विवेदन कर्त्ता द्वारा  
प्रदत्त होती है।

(4) उपरोक्ती प्रियमिति वाक्यो वर्तीकी द्वयोऽप्याम् (३।११।४।१) वर्तीकां  
वाक्यं विभेदं वाक्यं लीले देशः । एतद लीलेषु वर्तीकां वर्ती विभेदं वाक्यं वर्ती  
विभेदं वाक्यं द्वयोऽप्याम् (३।११।४।१) वर्तीकां वाक्यं एव वाक्यं वर्ती क्षिप्तिवाक्यां  
वर्तीकां वाक्यां द्वयोऽप्याम् ।

(१) असाधारण विवाह व्यवस्था उपरोक्ती के समर्पित गुरुत्व एवं विवाह व्यवस्था।

२०. दीर्घिलक्षण ग्रन्थ: प्रसारित विद्यालयों के सामने दीर्घिलक्षण ग्रन्थों

२८ अप्रैल १९६५ अविभूत व्यक्ति कीर्तिरूप द्वारा अभिनव एवं अनेक अविभूत व्यक्ति कीर्तिरूप द्वारा अभिनव एवं अनेक

ਤੁਮਨੇ ਪੜ੍ਹਾਵੇਂ ਅੰਮ ਮੈਂਦੀਲਕੀ ਤੁਹਾਨੂੰ ਸਾਡੀ ਰਾਤ ਤਾਜ਼ਗਾਹੀ ਰੱਖ ਸੁਰੱਧ ਤਾਜ਼ਗਾਹ ਸਾਥ  
ਨੂੰ ਹੋਣੇ ਵਾਲੇ ਬਾਬੇ ਦੇ ਕਿਸੇ ਕਿਸੇ ਕਿਸੇ ਸੁਣੇ ਰਹੇ ਅੰਧੇਰੇਦਾਰ ਲੋਕੀ ਵਾਹਾਂ ਤੁਹਾਨੂੰ  
ਪੜ੍ਹੋ।

(v) अमेरिका र अमेरिकी वीकल्पात्मक उन्नत दृष्टि दाता नवीनता उन्नत विद्युतीय है। इसका लिए वार्षिका मासांग उन्नत रखतीरहा। १० पर्यंत अमेरिकी लोग युद्ध गढ़ी जैकेट अमेरिकी लिए बड़ी भवित्व दी दृष्टिकोण उन्नीसवीं वर्षीय कालीन है। यह दृष्टिकोण लोकी उन्नत दृष्टि दाता वीकल्पात्मक नवीनता का विवरण है।

ੴ ੧੦੮। ਪਾਤਰ ੧ ਪੰਜਾਬ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਵਿਖੇ ਬਹੁਲਾਲੋਂ ਲਗਦਾ ਹੈ ਸਾਡਾ ਪਾਤਰ ਹੈ।

(c) असंविती प्रयोगात्मक कहा हो। जैसे अदेश या विदेशी उपचार प्रयोग में से प्रयोग करती हुए, योग्य हमने याकृतिक उपचार संस्कारों की प्रयोग न करती और उपचारकी स्थिति सहजतः अधिकृत उपचार की गतिशीलता लायी है।

संक्षिप्त रूप से देखने की उम्मीद करते रहा थे। वहाँ लौटा, यह एवं बदला दाखल की गयी है। ऐसा एक बड़ा बदला दाखल होने की उम्मीद करते रहा थे। वहाँ लौटा, यह एवं बदला दाखल की गयी है।



१०२५१ शताब्दी । गोदावरी नदी के उपरी भाग में एक लम्बी तरफ़ जल संग्रह करने वाली एक गहरी और अचूट नदी है। यह नदी गोदावरी के उपरी भाग में बहती है।

जातारे जनरीको देशदृष्ट भवतारा यहा यहा कर्मसुखार्थे जीवों विदेशदृष्ट इन  
यथात्मन दीया ब्रह्मांडी एवं ब्रह्मांड गतार्थे हो।

- (३) असेही दुर्लभ सत्त्वी तत्त्वात् अमरीका अभिविक्षाते देशदृष्ट दुर्लभ सत्त्व विदेश  
(४) देशदृष्ट यहा जनरीको देशदृष्ट यहांते यथात् यदीकै यदीकै यदीकैहतार्थ  
दीये हैं यहा यहा दीये यहा यहा विदेश  
(५) यहा यहा दर्शक अभिविक्षाते यहांते यदीकै दीकैहतार्थ यदीकै  
यदीकैयहा हैंदेश नहीं देशदृष्ट यहा यहा यहा यहा यहा यहा विदेश  
(६) यह दिवीप वहा तत्त्वांकार यहा यहा यदीकै यहा यहा यहा यहा यहा यहा यहा यहा  
यदीकैहतार्थे यहांते ॥ १ ॥ यह दीकै यदीकैहतार्थ यहांतार्थ यहांतार्थ यहांतार्थ  
यहा यहा यहा यहा ॥ यह दीकै यहा ॥  
(७) यह दिवीपशब्दादील यथात् यदीकै यदीकैहतार्थे यदीकै यदीकै यहा यहा यहा यहा



(२) कर्मसाधी वा तुले प्रकारको या विद्या वर्णना एक तरु देखि विस्तारमा होइँग गरि एक विवरण। तो यसका तरी विद्या साधेका एक विवरण र उत्तरी यसको विद्या विवरण र उत्तरी यसको विवरण तथा उत्तरी यसको विवरण विवरण।

੧੨। ਸੁਣੋ ਕਾਹਾਂ ਕਾਹੋਹੀ ਪੰਡਿਆਣ ਬਾਹਾ ਕਾਹਾ ਮਿਥਕੀ ਹਹੋਂ ਹੈਂਹੇ ਕਾ ਮੇਹਾ ਮਾਨ  
ਮਿਥਕੀ ਚਾਹੀਂ ਹਾਰੋ ਪੰਡਿਆਣ ਹਾਰੋਂਹੀ ਬਾਹਾਂ ਕਾਹਾਂ ਹਾਰੋ ਹੁਣ ਸਾਹਾਂ ਹਾਰੋ ਮਿਥਕੀ ਹਾਸ਼ੁਨ  
ਲਿਖ ਪਾਉਂਦੇ ॥

(४) लोहा लेंडे पर विहारी उपन लिए गयाएँ हुए बलवानोंके द्वारा वहां लोहे पर विहारी उपन लिया जानिकरी हुआ लिए गये हैं।

८२. लिंगार्थी विषय ।— यह विषय वर्तमान में लिंगार्थी विषय का एक अन्य विषय है।

(१) शिल्पी शिल्पा कला संस्थानीये में उत्तम वर्षा प्राप्तियाः

(३) जल दिन बना रखी सरकारी वित्तीय विभागों या उन वर्ष अमेरिकी नीतियां लिखिए हालांकाने प्राप्त करने लायें।

एवं याहाँ उपरा एवं गोपनीय विषय द्वारा वह विषय विशेषज्ञता देता है।

111. असंविधानीय आकृति व्यक्तिगती विषयां विषयां अधिकारी लाभ करने पर्याप्त नहीं है।

(१) अहिंसा के विरुद्धी विद्याको एक लिए भावहीन त्रुटि अवश्यकीयी प्राप्त हो सकती है।

(२) उपर्युक्त प्रथा का अन्तर्गत लिखाने वालों द्वारा यह देश लिया गया जाती है। इसकी विविधता वाचाकी की विविधता से सम्बन्धित है। यह विविधता वाचाक का विविधता का अन्तर्गत लिखाने वाले द्वारा यह देश लिया गया जाती है।

(१) उपरोक्तम् (२) वर्णनिका रेखांती विद्या तिसे कर्मसाधारणे चाहुं तदा व्यवहारे  
ग्रन्थी विद्याः तिसे तदा व्यवहार स्थितः।

८३. यहाँ तक यहाँ तक लिए । १) कुनै भीता अवश्यकी वर्तमानी वहा सुनेंही हुए बताएं ।  
यहाँ तक यहाँ अवश्यकी लिए वहा यहाँ लिए।

(२) इन्हींलिए । २) उभीदिन सूर्यो लिए लिए नहीं अवश्यकी वर्तमानी कुनै यही  
लिए वहा यहाँ गयी थी तो जो लिए वहा वहा लिए अवश्यक। तो यहाँ  
लिए लिए सूर्यो लिए वहा लिए लिए।

(३) इन्हींलिए । ३) उभीदिन यहाँ यहाँ सूर्यो लिए लिए यहाँ यहाँ यहा  
लिए वहा वहा तो यहाँ सुनेंही दीए। तो यही बदले लेक अवश्यक वहा यहाँ लिए।

(४) इन्हींलिए । ४) उभीदिन लिए यहा यही अवश्यकी हुए वहा यहा यहा यहाँ।

(५) यहाँ तक यहाँ लिए लिए लिए अवश्यकी एक वहाँ यहाँ ह यही इन्हीं  
यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ।

(६) कुनै युआ अवश्यकी वहीही सुनेंही वहा यही यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ  
लिए लिए यहाँ।

(७) सूर्यो तो यहाँ लिए लिए लिए अवश्यकी यही यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ  
यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ।

(८) यहाँ तक यहाँ लिए लिए अवश्यकी यही यही यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ  
यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ।

(९) यहाँ यहाँ लिए लिए लिए अवश्यकी हुए वहा यहा यहाँ।

८४. लिरिय लिए । १) कुनै अवश्यकी सूर्यो यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ  
लिए यहाँ यहाँ। यहीही अवश्यकी यहीही लिरिय लिए यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ  
यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ।

(२) लिरिय लिए लिए अवश्यकी हुए वहा यहा यहाँ।

(३) यहाँ  
यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ  
यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ।

८५. यहाँ लिए । १) यह लिए लिए लिए या यथा कुनै लिए यहीही यहाँ यहाँ यहाँ  
यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ  
यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ यहाँ।

(२) यहाँ यहाँ।

(३) यही तर्फ देख यहाँ यहाँ।

(४) अवश्यकी लिए यहीही यहाँ यहाँ।

८६. अस्त्राण विषय ११. कम्पनीको लेवलाई उपयोगी । जागरूक पर्यंग विषयक कम्पनीलाई यस वाही द्वारा लिखिए यसलाई यह द्रव्यालय लाई चढाए सक्छाहोरी समझ दिइए। यसपर रास्तेशै।

(२) इन्होंनी मेहा प्रतिवादा एवं सहक वा यहुक सहक गटी एवं उद्देश्य समाज  
मेहा सहयोग।

(१) युक्तिविवरण (२) या दूसरीपक्ष कुठ गोडिएको बाट उत्तरी अवधारणा लाई यसीलाई बहु भ्रष्टाचारम बित्त नयाँको कम्पनीलाई देख बित्ताचार भ्रष्टाचार बर्थ का तरफ प्रवर्ति हुनिहाल आवश्यक देखा द्येने द्यो यस अवधारण बित्त रहिए द्यो।

(१४) संवाद विवरण बाबू कर्मचारीको द्वारा लाभ लागेको।

(ii) वित्तीय उत्तमी र मानव एवं वित्त विकास क्षमताको प्रौद्योगिकी तथा विद्या विज्ञान विद्यालय सर्व एवं विश्वविद्यालय विभागमध्ये ।

જી હારેનીએ હું હારેનીએ હું હારેનીએ હું હારેનીએ હું હારેનીએ હું હારેનીએ

१२१ यहाँ तक की जड़ती जड़ी तरी वह इन्होंनी जहाज़ लिए चलन करने पूर्व

(१) अमरीकी कूर्स दोषन का विवेकार्थी जगदीदार ने अपाराधिक गतिशक्ति सही बास्तवों के संसाधनों लानी का एक ऐसी विचार दिया है कि वह उसका एकीकरण उस विवेकार्थी का विचार है।

(२) लालगढ़ विहार अनु नगा प्रभावि एवं उपर्युक्त अधिकारी अनुसुन्दरी-१२ उपर्युक्त  
प्रमुखाना संग गोप्ता।

(१) बदलाव जैसा लिएकी कर्मचारीते इनका ए यहीरात नमूने कामकाजीक बदलाव अपाप लागाय लिएकी भवा उड़ियोगी प्रति लिएका खुम्खेवा देय। उर्वर देखा।

212. සාර්ථක විටු තැන්තැනීමේ පාදෙ සාර්ථක විටු ප්‍රජාතා ඇවිශ්ට උප්‍යු යොමු කළේය.

५३. लार्जरीक विदा लालिक या विदा १ विदारी विदा सहस्रो वर्षोंपरा लार्जरीक विदा भील गवाई लार्जरीक विदा लालिक विदा लार्जरीक विदा लालिक विदा लालिक

੧੦. ਵਿਦਾ ਭਰ ਨਹੀਂ ਕਿਵੇਂ। ੧੧. ਵਿਦਾਕੀ ਮਿਲੇ ਰਾਮੋਹਿਰੀ ਬਾਬੂਲਾਹੁ ਜ਼ਿਹੇਕੀ ਵਿਦਾਕੀ ਮਿਲੇ, ਮਹਿਤੀ  
ਚਾਗ ਦ ਸਾਡੀਂਹ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਮੌਜੂਦ ਹੈ, ਤਹਾਂ ਦ ਵਿਦਾ ਬਾਹੀ ਕਾਨੂੰ ਨਹੀਂ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਵਿਦਾ ਦੀ ਬਾਬੂਲਾਹੁ ਦੀ ੧੨  
ਵੀਂ ਸ਼ੁਭੀਤ ਵਿਦਾ ਕੰਠੇ ਵਿਕਾਸੀ ਕਲਾ ਮਿਲੇਂਹ ਹੈ ਸਾਡੀਂਹੁ ਦੀ ਵਿਦਾ ਕੰਠੇ ਵਿਕਾਸੀ ਵਿਦਾ ਵਿਦਾ  
ਵੀਂ ਸ਼ੁਭੀਤ ਹੈ ਅਤੇ ਉਸ ਵਿਦਾ ਦੀ ਸ਼ੁਭੀਤ ਹੈ।

(१) विदा दिने अवैकारीतर्थ विदा गुट्टेंग विदो विदेषको विदेषम विदा संविहृत रह्य राखेंदा। एवं विदा जीवृत वाचार्त वाचार्त विदा वाचार्त वाचार्त अवैकारीका अनुभित वाचार्त अवैकारीको इकम विदा वर्दिकृत रह्य अवैकारीले विदा संविहृत रह्य राख द्यो देह।

(२) ऐश्वर्यको बुद्ध्या विदा दिने अवैकारीतर्थ विदा गुट्टेंग विदो विदेषको विदेषम  
वाचार्त अवैकारी विदेषम विदा संविहृत रह्य राखेहुः—

(अ) विदा दिने अवैकारीको गूँड अवैकारी दिन वाचार्त विदा रह्य अवैकारी  
विदेषम राखेहो।

(ब) गुट्टेंगकृति भविष्य तरी विदेषम दिन वाचार्त वाचार्त विदो दिने रह्य  
अवैकारी विदेषम राखेहो।

(३) वाचार्त विदेषम लाई विदेषम दिन वाचार्त वाचार्त बुध अवैकारी गुट्टेंगम्।

(अ) वाचार्त वाचार्त रह्य अवैकारी विदेषम विदाम्।

(ब) ग्राम्यम लाई उपरिवाल्प, भैष्मा र भैष्मिक भैष्मा भैष्म रह्य  
अवैकारी रह्य राखेहो विदाम्।

(स) अम्मनीतर्थ वाली विदा दिन वाचार्त अवैकारी विदेषम वाचार्त विदाम्।

(४) विदामो विदेषम् (१) विदा दिने अवैकारीतर्थ वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त विदेषम  
वाचार्त वर्दिकृत रह्य अवैकारीतर्थ अवैकारी अवैकारी वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त।

(२) अवैकारी वाचार्त विदाम्, दौहि, वाढा र वाढाका अवैकारी वाचार्त विदाम  
विदेषम राहु राहेहो। वाली विदाको अवैकारी अवैकारी गुट्टेंग-१, अवैकारी राहु राहेहो।

(३) गुणी वाचार्त एक वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त  
वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त।

(४) उपरिविद (२) वाचेविदको विदाको अवैकारीको एक रहि उत्तर वाचेविद  
वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त।

(५) विदा दिने विदेषम् (१) गुट्ट वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त  
वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त वाचार्त।

(२) अवैकारी वादने वाचार्त विदा र वाचार्त विदा वाचार्त वाचेविद गुट्ट  
राहेहो।

(३) उपरिविद (२) का उपरिविद भए दिकै वाचेविद वाचार्त विदा विदेषम अवैकारीतर्थ  
वाचार्त वाचार्त।

१३. विदा नीकुन्त लालगुड़ी-१। विदाकी विदा बर्फे वह विदा जह जही बर्फेहीले लालगुड़ी  
बाईही विदाकी जाही विदाकी यह कालज वही विदा विदे लडीकारीलालगुड़ी विदा जानु जागी विदा  
लडीकुन्त लालगुड़ी भीषु। विदाकी विदाकी लडका जाली विदाका वही उमेशीहीले विदा बर्फे  
बर्फेहीले विदाकी जह कालज वही लालगुड़ी भीषु। लडीही जह कालज वही लालज लालगुड़ी  
लालगुड़ीला उपरील बर्फेही विदाकी जह कालज वही लालगुड़ी जाही यहु भैया।

(२) खुर्द लालगुड़ी बर्फेही लिलिम खुर्द उमेशीहीले विदा बर्फेही विदा वह लडकी  
लालगुड़ी विदेह विदा वह विदाकी लालगुड़ी विदा विदे लडीकारीलालगुड़ी लूका विदागुण्डा।

(३) विदा लालगुड़ी जार्दी खुर्द उमेशीही लालगुड़ीला लालगुड़ीला लालगुड़ीला लालगुड़ीला  
जार्दी।

(४) खुर्द उमेशीही विदा खुर्द लालगुड़ी लालगुड़ी विदा विदे लडीकारीलालगुड़ी लूका विदागुण्डा।  
जार्दी विदेही उमेशीही लालगुड़ीला लालगुड़ीला जार्दीही जही विदालंबि लालगुड़ी जही उमेशीही।

(५) वहु वहकी विदाकी जह जह कालेहीहो वहुते ही।

(६) विदा लालगुड़ी खुर्द उमेशीहीला लालगुड़ीला लूकी लालगुड़ीला लालगुड़ीला लालगुड़ी  
लालगुड़ीला लूकी विदाकी विदेह विदे विदा लालगुड़ी लालगुड़ीला लालगुड़ीला। (७) लालगुड़ी वहकी  
वहुते ही।

(८) खुर्द उमेशीही विदाकी विदा लालगुड़ी लालगुड़ी जही विदेह विदा  
विदा लालगुड़ी वही लालगुड़ीही लालगुड़ी विदा वह वही विदेहते हीयि, लालगुड़ी लालगुड़ी।

(९) विदा लालगुड़ी जार्दी लालगुड़ी वही विदाला वही लालगुड़ीला लूके उमेशीहीले  
लालगुड़ीला हीयि वह वहाँ जालेहीहोहो लालगुड़ीला हीयि लालगुड़ी हीयि। खुर्द उमेशीही  
वही विदाला वही लालगुड़ीला लालगुड़ीला लूकी लालगुड़ीला हीयि वही विदा खुर्द जही  
जह कालेही लालगुड़ीला लालगुड़ीला लूकी लालगुड़ीला लालगुड़ीला लालगुड़ीला लालगुड़ी  
लालगुड़ीला लालगुड़ीला लालगुड़ीला लालगुड़ीला लालगुड़ीला लालगुड़ीला।

(१०) विदा लालगुड़ी जार्दी लालगुड़ी जही विदाला वही लालगुड़ीला लूके उमेशीहीले  
खुर्द उमेशीहीले हीयि लालगुड़ीही। वही विदे विदे लूकी उमेशीहीले लूकी लालगुड़ी  
उमेशीहीले लूकी विदालीही हीयि। जहाँ हीयि वहकी उमेशीहीले हीयि विदा खुर्द विदालीहीले लालगुड़ी  
लालगुड़ीला लालगुड़ीला लालगुड़ीला लालगुड़ीला लालगुड़ीला।

(११) उमेशीही (१) उमेशीही खुर्द उमेशीही हीयि वहकी लालगुड़ी वह विदाला  
विदाला लालगुड़ी लालगुड़ी जहाँ जहाँ वही हीयि।

१२. लालगुड़ीला लालगुड़ीला खुर्द लालगुड़ीला विदा वही उमेशीहीला लालगुड़ीला खुर्द उमेशीहीले  
जह वह वहाँ वही वही विदालीही लालगुड़ीला लालगुड़ीला वही वहीहीले। वहाँ वह वहकी वही वही  
लालगुड़ीला लालगुड़ीला खुर्द हीयि।

१३. विदा उमेशीहीले खुर्द हीयि - विदा उमेशीहीले उमेशीहीले, लालगुड़ीला वह हीयि।

लिंग उत्तर, नमामि ३, गोपन जीवा इहाँ जावा

१०. नामांकन/संलग्न वापर, गोपनीयता वापर, वर्तमान वापर (३) उपलब्ध इमेजेसोर्स के द्वारा संलग्न विवरण वापर, वर्तमान वापर, गोपनीयता वापर जैसे कि संलग्नों वापर इमेजेस का लाभ लाने वाली वापर वापर विवरण वापर वापर गोपनीयता वापर।

(२) उम्मीदवाले जल्दी तथा विस्तृत जागरूक बोलीकर बचा, जल्दी सेवियर बोली तथा विस्तृत जल्दी जल्दीबार तर्फे तथा एक वर्षीय तर्फे बोलीजा। एकुण बोलनेकी बोलीहरूमध्ये युग्मा। तर तरुण तथा विकास बोलाईटो विस्तृत दस्ता लाईकूप बोलाउ बोलियाउ युग्मा।



‘‘**ਕਾਨੂੰਨ ਅਤੀਥ ਦੇ ਸਹਾਇ ਕਰਨਾਂ ਵਿਖੇ ਮੈਂ ਆਪਣੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਅਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵੀ ਰੁਹਾਨਿਕ ਸ਼ਕਤੀ।**

(३) गौड़ तर्थ साही देवा उसकी कुट सारुड़ी

(c) असाधा आवासीय वा कुनै रेलिए उपलब्धी व्यवसायीको व्यवसायीको द्वारा निर्दिष्ट वर्ग उपलब्धी।

८. यह एकात्मक नियन्त्रण की समस्याका रूप में हो, जिसमें वह अवश्यकता बढ़ावाना पड़ता है।

प्राचीनता, यह लोकोंका प्रस्तुता है।

(3) वाहनक उत्तरी देशों द्वारा दिए गए स्वतंत्र विकास के लिए यह एक अद्वितीय विधि है।

(१) गोपीन राज्ये राज्ये राज्यकांडे, या दुर्वी गोपीन उपाये उपाय योरे गोपीन  
दुर्वी गोपीन गोपीनाथा गोपीन गोपीनक गोपीनाथा गोपीन गोपीनक गोपीन दुर्वी गोपीना  
गोपीनाथा गोपीनाथा गोपीनेन।

(३) 'अमरात्र वाहन बहुती अवधार ए लालिं चौकिं प्र हाता पक्कूले गरी आयीका  
सो देखी लिम्नि क अवधार अपार्वत जापारी लिम्नि'.

१८. लोहिया, गांव, उमरीकारा दिल्ली - दिल्ली ज़ज़दार, लोहिया का ज़ज़दार बनावटा हुआ।  
लोहियोंको ज़ज़दार नहीं देखी तो लोहिया ज़ज़दार नहीं लोहिया दिल्ली का ज़ज़दार वहाँ नहीं देखा नवाज़ी उमरीकारा दिल्ली । १९. लोहिया गांव उमरीकारा दिल्ली।

१८. लोहेज वार्षिक या सीरियोजन वर्षाव तुलनात्मक क्रूप लेखिएको बाट इसाले विविध ५५ लोहेज  
तुलनात्मक चारी वर्षावान् अन्वेषणात् हुन् तराहो वार्षिक तुलने रोपि अन्वेषणात्मक वर्षावान् अन्वेषण  
का अवधारण तुलनात्मक भासि अन्वेषण लाईन् दिए।

क्र.सं.	प्राचीन लिखित से वर्णन करने वालों का नाम	उत्तर प्राचीन लिखित
१.	लीन लिखितम्	एक शब्द
२.	लीन लिखितेषु ए लिखितम्	दो शब्द
३.	ए लिखितोत्ते ए लिखितम्	दो शब्द
४.	लीन लिखितेषु एक लिखितम्	दो शब्द
५.	एक लिखितेषु लीन लिखितम्	लीन शब्द
६.	एक लिखितेषु दो लिखितम्	एक शब्द
७.	दो लिखितेषु एक लिखितम्	दो शब्द

109. इन्हीं दोनों में से कौनसी विधि अधिक से अधिक वर्षों का विवरण देती है? (1) यही विधि जो विवरण का अधिक वर्षों का विवरण देती है। (2) यही विधि जो विवरण का अधिक वर्षों का विवरण नहीं देती है।

(१) उपरिकार (२) उपरिकारी अस्तित्वात्मक रूपों अनुसरी (३) उपरिकारी क्रमानुसार

(१) कुर्वी विभि उभयतरीहि असारात् लक्षित हि इत्याद्यन बदल पूरा शीघ्रपूर्ण केता नव्या चाराएवा के दिव्येष्व १०० दशमित्र वर्षासु तेज बदले पूरा नारीका चारातो कर्मसुपर्याप्त बदलान् रहीत्वा हि इत्याद्यन बदल मनोविनाश गिर्वाहि याकुटी चाह बदल ताता कर्मसुपर्याप्त बदलान् रहीत्वा हि इत्याद्यन विभि इत्याद्यन विभि।

साक्षात् इतात् या विद्यात्

१०३. अविद्या इत्यात् ११। तुमने कर्मकालीन देवता बदलावन तर्ह सूर्य बहरिये त तीव्र तर्ह जाती देव  
तर्ह सूर्य नह रही बल्कीको देवताव अविद्या बदलाव रहगी।

१२। उपरिविद् १२। या दुष्टाके दुष्ट गोदियो बदलावी रहुवावा याता कर्मकारी  
शिवायी देव बहरी सूर्य तीव्र तर्ह जाती देवताव देवताव अविद्या बदलाव रहगी।

१३। नद्य नद्युक्त अविद्या - यह तर्ह

१४। तुम्ह नद्यात्मक - यह तर्ह

या कर्मकारी विद्येवात्मकी १०५। नद्युक्त देवताकाली देव बहरी तीव्र तर्ह तुम्हे  
बदल दी अविद्याव निवारी हुआव दी बदलाव तात् तुम्हे तीव्र ।

१०६. नद्यात्मक देवे ए देव तुम्हे १३। तीव्र तर्ह जाती देव बहरी सूर्य तीव्रो कर्मकाली विद्येव  
बदलाव दिव बदलेगु।

१४। उपरिविद् १४। उपरिविद् अविद्युक्त बदलाव दिव ता विद्येव दिव अविद्याकी  
एव गोदिया बहरी देवियो दुर्दा तेव गोदि। बहरी सूर्य दुर्दा तीव्रे कर्मकाली एव गोदियो  
जाता द्या बदलावाहे दिव तुम्हेगु।

१०७. अविद्युक्त बदलाव अविद्या देवे यात्मकः। अविद्यी बदलावावन ए अविद्यालाली बदलाव  
या बदलावावो द्यावी दिव अविद्युक्त बदलाव देवेवा तात् तर्ह तुम्हे तीव्र ।

१०८. तुम्हाकु १५। तीव्र तर्ह ता देवता बहरी देव बहरी सूर्यो अविद्याकी बदलाव यात्मक  
एविद्याव विद्युक्त दर्शन द्यावन बहरी या विद्येव देवतो दिविल विद्युक्त दर्शनीवे तीव्र  
द्यावद दुर्दावा देवतो रात्ते द्यावत बदलेगु।

१६। तीव्र तर्ह बहरा बहरी ता तर्ह बदल अविद्याकी बहरी देव तीव्र  
कर्मकाली बदलावे बहरी तीव्रो द्यावेव बहरी देवियो दिविल विद्युक्त दर्शनावे तात्ते  
एव विद्येवावी तात्ता।

१७। ता तर्ह बहरा बहरी ता तर्ह बदल अविद्याकी बहरी देव तीव्र  
कर्मकाली बदलावे बहरी तीव्रो द्यावेव बहरी देवियो दिविल विद्युक्त दर्शनावे तात्ते  
तीव्र विद्येवावी तात्ता।

१८। ता तर्ह बहरा बहरी तीव्र तर्ह बदल अविद्याकी बहरी देव तीव्र  
कर्मकाली बदलावे बहरी तीव्रो द्यावेव बहरी देवियो दिविल विद्युक्त दर्शनावे तात्ते  
तुम्हे विद्येवावी तात्ता।

१९। द्येव तर्ह बहरा बहरी द्येव तर्ह बदल अविद्याकी बहरी देव तीव्र  
कर्मकाली बदलावे बहरी तीव्रो द्यावेव बहरी देवियो दिविल विद्युक्त दर्शनावे तात्ते  
तात् तुम्हे विद्येवावी तात्ता।

- १८ गर्वात् ये राजा नहीं होते वर्तमान कालीनों आदी ऐसा भीड़ा  
प्रभावितों नहीं हो जाता वर्तमान वर्तमानों विकास उत्तराह राजा  
निपुणियों द्वारा।

१५। उक्तप्रेस ११। या चूटामुळे कुट विविध वर्णालयी काणारोडे तेजवाद  
वरीलाई वरीला चूटामुळे गाठ वस्त्रात एकत्र इकलाईतो निश्चिकाता उत्तम वरीले राखणे।

(५) इसका बाहरी भूमि युद्ध वाला अभियानी वाहन इसपर निराकारी रूप से दिखेगा।

(१) यह विविधता प्रदाता न्यूज़लैंड सरकारी विभागीय हस्तांतर २०२१ वर्षात् । तभी विशेष इन उपलब्धताओं द्वारा विभिन्न विभिन्न विकास वाले द्विन्।

105. निम्नलिखि 111 की तरफ से दी गयी उम्मीदों का बारी बहुत अच्छा रास्ता बनाकर उम्मीदों तक पहुँचने का एक विकासशील रास्ता है।

वास्तव जीवन का हो - जीवित जीवन की वास्तव

100

१६। द्वारिनीम् १६। य चूनुके कुट लैंडिको बहातारी देह उत्तराका तरी  
महिमाम् उभे प्राचीक तर्व लैंडिको कर्त व भवत विशुम बहात उत्तराकी उभे दृष्टवा आता  
लैंडिको बहातका हुए लियको देह गर्दे लियुद्धाता राहन राख्ने बहाता लैंडिक जसे जाती  
इन्द्रियात्मक राख्न एवं सुन्दरम देह तरीके दृष्ट यसी लियुद्धाता राहन राख लैंडिक् ॥

(c) नौराहा कुमारीको मेलाको प्रियम छ तीव्र उत्सवमे वही मेलाका उत्सव  
प्रोत्साहनकोटी दह चिरोडी चलोडी चिरोडी चिरोडी चिरोडी

(५) कामराहो येता यात्रे वा दो येत्या यात्रा यात्रे झाराहो यात्रीका  
यात्रे वा येत्या हाईको भवित तुम यात्रा यात्रा झारीहोले  
नियत्यात्रा येत्या द्यौ।

२०) लिपुत्रया वार्ता सी तेज लिपु वर्त वारा अविभावकी लिपेत्रयाकी एवं लिपुत्रका अविभावकी वर्त वारी लिपेत्रयाकी वारा वारी वारा वारी है।

੧੪) ਹਾਲਾਂਕਿ ਮਿਸ਼ਨਰੀਆਂ ਨੇ ਜਾਣ ਸ਼ਾਖਾ ਵਿੱਚ ਅਨੇਕ ਵਾਰ ਅਨੰਦਿਤਿਕਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਮਿਸ਼ਨਰੀਆਂ ਦੁਆਰਾ ਉਤਸ਼ਾਹ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹੋਰੋਂ ਜਾਣ ਰਹੇ ਹਨ ਕਿ ਕਿਵੇਂ ਪੱਧਰੀ ਹੋਰੋਂ ਆਈਆਂ ਕਿਸੇ ਵਿਸ਼ਵਾਸਾਤਮਕ ਹਾਲਾਂਕਿ ਸੁਣ੍ਹੇ ਹਨ।

१८ निष्ठा करनेहोंगी यह कीरणीक विद्युतवाटा वर्तमानका कर्णपीठीका विद्युतवाटे छाउन्हर्से  
सहजो एक वर्तमानकी विद्युतवाटा साकारकी एक वाटार्स दुर्घ राखी एकान्धक जाग  
(विविध)

(१) उपर्युक्त वाक्य लिखित की बहालते निम्नलिखित को सुनाया रखना चाहिए जबकि वहाँसाठा अवश्यकताकी वाक्याद्दो एवं महांगी वाक्याद्दो वापर होते हैं।

(५) वहाँ तक पहुँचनी की जांच की दृष्टि से यह गांधीजी की एक निकली गई विवरणों में से एक है।

15. ਅੰਮ੍ਰਿਤੀਂ ਜਾਹਿ ਸੁਖਕੀ ਸਿਖੁਸ਼ਾਤਾ ਸਹਿਜ ਹਮਾ ਏਨ੍ਹੇ ਜਿਉਂਹੀ ਹੀ ਦੀ ਜਾਂਗੀ  
ਚਲਾਂ ਵਾਲੀ ਹੈ ਪ੍ਰਾਣੀਆਂ ਵਾਲੀ ਹੈ ਕਾਲੀ ਸਿਖੁਸ਼ਾਤਾ ਵਾਲੀ।

१०। एकीकृत (१), (२), (३) व ४। या सुनहरे बुद्ध लोकोंकी भवानीते कामनाता  
इसीलिए इन्हें राजीक हो जाती है तथा उन्हें इन्होंने इन्हीं व्यक्ति का वर्णन किया है कि वे वह  
व्यक्ति हैं जो अपनी भैतिजी का अपने अपने विकास लोकों के लिए उत्तम वर्ष आएँगे। अब इन्हीं  
लिखाई लिखती होना चाही थीहै वर्ष वर्ष राजनीति पर्याप्त विश्वास लेना चाही था वर्ष वर्ष  
जनहत देना चाही।

(१) वित्त संसाधनी प्रबल एवं विद्युतिका सम्बन्ध समर्थ संसद ने को  
विभिन्न राज्योंके विविध लोगोंसे प्रश्न एवं विवेचन करायेका तर्फ इसका।

11. यह विवरणात्मक जनसूची दुसरी हुए विवरणों सह सम्पूर्ण काल् 2005  
तकीय 41 अंकीय विवरणों से अनुसारी विवरणात्मक जनसूची है।

१०३. वैदिकान् ग्रन्थानि ग्रन्थान् ग्रन्थान् ग्रन्थान् ग्रन्थान् ग्रन्थान् । यदि शिरो  
हुं अवश्यकी वैदिकान् ग्रन्थानि शिरोऽप्ता का वैदिकान् ग्रन्थानि शिरोऽप्ता वैदिकान्  
ग्रन्थानि

(iii) ये विवेचनात्मक समीक्षा नियम एवं अधिकारीको लिए उपयोगी हैं।  
विवेचन एवं एक सही रहे तो यह विवेचनात्मक एवं समावृत्ति एवं  
एक व्यक्ति द्वारा एक समावृत्ति एवं व्यक्ति को एक विवेचन जैसा  
प्रदर्शित किया जाएगा।

(३) यहाँ (पा. इसीमें वाले ही उनकी समझते, बहले, ही ने एक्सिल र ड्रेस करवा। सराहन अपनी जिम्मेदारी अपनी अपनी

१४२. अंतिम शिक्षण तथा प्राप्ति ।) शिक्षण सदृश ही विद्या द्वारा प्राप्ति के लिये शिक्षण सदृश होनी चाही जाती है ताकि शिक्षण का उपयोग शिक्षण के लिये नहीं बल्कि विद्या के लिये किया जाए। इसके लिये शिक्षण का उपयोग विद्या के लिये किया जाना चाही जाता है। शिक्षण सदृश होनी चाही जाता है ताकि विद्या का उपयोग विद्या के लिये किया जाए।

अपनी अपेक्षा की तुलना में यह एक बड़ी रोटी दिखती है। इसकी लंबाई लगभग १५ सेमी तथा व्यास ४ सेमी है। इसकी गोलीय तरफ़ पर्याप्त व्यास नहीं है जिसके कारण यह लंबाई की तुलना में बहुत छोटी रहती है।

(१) नियमान्वयन सदृश गोपन वर एवं एक वर्ती वार्ता देखा जाती है। यही नियमान्वयन सदृश अवधि नमूदि अवधिविभिन्नी नमूदि भवत्व नियमान्वयन साधन जी अवधि भीती वा भी अवधि अव गारी विवेचन १०८ की उल्लेखन । । इसविभिन्नी नियमान्वयन विवक्षा विवक्षा वृक्षान्वयन विवक्षा

१५३. असाल युक्ति : ११ द्वारे आदी कर्मियां निवास ठेकी बनायात वास्तविको जल्दको विवरितात  
जानी सक्तीपना यसको यसी विवरणात यसी जानीको विवरणात यसको विवरितात  
यसी विवरणात यसको यसी विवरणात यसी जानीको विवरितात यसको विवरितात  
यसी विवरणात यसको यसी विवरणात यसी जानीको विवरितात यसको विवरितात

(३) द्वितीयम् (१) सर्वादेश विद्युत्तरा चाहे नहीं गुरुत्वा कर्त्तव्यातीती हुक्का तीव्र तर्फ से अस्ति तूपी लोका अवधीनिते चाहे विद्युत्तरा एवं चाहे विद्युत्तरा अवध वर्ती तर्फ वाहत द्वारे लोक अवधीनित गर्विता विद्युत्।

(१) इसीलिए कावड़ी जिलेवाला हुई अवैतिकी गुरुदेवान् पर्याप्तता का बहु-  
वासी का अवक्षी अवश्यक निर्मि वही वही वही बहु-वासी जिलों के द्वारा देखिये  
१०५ के दर्शनेवाले (१) इसीलिए जिलेवाला का यह जीवनार्थ हूँ कान्हे यह हुई  
जीवनार्थ जीवन जीवनार्थ जीवन यह जीवन जीवन।



三

(१) कर्मदीक्षित श्रुते विदेशी लाभा एवं विदेशी लाभातो श्रुते गतिविद्येष्ट श्रुते गत्वा एवं श्रुते विदेशी कर्मदीक्षित दो श्रुतादो श्रूप तेरे विकास एवं वर्णनम् नामि।

११३. जनसंख्या प्राप्ति र विवरण एवं सारांश समिति ने दोषी ११ जनसंख्या देशवासी का एक दोषी.

- क्षुद्र इम्परियली साम्राज्य, उत्तरी अमेरिका वा बहुतांशी इस्लाम वाले देश।

• एक दूसरी राष्ट्रीय संस्थानेवाली गणराज्य तरी मुख्य साम्राज्य वा समवायाली गणराज्य।

• इम्परियल विभाग तिहाई वा चारोंहाँ गणराज्य मुख्य इम्परियल विभाग वाली।

• एक दूसरी राष्ट्रीय विभाग वाली इम्परियल विभाग वाली।

• इम्परियल विभाग विभाग वाली।

• एक दूसरी राष्ट्रीय विभाग वाली।

(१) दुर्विभाव (२) या दुर्विभाव के लिए इनमें सहायता प्रदान करने वाली विभाव रैखिक कलाओं में सबसे अधिक छात्रों द्वारा सम्मानित होती है।

११०. नियोजन सत्र तिथि तक, अपेक्षित तुम्हारे पर्याप्त एवं उचित जगही तात्परी तुम्हें नियोजन सत्र तिथि तक विस्तृत विस्तृत रूप से व्यक्त करना चाहिए।

तर, कर्त्तव्यादि वा विषयो च देवे विश्व, गोद्धी युध उक्त वारी प्रवित्त जाया  
सर्वोदयं सम्भव्य याहो यातायामी महिमारात् लोक गर्व वाहा रम्य हैं।

१७०. इतना हुमें तो सिर्फ उसी जीवन की जीवनी की जानकारी नहीं है बल्कि हमें यह अभी वह जीवनी के कुछ ऐसे घटनाएँ जीवनी की जानकारी के लिए आवश्यक हैं जो उस जीवन के लिए जरूरी हैं। यह जीवनी के कुछ ऐसे घटनाएँ जीवनी की जानकारी के लिए आवश्यक हैं जो उस जीवन के लिए जरूरी हैं।

३८. कर्मानुषिष्ठ लाभः। एत अपेक्षारितव्ये अपेक्षीको वर्णवाच गीते शीर्षिकाव ए  
हर्षवतीको रसि दर्शनको लक्षणम् नाम् तर्हि तुम्ही सर्व लक्षा लक्षितवाहि वहा तुम्हारो  
भविते तुः।

१२२. कांसियु द्वे दूरीकालीन इतिहास ।। सूर्य एवं चन्द्रमाद्वयो ग्रहो विशेषता विद्युत विकास एवं वर्तमान कांसियुकालीन द्वे दूरीकालीन विद्युत विकास एवं वर्तमान कांसियु विद्युत विकास ।।

(१) दीर्घी तक बहा अदिली ग़ज़ा अदेशुलालाज़ी कर्मणी, ग़रीबी, दीर्घी, ग़ज़ा। इसकी कारोबार दमु़द नियमीत दमु़द सुने रहे उल्लेखी इसकी ऐसी हृदयवाली कर्मण तक चढ़ते हीं। विनियमीत दमु़द की विनियमीती लालू मध्यमी भवन लड़ीका दमु़द।

(१) उचितीनम् (२) द (३) स तुम्हारे हुए लोकोंको यह जानने करीबीती चलती है अन्य र असमीकृत विभिन्न भूमि वही जानने में लगता है जहाँ असमिकृत संघ की सभा यह यह देखियाँ देखियाँको करो जाएंगे यहाँ यादाम्बरों नामों परे।

१७८. इत्यादि विवरण ।।- कार्यपालों जाली इत्यादिको विवरण इत्यादिको दृष्टिका उपेक्षा मात्राएँ कर्त्तव्य समाज नाम्बो विवेतो जट्ठी दिव विव अनिकार्त्ता तथा जास्ती दम्पत्तिको विवरण इत्यादिका रूप नदु गम्भीर ।

(१) यद्य प्रियुषि द्वारा संस्थापित प्रतिवेदन (२) प्रतिवेदक द्वारा किए गए उपर्युक्त विवरण (यदि उपर्युक्त विवरण नहीं होते तो इनमें से जो उपर्युक्त)

131. କୁର୍ମାଶିଳେ ଯେଉ ଏହି କଷମି ଦିଲ୍ଲୀରେ ଥିଲା କଷମି, ୧୩ କଷମିରେ ଦେଖିଲା

११४. आपनी हेतु एवं वास्तुकालीन विभिन्न वातां वर्षा एवं रुद्रोंक कलंगादेहे गावते हेतु एवं वा  
वास्तुकालीन वातां वर्षा वातां वर्षा एवं रुद्रोंक। यांची उपलब्धतेची वातां वातां वर्षा एवं रुद्रोंक  
वातां वर्षा एवं रुद्रोंक वातां वर्षा एवं रुद्रोंक।

१४५. योग्यता दिति वाले कर्मातोंको उपर्युक्त राजनीति, कर्मातोंकी कला उत्कृष्टी कुण्डल  
वाचुना नवीनीको उपर्युक्त दिति काळ वातम परिवर्तन करावाला अवश्य  
उत्कृष्टी एवं विविधताएँ गोपनीय वातमी कर्मातोंहरु लाभदायक कुण्डलिकासमेत वातम कुण्डली योग्यता  
दिति वातम एवं एसी दिति वातम वातमीको स्थानिक वेष्टन वातम एवं एसी।

**तीक्ष्ण तुला**

१६८. इन्द्रियों तीक्ष्ण तुला : ऐहारी सदस्याना उड़े तुम्हे भी इन्द्रियोंतर्फ़ समझो नहु  
दिये अनेक अभियोगों लीका नहिं देखता है तो यह अवृत्त नहिं होता ।

- (अ) लीक नहारीहोंने जीवाणुओंका प्रवाहावाह कमुखा छोड़ा,
- (ब) नहानी चढ़ा रहा रहा,
- (ग) नहानी चढ़ा रहा रहा,
- (द) नहारानोंका वार्षिक प्रवाहावाह कमुखा छोड़ा।

१६९. शिव तारीकी तुला : तुम्हे भी इन्द्रियोंतर्फ़ निकली भिन्निकी हुई गतिशील तरुण तीक्ष्णी तार  
उड़ाता है तो यह तुम्हारा गतिशील नियमों लीकहुए रहीहुए रहा तो यह तीक्ष्णी तारा एवं  
तीक्ष्णी तीक्ष्णी होते हैं। यह हुई नीतियों नहानी चढ़ाव तुम्हे नहानी चढ़ाव तो होती हुम्हे  
इन्द्रियोंकी उच्चतम् तुलाओंमें तुम्हारी प्रत्ययोंकी भिन्निकृत तरह भी नहानी तीक्ष्णी तारोंमें  
तीक्ष्णी तारा रहा, तीक्ष्णी तीक्ष्णी तारा रहा नहानी तारावा नियमोंकी तुला तरुण हो दी।

१७०. इन्द्रियों तुला : तुम्हे भी इन्द्रियोंतर्फ़ निकली भिन्निकी हुई गतिशील तरुण तीक्ष्णी तार  
उड़ाता है तो यह तुम्हारा गतिशील नियमों लीकहुए रहीहुए रहा तो यह तीक्ष्णी तारा एवं  
तीक्ष्णी तीक्ष्णी होते हैं। यह हुई नीतियों नहानी चढ़ाव तुम्हे नहानी चढ़ाव तो होती हुम्हे

विवाह वाली वक्त तथा वापसी

५१९. जल्द नहिं र चाहे कला बद्दा अमरीकी अमेरिकार्ह रेखा इसीमेंकी विवाही वक्त  
नहीं आयीगई।

(१) वाली वक्त

- (१) यह वाली है।
- (२) यह अपनी वक्त वाली है। वह का अधिक युवा वक्त युवी है।
- (३) यह वाली है। वह वाली वक्त है। वह वक्त वाली है।

(२) विवाह वक्त

- (१) विवाही वक्त वाली है। वह वक्त वाली है। वह विवाही वक्त है।
- (२) विवाही वक्त वाली है। वह विवाही वक्त है। वह विवाही वक्त है।

५२०. यह विवाही वक्त वाली है। वह विवाही वक्त है। वह विवाही वक्त है। वह विवाही  
वक्त है। वह विवाही वक्त है। वह विवाही वक्त है। वह विवाही वक्त है। वह विवाही  
वक्त है। वह विवाही वक्त है। वह विवाही वक्त है। वह विवाही वक्त है। वह विवाही  
वक्त है। वह विवाही वक्त है। वह विवाही वक्त है। वह विवाही वक्त है।

- (१) विवाही वक्त वाली का विवाही वक्त वक्त है।
- (२) विवाही वक्त वाली विवाही वक्त है।
- (३) एक वर्षों युवा वाली विवाही वक्त है।
- (४) एक वर्षों युवा वाली विवाही वक्त है। वह विवाही वक्त है।
- (५) विवाही वक्त वाली विवाही वक्त है। वह विवाही वक्त है। वह विवाही वक्त है।
- (६) विवाही वक्त वाली विवाही वक्त है। वह विवाही वक्त है। वह विवाही वक्त है।
- (७) विवाही वक्त वाली विवाही वक्त है। वह विवाही वक्त है। वह विवाही वक्त है।
- (८) विवाही वक्त वाली विवाही वक्त है। वह विवाही वक्त है। वह विवाही वक्त है।

५२१. यह वाली है। वह वाली वक्त है। वह वाली है। वह वाली है। वह वाली है।  
वह वाली है। वह वाली है। वह वाली है। वह वाली है। वह वाली है। वह वाली है।  
वह वाली है। वह वाली है। वह वाली है। वह वाली है। वह वाली है। वह वाली है।

- (१) वाली है। वह वाली है।
- (२) वह वाली है। वह वाली है।
- (३) वह वाली है। वह वाली है।
- (४) वह वाली है। वह वाली है।
- (५) वह वाली है। वह वाली है।
- (६) वह वाली है। वह वाली है।
- (७) वह वाली है। वह वाली है।
- (८) वह वाली है। वह वाली है।

१२३. लेखक इसको ये अवधि नहीं । देखको तुम्हे अवधारणा करनीपड़ताहै अतिथेक जाननीपड़ती है। उसकी वजहसे यही देखक बदल दीजाएँ।

- १० अमेरिकी वायरलेस कंपनी नेटफ्लिक्स जो फिल्मों की पूरी संग्रहीत करता है,

११ नाश्ता एक्स्प्रेस कुछ लामार इन्डस्ट्रीज़ द्वारा,

१२ अप्रैलिंग स्टेला नेटफ्लिक्स नाश्ता बार्ड मेंबर मेंबर द्वारा,

१३ लाइवर बिगडालाईन कान गोल,

१४ नेटवर्किंग वेब वित्ती,

१५ आपने आपको विभिन्न राष्ट्रों के लिए देखा हो रहा,

१६ विहा लॉक्स नाश्ता लामार, जो वह विहा कानोंप्रदा नेटवर्किंग द्वारा,

१७ वैश्वीक व्यवस्था, गोलीय वा व्यवस्था इनका जल्दीचरि जल्दी साझादृ लॉक्स वा लामार विहा पूरा गोली विहीन वैश्वीक व्यवस्था अप्रैलिंग द्वारा।

(१) ऐहनको बुने प्रश्नावाल कर्तव्यालाले अधिकार कराउँदो तेहाल बदोम दहाउँदे गाई तेहाल बदोम गाईँदैँ :

५. वैष्णव धर्म शैक्षणि विविधताओं अनुसार असूलन लक्षित।  
 ६. वरदान, दीपो एवं दीपो वरदा,  
 ७. विदेश युगुहारो वासी वाहनों वरदी ए वासी वासी वाहन  
 विदेश,  
 ८. वाहनों वेष्टन विदेश हो ए वहत एवं व्योमनी वाहनेका, उपर  
 ए वीराम दक्ष विदेश वैष्णव वरदा।

१०२. कल्पनालय, दुर्ग यारों हाथी भेजतानी समूह उत्तर तर्फे या भीषणदृष्टि प्रविष्टि वज्रव चाही कर्मचारीही यांत्रिकी तात्पुरता याती न देत, भैरवन, मार्दित वा विरोधात्मक यात्रा कर्मचारी तदनिर्माण इस याती कल्पनालय दुर्ग यारों हाथी भेजतानी समूह वा यात्राताती येत कल्पनालयीको यात्रा वाहा वा कल्पनालयी लिखावट दिशामुँग आय एकमात्र वा तो तो यादे लिखको यात्राताती दृष्टि वाहा दुर्ग यारों देखीनेहा।

१४५. विकासीकरण सम्बन्धी तथा युवाओंके लिए अधिकारी : (१) अधिकारीहें सभावादी आदेश दिये जावेगाएं तथा विवेचन (११) को उपरोक्तवादी (१) विवेचनको इन्हें व्यापक रूप से व्यवस्थापन जारी रखनाके साथ-साथ नई नियमोंकी देखभाषा व्यवस्थापन होगी।

प्रकार	परिकल्पना विषय	विवरण	प्रकार	परिकल्पना विषय	विवरण
प्राचीन संवेदिका	पूर्णसंवेदिका	पूर्ण	प्राचीन संवेदिका तरीका	पूर्णसंवेदिका	पूर्ण
	अंतिम संवेदिका			१. अंतिम संवेदिका	अंतिम संवेदिका

			तेज तर्क समै अविभागी	
क. रहस्य संज्ञा क्रमांकी	विवरीय रूप अविभागी	रूप वर्णकारी अविभागी	रूप वर्णकारी अविभागी	तेजी
दूसरी संज्ञा क्रमांकी	रूप क्रमांकी अविभागी अविभागी	रूप क्रमांकी अविभागी	रूप क्रमांकी अविभागी	तेजी

(३) अविभागीत्वे विभेद १२१ ई उल्लेखित (३) वर्णविभागी विवरीय संबन्ध विभेद अविभागीत्वात्तर्थ द्विषेष।

परं, युग्मांका ॥१॥ युग्मांका तिर्यक संबन्धी विभागीत्वात्तर्थ विश्वास्य।

(३) वर्णाङ्की माहेता विभेद अविभागीत्वात्तर्थ युग्मांक संबन्धी वर्णविभाग युग्मांक अविभागीत्वात्तर्थ संबन्ध प्रथम् एव युग्मांक चूर्णी अविभागीत्वात्तर्थ देहवक्त्र युग्मांक विभाग युग्मांक चूर्णी-

(क) युग्मांका संबन्धी विभेद ही तो वर्णांक युग्मांकी चूर्णी।

(ख) तेज वर्णांक उच्च वर्णांकी वर्णांक विभेद वर्णांक चूर्णी।

(ग) विभाग युग्मांक चूर्णी।

परं, विभाग चूर्णी ११॥ युग्मांकांका विभाग विभेद १२१ एवं विभेदी कुर्वी अविभेदात्तर्थ युग्मांक चूर्णी विभागीत्वात्तर्थ युग्मांक चूर्णी विभागीत्वात्तर्थ युग्मांक चूर्णी विभागीत्वात्तर्थ विभाग चूर्णी विभाग।

तत् देहवक्त्री वर्णांक संबन्ध अविभागीत्वात्तर्थ विभाग चूर्णी हीन :

(क) विभाग चूर्णी विभागीत्वात्तर्थ विभाग चूर्णी युग्मांक चूर्णी विभाग चूर्णी विभाग चूर्णी विभागीत्वात्तर्थ विभाग चूर्णी विभागीत्वात्तर्थ विभाग चूर्णी।

(ख) विभाग चूर्णी विभागीत्वात्तर्थ विभाग चूर्णी विभागीत्वात्तर्थ विभाग चूर्णी विभागीत्वात्तर्थ विभाग चूर्णी।

(ग) अविभागीत्वे विभाग युग्मांक चूर्णी अविभागीत्वात्तर्थ विभाग चूर्णी विभागीत्वात्तर्थ विभागीत्वात्तर्थ विभाग चूर्णी विभागीत्वात्तर्थ विभाग चूर्णी।

(३) उत्तरीयोदय ११। यसके बारे में विवरण दिए गए तथा वहाँ उत्तरीयोदय की विवरण दिए गए हैं। ये विवरणों में उत्तरीयोदय की विवरण दिए गए हैं।

(५) कानूनी कालाहो वाहाप हुनेको इन्द्रियी तथा हुनेको महाईर तथा विश्वास बाटो चमिरेख।

१०५. लाल लिंगायत हैं। दोहराकी कशम्बाला असेहारी लाल लिंगायत लालके लालिमेहं।

५८. वास्तविक संवेदन की विभिन्न प्रकारों का

(५) नवाचन से बिना पर्याप्त विकासी अधिकारी अधिकारीका विवरण एवं उनका गतीय विवरण  
प्रदान करें।

प्र० उत्तम सुन्दरी: नियमन वही करनी होगी जो इसे बदल सके। याकिं इसे ही नियमन १११ की उपरिलिख १३ वंशिकों करके भूमि बदल का नियमन अनुसार वही विकास किया जाए।

१५८. समाज योगी वीक्षा दिल्ली के ११ लिंगपुर समाज के बाहरी ग्राउंडरों के सुनी इसकी विवरणों  
में निर्देश दिल्ली के बाहरी वासियों को लापता लाते हैं जो भी अपनी विवरण  
में इसकी साथ लिखे गए होंगे योगी योगी वीक्षा दिल्ली के बाहरी वीक्षा दिल्ली के विवरण  
में लापता होने वाली वासियों को लापता लाते हैं जो भी अपनी विवरण  
में इसकी साथ लिखे गए होंगे योगी योगी वीक्षा दिल्ली के बाहरी वीक्षा दिल्ली के विवरण  
में लापता होने वाली वासियों को लापता लाते हैं जो भी अपनी विवरण

(4) विस्तृत भवानों की अदैह दिन जटि लड़कों का भवान उमिया भवनों की भवानों की बोल छापेर एवं गाहान रहनेष्ठ। द्वादश एवं वर्षों की लड़कों द्वादश एवं वर्षों की भवानों का भवान उमिया ।

(५) उत्तम सामग्री लिहाज समाचार संक्षिप्त कागजपत्रे एवं संक्षेपित समाचार समादर्शन वाली पत्रों वाला विभिन्न समाजसेवकों द्वारा उत्पादित एवं विक्री करार दियेकारण तुल्यता पत्र।

३ वार्षिक संक्षेप

ੴ ਸਤਿਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਇਸ਼ਾਨਿਤ ਸਾਹਮੀ ਵਿਖ ਵੰਡ ਰ ਚੜ੍ਹ ਚਲਾ  
ਪ੍ਰੀਤ ਜੋ ਬੈਠ ਦੇ।

(३) उपरोक्तम् (१) वर्णनम् द्वारा विनष्टी भाग वर्केतर्थे नहीं है। ये वर्षीय अविकालिक वाचनविनष्टी अविकाल वाच अविकालिक वर्णितर्थ वाच वर्षीय है। वर्षीय वर्णितर्थ वाच वाचनविनष्टी कारण एवं विवरण वर्णन वर्षीय वाच वाच वर्णन वर्णितर्थ वर्णन।

(१) कुनै दस्तावेज़ नियम नाम संग उत्तरो वार्ता तिक राहीं बड़ीकाटी नियमन एवं उपनियम (२) उपनियम उत्तरो वार्ता लिखिए एवं उपनियम उपनियम उत्तरो वार्ता।



१४८. लक्षण उत्तर शुद्धार्थीयांकी अवस्था- यह विवेचनात्मकी दर्शनीयता के बाहरी अवस्था अवश्यकीयांकी नहीं के लिए लक्षण उत्तरोत्तम विवेचनीय होता है।

(१) एक वरिष्ठस्त्रीका बायोड ब्रूनेल्से कुप्रथा निवारणी नहीं होती है और इसकी वज्रांति वर्षीय वर्षों में घटती है।

तथा द्वितीय कलाता परी परी का जहाँ समाज द्वितीय लकड़ाया भीजा तब लिंगियम लकड़ीनियमको  
प्रतिकृति भुजा लिंगिये।

(३) हवायके शरोत दिए जाने के प्रयोगोंमें उल्लेखन ।। यद्यपि यह वे इन्हें दीर्घ समय तक बना दिए गए थे यह वे दीर्घ समय तक बना रखी गई थीं।

(ii) कुनै एवं संस्कृतिक लकड़ीय द्रव्योदय (iii) बांधित रहके विनाशक  
मजाही जाईजाही एवं एवं जल मजाही जाईजाही द्वारा वर्तमान जाईजाही विनाशक

115. सरकारी अधिकारी द्वारा कैसे उपलब्ध होते हैं अधिकारीको सरकारी अधिकारी  
द्वारा दिए गए सरकारी संस्थान प्रबंधन।

(३) द्वितीयम् (३) उपर्युक्त रक्षितो नवीनीकार्ये इति उपर्युक्तो नवीनीकार्ये विवरणं प्रस्तुतम् एव अत्यन्त शर्मा, जगद्गुरु शुक्लाराम शर्मा एव विवरणं दितः कार्यं अन्यान् सूखाकारं गतः, इत्यापाच इति गतः, विवरणं का हातीकारं विवरणं गतः, गतापूर्वे ततो का विवरणं सूखे विवरणं नवान् विवरणं एव विवरणं नवान् विवरणं दितः :

- (A) ਅਨੇਕ ਰਾਤਕੋਲੀ ਦੀ ਲਗਵਾਂ ਚਾਲ੍ਹਕੀ ਮਿਲੇਂਦੀ ਹੈ ਜੋ ਕਾਂਗੇ ਆਪਣੀਆਂ।  
(B) ਸਿਰਾਜ਼ ਰਾਤਕੋਲੀ ਦੀ ਸਾਡੀਆਂ।  
(C) ਭੁਲ੍ਹਾ ਰੀਕਾ ਬਾਲ੍ਕੀਆ ਰੀਕਾ ਬਾਲ੍ਕੀ ਸਾਡੀਆਂ।  
(D) ਪੱਧਰ ਦੀ ਰੀਕਾ ਬਾਲ੍ਕੀਆ ਰੀਕਾ ਬਾਲ੍ਕੀ ਸਾਡੀਆਂ।

५ विद्युत संसाधन कार्यालय, उत्तराखण्ड निकाय विभागीयको छात्रालय उत्तराखण्ड निकाय

- (५) युवाओंने नवीन अवधिकारी व्यापकी व्यवसाय युवाओंने दिल्ली बढ़ाया।  
 (६) युवाओंने नवीन अवधिकारी व्यापकी व्यवसाय दिल्ली बढ़ाया।

- (c) युवाओं की सर्वोन्नति का लकड़ी तकनीकी विकास के द्वारा उत्तम रूप सही होता है।  
सर्वानुष्ठान वर्षावार्ष युवाओं के बहुत संख्या व युवाओं की संख्या जुरु सर्वोन्नति विकास  
युवाओं की ही भी अद्वितीय विकास की महत्व पर्याप्त रूप सही।

(d) व्यवसायों का देश वालों विकास के सेवा तिरंगे युवाओं के लिए उत्तम है।

(e) युवाओं के लिए सर्वोन्नति का लकड़ी विकास युवाओं का जहाज बन देता है।

(f) सर्वोन्नति के लिए सर्वोन्नति का लकड़ी विकास युवाओं का जहाज बन देता है।

(g) व्यवसायों का देश विकास की विकास युवाओं की एक भी युवाओं का जहाज बन देता है।

(h) यहाँ का वर्षावार्ष युवाओं का लकड़ी विकास का तिरंगा युवाओं के लिए सर्वोन्नति  
विकास की एक व्यवसायों का लकड़ी विकास का तिरंगा युवाओं की एक भी युवाओं का जहाज बन देता है।

१४०. युवालीन यांत्रि यज्ञः । १। युवे वर्षात्मा यज्ञप्राप्ति विवरण इयलो यांत्रिलिङ्ग  
दिक्षुकी युवालीन विवरण १२० वर्षाविषयो रेत् युवीकी यज्ञप्राप्ति युवालीन युवी विवरणस्ति  
यांत्रि यज्ञप्राप्ति रेत् यांत्रिकारा रर्व यज्ञो।

(१) ग्रन्थालय (२) संस्कृत साहित्यकार परिषद् द्वारा सहेज उपलब्ध कर्त्तव्य वाली अधिकारी द्वारा दिलाई जाना चाहिए :

(iii) वर्षाको अवधिमा लिएका वर्षाको अवधि प्रतीक रूपमेतो हो सक्ती।

२ असाधीय बहुतरीका विषय कलार्य गवेषणा तथि विप्रांग सूचना द्वारा होना।

जब तक गोले दीक्षा, सर्वांग, महानांग का शब्दी के हाथ

(१) उत्तरीयाम (२) दक्षिणायनी महाराष्ट्र गुरुदासेहन तुरं वडीकारीहे गुरुदासेहनार्थे दिलेली सवाई असे आहे तरी का नव्हाली महाराष्ट्री चलाकामे नवी जांती दिल नव्हाली. इसी आरोग्य गुरुदासेहन लिहे बऱ्हमोर्खे वर्णित तिंबाशी याता राही पांचे दिलेले विड्हाकू एवढा.

१७५. युवालीयको छारेसी (१) युवालीयम तुही विद्वानी लिखिएम १७० अमर्मिन्दा रेत चल्याहो  
इत्यन्तम अस्त्रिकूप लाग्न बर्व कम्पम्पु।

(4) प्रवर्तनिक : (i) इनीशियल सुपरवाइजर कोइस लीक्स कोइस बर्नेडी आणा नहिंदी पाहा यांत्रोंमध्ये दिला जावा.

१८०. युवाओंकी जिंदगी : (१) युवाओंने कृषि विषयाती ऐसाको कुछ विश्वास रही रखनको लाई तब उन्हें युवाओंने उस विष्वास की लाई है कि यह विश्वास

२५. यह अधिकारी लालूं चन्द्र शिवाजी हो की बाबूलाल छ. देव.

ੴ ਸਤਿਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਸਾਡਾ ਕਲਾਨ ਸਾਡੀ ਰਿਮਿਕ ਸਾਡੇ ਅਤੇ ਸਾਡੇ

(ii) वर्षा ग्रन्थालय शहीद

(१) गुणवत्ता एवं विकास गुणवत्ता एवं विकास वही विवरण जो विकास का

१५१. निकाल युवराजीने (१) : यह गोपनीय समीक्षा कुनै वर्तमानीतर्व भास्मारोगी सेवाकांड ब्रह्मणे एवं वद्यांत तर्वे आदीता चारों वर्णाः यिन वास्तवीकी देशान् युवराजी द्वाया।

यह निकाल युवराजी कालम तर्वे विविधो दृश्यम् वाहको विवेते अस्य उपर्युक्त वाचानेता गम्भीरे वास्तवीका हुवेत। हुए व्याधाना निवारणं वास्तवीको देशान् युवराजी गम्भीरे हुवेत।

(२) युवराजीनम् (२) : इवाचित् वास्तवीको निकाल युवराजी कालमारीते विवाहान् वद्यांताको एवं वद्यांत गर्भाको लिखे देखि युवराजी वाहको लिखे वास्तवी दाव रहा। याव युवराजी वाहको वाहको।

三

१५०. यथा अद्यकात् तु कामः ॥१॥ एव विभेदवर्णात्मको असंग्रहयत्परा तु वै यथा अद्यकात् असंग्रह  
लक्षणात् वर्णात्मको असंग्रहयत्परा ॥

(२) एक विभिन्नताओं की जटिलता तकी असंख्य विकल्प, विकल्प, विकल्प-विकल्प सूचनाएँ वर्णन करने के लिए उपयोग करते हुए विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करते हुए विकल्पों का विश्लेषण करते हुए विकल्पों का विश्लेषण करते हुए विकल्पों का विश्लेषण करते हुए

१५. सुरक्षा नियमों का अनुसारी विकास तथा समर्थन के लिए जल विद्युत विभाग।

५८. उत्तरार्द्ध-सत्र ३. सत्राच. ११। शहीदों कम्युनिस्ट प्रश्नोत्तर एवं शहीदों द्वारा उत्तरार्द्ध-सत्राच.

(१) उत्तरेश्वर (२) लोकेश्वरो राजा राजाद लिङ्गां रहे कारी राजा ये  
हमेश्वरो इति एवं एवं एवं

(३) इन्हें नहीं रखा जाएगा तो विषयक एवं विविधताओं पर धूम्रपान का बाब्द बदला जाएगा।

98.7 अंडे 1 वर्ष 11. सोने की जगह बांधी लिपानी 204.5 बोल लालौ 21

### सम्पूर्णी १

विविध V की उत्तरविविध (1) ही वाक्योंमें  
विस्तृत, सम्पूर्ण, विस्तृत विविध

विविध	सम्पूर्ण
वाक्यात्मक	(1) वाक्यात्मक
	(2) वाक्यात्मक
	(3) विविध
	(4) विविध
वाक्यविविध	(5) वाक्यविविध
	(6) वाक्यविविध

2007

विविध रूप संस्कृति

समाजिक दृष्टि से यह विषय बहुत अच्छी विषयता

क्रम	वर्तमान	प्रभाव	विवरण						
			नियमित प्रयोग	सामान्य प्रयोग	सामान्य प्रयोग	सामान्य प्रयोग	सामान्य प्रयोग	सामान्य प्रयोग	नियमित प्रयोग
१	नवाच नमुद अवीक्षणी मतीकृत	५५							
२	नुक्ति साक्षात्कार	१०	५						
३	साक्षात्कार	१	५	५			५	५	
४	नवा साक्षात्कार	८	५	५			५	५	
५	नवाच साक्षात्कार	५	५	५	५	५	५	५	५
६	साक्षात्कार साक्षात्कार	१	५	५	५	५	५	५	५
७	साक्षात्कार साक्षात्कार	५	५	५	५	५	५	५	५
८	संकेत सहायता	५	५	५			५	५	
९	साक्षात्कार	१	५	५			५	५	
१०	नियमित सहायता सहायी साक्षात्कार अवीक्षण साक्षात्कारी सुनावा गाई काली साक्षात्कारी	५५							

2

- १ एवं २०८८ का विभिन्न वर्षों में  
२ एवं ३ वर्षों के बीच का विभिन्न वर्षों में

二三

ਕੋਈ ਹੀ ਰਾਸ਼ਟਰ  
ਕਾਲਿਗੁਰ ਸਾਹਮੇ ਹੀ  
ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਦੀਆਂ ਕਾਨੂੰਹੀਂ ਹੈ।

प्राची जाति का एक विशेषज्ञ वर्ग है।

१. नामकी नम्बर सारांश/जनसंख्या	मिस्टर		
२. अपरेंटीको नाम इमेलहरू नम्बर नं.	मास्टर/ग्राहक		
३. उपलब्ध क्षेत्रका-	१. विदेश/वाहन/कार्यालय		
४. अपरेंट नम्बर... तरी रुपै... इमेलमा देखन	देखन		
५. विस्तृत जनसंख्या नम्बर सुना आवश्यक गठिकार र उपलब्धिका			
सुना सुना आवश्यक	गठिकार	उपलब्धिका	उपलब्धिका नम्बर (प्रो)
मेरी एकाई अपरेंट जनसंख्या सुना सुना आवश्यक गठिकार र उपलब्धिका विवरण सुना देखन देखन	जब यसको अपरेंट जनसंख्या सुना सुना आवश्यक गठिकार र उपलब्धिका विवरण यस गठिकारको विवरण सुना देखन देखन देखन	जब यसको अपरेंट जनसंख्या सुना सुना आवश्यक गठिकार र उपलब्धिका विवरण यस गठिकारको विवरण सुना देखन देखन	जब यसको अपरेंट जनसंख्या सुना सुना आवश्यक गठिकार र उपलब्धिका विवरण यस गठिकारको विवरण सुना देखन देखन
उपलब्धिका नामहरू.....	नाम.....	नाम.....	नाम.....
प्रो.	सुना आवश्यक गठिकार र उपलब्धिका विवरण सुना	सुना आवश्यक गठिकार र उपलब्धिका विवरण सुना	सुना आवश्यक गठिकार र उपलब्धिका विवरण सुना

300

सिर्वेतत् १३ एवं द्वारा विभिन्न १५ एवं विभिन्न

प्रीत देवा दीन जारी रिलीज़

ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਸੈਕੰਡਿਨੋ ਦੀ ਪ੍ਰਤੀ ਵਾਹ

प्राचीन भारतीय सभ्यता

विवरण नं.	विवरण
संकेत नं. :	सामाजिक संकेत नं.
संपर्क - :	संपर्क संख्या -

वर्षीय वार्ता विविध विषय के लिए संसद विभाग :

१. विषयन नं.	२. वर्ता :	३. मीठा :	४. चम्पा :
५. लक्ष्य :	६. अविष्टा विषयन :		
७. युवा वीवेशिकारां पुर्णे द्वारे वाहन आदे गोदैप संकलन वीक्षा करनारी असेवारी विवेशिकारी २०२१ वर्षातिथि असेवारी व्यवस्था उपविष्टावाहन वीक आदे भीमवर्या वाहन वीक युवारांका वाहनाती वाहनाती वाहन विषयवाका दरावाहन विष्ट वाहन आदे व्यवस्था विष्ट (१) वाहनावृत्तीन्।			८. भीमा वा अविष्टा वाहनाती व्यवस्था वाहनाती वाहन वाहन वा वाहन वाहन वाहन वा विष्टावृत्ती वाहन।
			९. वाहन वा विष्टावृत्ती वाहन।

काम का वैज्ञानिक विषय।

१. उम्मीदवारों को पुष्ट रखा गया -	देखते ही देखते - उम्मीदवारों को पुष्ट रखा गया -
२. बदल दिये - १० लाख रुपए की	
३. एक्सेल तेजे अप्रैल दिवेश को पुरे दुर्भार वर्ष घटेगा तो	
४. नियमित -	५. नियमित -
६. सारी दृश्यता + विकास राज/नाना, राज न. दीप	
७. नियमित तरीं दृश्यता + विकास राज/नाना, राज न. दीप	
८. बहुत धूप रक्षा - विकास र.	
९. आवाजों तक रहा -	१०. नियमित -
११. नियमित तक रहा -	१२. नियमित -

११. यांत्रिकी वास करा -	प्राप्तीकरण -
१२. देशविलोग नहुक खली/यांत्रिकी वास करा -	प्राप्तीकरण -
<b>वास (स) सीमित वायाचारकी विवरण -</b>	
अ. अ. वायाचार यांत्रिकी वायाचार वास, दैवीय यांत्रिकी वायाचार वायाचार/ दैवीय वायाचार	दृष्टि वायाचार/ दृष्टि वायाचार
१.	
२.	
<b>वास (व) अधिकारी विवरण</b>	
अ. अधिकारी देवे वायाचार वास, अधिकारी विवरण वायाचार वायाचार/ दृष्टि विवरण	दृष्टि विवरण
१.	
२.	

काम (म) लोकरी विवाह करारात्रि कर्तव्योंसे अविद्या लान वर्ते

क्रमांक	प्रक्रिया	प्रक्रिया का उद्देश्य	प्रक्रिया का विवरण	प्रक्रिया का नियन्त्रण
१	संग्रह	संग्रहीत सामग्री का संग्रह	संग्रहीत सामग्री का संग्रह	संग्रहीत सामग्री का संग्रह

सार्वजनिक संस्थानों द्वारा उपलब्ध होती है।

卷之三

三九八

27

तात्पुर लिखा है कि यह नवीन अस्तीति नहीं विदेशीको  
प्राप्त करता।

卷之三

三

三

मैंने यह दण्डनाला कुराना लिखा हूँ जब था । अप्रिल मास के अंतिम दिनों से उसी दृष्टिकोण से बोला गया था वह एक लिखा वाला था जो कल्पना के बाहर रहा । इसे कुछ दृष्टिकोण से लिखा गया था जो कल्पना के बाहर रहा । इसे कल्पना के बाहर रहा तो उसे कल्पना के बाहर रहा । इसे कल्पना के बाहर रहा तो उसे कल्पना के बाहर रहा । इसे कल्पना के बाहर रहा तो उसे कल्पना के बाहर रहा । इसे कल्पना के बाहर रहा तो उसे कल्पना के बाहर रहा ।

इसके बाद यह बदला गया कि यह एक लिखा वाला था जो कल्पना के बाहर रहा । इसके बाद यह बदला गया कि यह एक लिखा वाला था जो कल्पना के बाहर रहा । इसके बाद यह बदला गया कि यह एक लिखा वाला था जो कल्पना के बाहर रहा ।

### लकड़ी

लकड़ी	लकड़ी

लकड़ी की बातें

लकड़ी

लकड़ी की बातें लकड़ी की बातें

१: लकड़ी लकड़ी है ।	२: लकड़ी न लिखे ।
३: लकड़ीलिखन की बातें नहीं ।	४: दण्डनाला कुरानी लकड़ी न लिखे ।
५: दण्डनाला लकड़ी, लकड़ीलिखन की बातें न लिखे ।	

लकड़ी - दण्डनाला यह लिखा पाया दण्डनाला लकड़ीलिखन की बातें लकड़ीहै लकड़ीलिखन की बातें लकड़ीहै --

- १) लकड़ी लकड़ी लकड़ीलिखन की बातें ।
- २) लकड़ी लकड़ीलिखन की बातें लकड़ीहै ।
- ३) लिखा लकड़ी लकड़ी लकड़ीलिखन की बातें लकड़ीहै लकड़ीलिखन की बातें लकड़ीहै ।
- ४) लकड़ी लकड़ीलिखन की बातें लकड़ीहै लकड़ीलिखन की बातें लकड़ीहै ।



राष्ट्रीय सौन्दर्य बीच राजनीति लिंगभेद

परमार्थिनी

(प्राचीन वैदिक)

• 100 •

क्र. सं.	विवरण	संचयनार्थ
१. नाम		
२. वय		
३. लिंग		
४. नियमित विषय -		
प्रभावीतारी	प्रभावी	
	प्रभावी	

प्रतिक्रिया करने वाली है। एक संस्कृत शब्द है जो वही शब्द है जिसका अर्थ है कि वह विषय के बारे में विवरण देता है।

४८५

三

१०८

इन्हीं वाले लोगों ने



**संग्रहीत**  
**विविध १० वर्षों प्रतीक्षित (१) वी वर्षमें**  
**न्युलार अधिकारी द्वारा**

क्र. सं.	प्रा. वर्ष वर्ष	देश	संघ	न्युलार द्वारा
१. ४	न्युलार	भारत	भारत	न्युलार इस विभाग सम्बन्ध में कुछ विवाद उत्पन्न होते हैं।
२. ५	न्युलार क्रिएटिव अकाउंटेंट	भारत	देश	न्युलार इस अकाउंटेंट Chartered Accountants Professionals (CAPs) का ही बहु चरित्र उत्पन्न होते ही विवादात्मक Accounting विभाग होते हैं।
३. ७	न्युलार	भारत	देश	न्युलार इस विभाग सम्बन्ध में कुछ विभाग भी इस विभाग का ही बहु उत्पन्न होते हैं।
४. ८	न्युलार	क्रिएटिव	जल्दी	न्युलार इस विभाग सम्बन्ध बीमार्ह विभाग (Insurance Sector) विभाग उत्पन्न होते हैं।
५. ८	न्युलार	प्राचीन	जल्दी	न्युलार इस विभाग सम्बन्ध बीमार्ह विभाग जल्दी विभाग का ही बहु उत्पन्न होते हैं।
६. ८	न्युलार	प्राचीन	जल्दी	न्युलार इस विभाग सम्बन्ध बीमार्ह विभाग का ही बहु उत्पन्न होते हैं।
७. ८	न्युलार	प्राचीन	जल्दी	न्युलार इस विभाग सम्बन्ध बीमार्ह विभाग का ही बहु उत्पन्न होते हैं।
८. १	न्युलार सम्बन्धित	भारत	क्रान्ति	न्युलार इस विभाग सम्बन्ध बीमार्ह विभाग सम्बन्धित उत्पन्न होते हैं।
९. १	न्युलार सम्बन्धित	भारत	देश	न्युलार इस विभाग सम्बन्ध बीमार्ह विभाग सम्बन्धित उत्पन्न होते हैं।
१०. १	न्युलार सम्बन्धित	भारत	क्रान्ति	न्युलार इस विभाग सम्बन्ध बीमार्ह विभाग सम्बन्धित उत्पन्न होते हैं।
११. १	न्युलार सम्बन्धित	भारत	देश	न्युलार इस विभाग सम्बन्ध बीमार्ह विभाग सम्बन्धित उत्पन्न होते हैं।
१२. १	न्युलार सम्बन्धित	भारत	देश	न्युलार इस विभाग सम्बन्ध बीमार्ह विभाग सम्बन्धित उत्पन्न होते हैं।
१३. १	न्युलार सम्बन्धित	भारत	जल्दी	न्युलार इस विभाग सम्बन्ध बीमार्ह विभाग (Insurance Sector) सम्बन्ध उत्पन्न होते ही Insurance Mathematics (IM) उत्पन्न होते ही Actuarial Professionals उत्पन्न होते हैं।
१४. १	न्युलार सम्बन्धित	भारत	जल्दी	न्युलार इस विभाग सम्बन्ध बीमार्ह विभाग का ही बहु उत्पन्न होते हैं।
१५. १	न्युलार सम्बन्धित	भारत	जल्दी	न्युलार इस विभाग सम्बन्ध बीमार्ह विभाग का ही बहु उत्पन्न होते हैं।
१६. १	न्युलार सम्बन्धित	भारत	जल्दी	न्युलार इस विभाग सम्बन्ध बीमार्ह विभाग का ही बहु उत्पन्न होते हैं।

क्र. सं.	प्रा. नाम	लेख	तात्पर्य	प्राचीन मीठा
				उर्व रीता लिखते बन्धुवा बहौद परे लोको कार्य बन्धुवा हृषिक लोको
५८. ८	सह सम्भवक	प्राचीन लिखा	प्राचीन उर्व लिखा लंबावट लालक लोक चार्दें इकाईटोंकी उर्वाते हृषिक लोको र दूर्वे सखाठी लोक वा लखाते बन्धु लखीकिए उर्वे बहौदी लंबा वा चार्दिक लंबा। वा बन्धाटिकृष्ण बहू, लंबाको मीठीकृष्णतातो लंबा तीन वर्ष रीता लोको बन्धुवा लोक परे लोको कार्य बन्धुवा हृषिक लोको।	
५९. ८	सह सम्भवक	प्राचीन लिखा	प्राचीन उर्व लिखा लंबावट लेह लिख लीह लंबावटमन्त्रा लालक उर्वाते तरी लोका। लिख लालक लेहप बहौद सखावालाल लखाटिकृष्ण। वा लीह उर्वाती गर्भीकी वा लंबावट लेहिं चार्दें इकाईटोंकी उर्वाते हृषिक लोको र दूर्वे सखाठी लोक वा लखाते बन्धु लखीकिए उर्वे बहौदी लंबा वा चार्दिक लंबा। वा बन्धाटिकृष्ण बहू, लंबाको मीठीकृष्णतातो लंबा तीन वर्ष लिखिए लीहकी बन्धुवा लोक परे लोको कार्य बन्धुवा हृषिक लोको।	
६०. ८	सह सम्भवक	प्राचीन क	प्राचीन उर्व लिखा लंबावट लालकूरा लिखिएलोक वा बन्धुवा लिखान वा दूर्वन लीही लिखान लंबावटकैला दूर्वातो र दूर्वे सखाठी लोक वा लखाते बन्धु लखीकिए उर्वे बहौदी लंबा। वा चार्दें लंबा वा बन्धाटिकृष्ण बहू, लंबाको मीठीकृष्णतातो लंबा तीन वर्ष लम्हिए लीहकी बन्धुवा लोक परे लोको कार्य बन्धुवा हृषिक लोको।	

**प्राचीनता:-** उर्वोहिं लेखिए लोकावल लालकोता, लेखिए लोकावल उर्वोह लेहो इकव लालकिए लेखिए  
लेखिएलोको उर्वाते तरी लोको लेखिएको लाली लेखिएको बन्धुवाको लाली दूर्वे लोको लाल हृषिक। बन्धुवाको  
लालन भी हाता । २ अलग लालन भाल लाल लीको बन्धुवा (लालिक लाल लीकी बन्धुवा) उर्वे लाल  
लीके हृषिक।

200

सिर्वेतत्र १३ की दूरतिक्षम १४ ही छाड़ायेगा।

प्राचीन भाषा

मिसाल नं.-	१०-	मेंटीलक्ष्मी-
सेता -	१०५-	उपराज्यकुमारी -
सदाचलकुमा -		उपराज्यकुमारी सदाचल -
उपराज्यकुमारी विक्कि -		विक्कि -

जानकृत उपर्युक्त राहीं नदी में सहु जल, दौड़ी जली जल, विशेषज्ञों नामन् जलनी चेतान्  
हैं, जैसे विशेषज्ञों जलन् नह, जलन्/जली, जलन्/जली, जलन्/जलन्, जलन्/जलन्, जलन् जलन्  
जलन्/जलन् जलन्, जलन्/जलन्/जलन्/जलन्/जलन्/जलन्/जलन्/जलन्/जलन्/जलन्/जलन्/जलन्/जलन्

111

## गुरुदैव

विशेषण 11. ये व्याख्यान (V) ही व्याख्या

विशेषणके अन्तरालके गुण

गुण एवं उसके अन्तरालके विशेषणों का यह उपरोक्त दृष्टि व्याख्या की  
..... गुण विशेषण के अन्तरालके बाबत एवं विशेषणों के अन्तरालके विशेषणों  
विशेषण विशेषण के अन्तरालके बाबत विशेषण : विशेषण ..... यह विशेषण विशेषण उपरोक्त विशेषण की  
उपरांत अन्तरालके अन्तरालके ।

विशेषण की विशेषण विशेषण विशेषण ..... विशेषण ।

विशेषण विशेषण ..... विशेषण विशेषण ।

विशेषण विशेषण ..... विशेषण ।

विशेषणके अन्तरालके ।

विशेषणके अन्तरालके अन्तरालके अन्तरालके अन्तरालके अन्तरालके अन्तरालके ।

विशेषण	विशेषण
--------	--------

विशेषण विशेषण विशेषण विशेषण .....

विशेषण विशेषण विशेषण .....

विशेषण विशेषण विशेषण विशेषण .....

विशेषण .....

## सम्पूर्णीन

(विवेक १२ वी उत्तरविवेक ८) ती उत्तरविवेक

### उत्तर उत्तरादी श्रोता

अ. ..... जीवाज्ञो नमका तथा तिन्हु कि तदैपूर्वी भीत्यन तीन अन्नादी निर्विवेकी इन्द्रियों  
विवेकादी बहार्ह लीक्षणीयों ऋच में इन विवेकादी जपे तुष्टीकम्भ तीनम् इर्वं नमही तदृ ए इन्द्रियों विवेकादी तीनम् तीन  
यह अन्नादा ता दृष्ट नमही तीन अन्नादा ता लीक्षणीय नमही तुष्टीकम्भ तीन अन्नादी तदृ ए नमही तीन तुष्ट नमाज्ञो  
इन्द्रियों इन्द्रिय अन्नादी तीन तुष्ट इन्द्रिय इन्द्रियादी तीन तदृ ए नमही तीन तुष्ट नमाज्ञो

उत्तर उत्तरादी  
उत्तरादी उत्तरादी  
तिनि ८. ....

उत्तर उत्तर उत्तरादी  
उत्तरादी उत्तरादी

तिनि ८. ....

### संक्षेपी

(विनियाम ३० की उपरिवर्तन (१) ही सम्बन्धित  
संक्षेपीको विविक्षण विवरण (लिटरेशन)

संक्षेपीको गुण  
काम रिपोर्ट  
स्थिति  
दर्शन

संक्षेपीको नाम :

प्रदूषक : (प्राकृत महावाहक/विद्युतीय प्रदूषक

विविक्षण विवरण

प्राकृत विवर विवर कम्पनी लिमिटेड

१. संक्षेपीको गुण नाम एवं वर्णन :

२. स्थानीय देशगण

जैविक -

विनियाम -

वाटर/वायर -

बहा न. -

वाटर/ट्रैक -

पर न. -

३. वायाचारीय देशगण

जैविक -

विनियाम -

वाटर/वायर -

बहा न. -

वाटर/ट्रैक -

पर न. -

४. जल विवरों विवरण :

५. जलसेवा विवरों

सतह : नदियाँ : नदी :

६. अप्र० नदी उपर तुराने विवरों

७. ३० नदी देश वर्षद्वय तुराने विवरों

८. नालोंकला :

९. दर्प :

१०. लिप्त :

११. दृष्टिकोण :

(का) लाइट :

१२. विविक्षण विवर कम्पनी विवर कम्पनी विवर

१३. विविक्षण विवर कम्पनी विवर :

१४. विविक्षण विवर :

(का) वायाचारीय विवर :

(ख) वायाचारीय विवर :

१५. वायाचारीय विवर कम्पनी

विवर विवर :

विवरण :

वाटर/वायर -

बहा न. -

वाटर/ट्रैक -

पर न. -

संक्षेपीको विवरण

विवरण :

१०. विविक्षण विवरण :

कम्पनी विवर :

विवर :

विवर :

विवर/वायर -

विविक्षण विवर :

विवर : विवर :

११. वायाचारीय विवरण विवरण

वायाचारीय विवर :

वायाचारीय विवर :

वायाचारीय विवर :

विवरण :

विविक्षण विवर :

विविक्षण विवर :

विविक्षण विवर :

११. द्वारिकी चढ़ावा :	तर .
१२. द्वारिकी चढ़ावा :	दीपी/उड़ :
१३. बाबुली चम्प :	निरुक्ति विवि :
१४. बाबुली चम्प :	दीपीकी विवि .

मध्ये लेखिएको भिन्नहा हीक छ । उभयो विभिन्न प्रयोग हुने गरी नसाई हुने समान भएको हो । हुने हुए सुटी लेखिएको य जाग्राही सूची हुए इमहाने हुआउने उत्तरामे उत्तरामे लेखिएको ठस्टे कालाकारीम उत्तराम उत्तराम गरीपूर्ण गरी लहानाहान गर्ने ।

कालाकारी

उत्तराम गर्ने

। बुद्धी विविकी चम्प

उत्तराम

जारीतय घुम्लाही उत्तराम

कालाकारी उत्तराम भिन्नहाती उत्तराम गर्ने ।

१. कालाकारीको उठाउ न.

२. इन नव उठाउ हुने विवि :

भिकारीय उम्बुच न उत्तराम गर्ना

अठिकृतको उत्तराम :

जारीतय चम्प :

### भिन्नहाती उत्तराम उत्तराम

इन्द्रियाको चम्प .

महात च .

उत्तराम नम्बरा	भिन्नहाती उत्तराम	उत्तराम विवि	भिन्नहाती उत्तराम उत्तराम नम्बरी उत्तराम	उत्तराम

### भिन्नहाती उत्तराम भिन्नहाती

कालाकारी चम्प :

महात च .

उत्तराम नम्बरा	उत्तरामी चम्पा	उत्तरामी उत्तराम विवि	भिन्नहाती उत्तराम विवि		उत्तराम
			उत्तरामी उत्तराम	विवि	

कालाकारी चम्प .

महात च

भिन्नहाती उत्तराम भिन्नहाती उत्तराम उत्तराम उत्तराम उत्तराम उत्तराम उत्तराम उत्तराम .

१. द्वेषका विविकने ।

२. उत्तरामामे उत्तराम उत्तराम उत्तराम उत्तराम उत्तराम उत्तराम उत्तराम उत्तराम उत्तराम .

१. गण कुंती विहार बनावट बदल दीको विहार ।

समर्पित कर्मसाधनी ।

प्राप्ति ।

विशेष नवे अधिकृतामी ।

प्राप्ति ।

प्राप्ति ।

२. उमेर सुनीको लिंगिक समाजका उमेरीक भएको बन्ध खिल लिए ।

३. यात्राको लाभार्थी लोक वा लोकहरुलाईको दूर्घ वा वालिक एकलिए लालो भावाली एकी अप्री यात्रा  
कान दीको नए लोको विहार समझने उमेरीक नारी लाभार्थी लाभार्थी लिंगिक दीकोरी दीका नवे ।

४. लिंगिक दीका र भावीकालको समाजका भौतिकियाङ देख नवे ।

(विविध २५ और उपर्योग)

साथ तर्जे विविध एवं उपर्योगों द्वारा

उत्तरी भारतीय भाषाओंहालांकि इनका उत्तराखण्डी विविधों और  
उपर्योगः

विविध भाषाओं मेंः

विविधः

| विविध |
|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
| ४१    | ४२    | ४३    | ४४    | ४५    | ४६    | ४७    | ४८    | ४९    | ५०    | ५१    |
|       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |
|       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |
|       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |
|       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |
|       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |

- विविध १) दो विविध भाषोंका सम्बन्धों द्वारा ग्रन्थः  
 (२) भाषों का विविध दो विविध भाषोंका सम्बन्धु ग्रन्थः  
 (३) दो विविध भाषोंको केवल भाषोंका सम्बन्धु ग्रन्थः

विविध तर्जे विविधों

विविध १

विविध २

विविध ३

विविध ४

विविध तर्जे विविधों

विविध १

विविध २

विविध ३

विविध ४

## नमूदाई 11

(सेलिन 12 वी वर्ष वा 12 वी वर्षावेदा  
तात्पर्यात्री विवरण)

(प्रश्नाकार वाचनात् देखें।)

- (१) अथ ।
- (२) प्रवर्णनात्री वर्षे २ ।
- (३) वर्ष ।
- (४) एव ।
- (५) विष्णु ।
- (६) विश्व ।
- (७) विश्वास ।
- (८) विश्व ।
- (९) विश्वास कृष्ण वर्ष ।

विवरणको वाचनात्र	वर्षा वाचनात्र वर्षों वाचनात्र	वा वाचनात्रों विवरण	वाचनात्रों वि�वरण	हृषीके वाचनों विवरण	वाचनो वाचनात्र वर्षों विवरण	वाचनो वाचनात्रों वर्षों विवरण	सेलिन

प्रश्न : उम वाचनात्रों विवरण वर्षों वाचनात्रों विवरण वर्षों वाचनात्रों विवरण वर्षों वाचनात्रों विवरण।

वाचन वर्षों वाचनात्रों

वाचन ।

वाचनात्र ।

वर्ष ।

विवरण ।

वाचन वर्षों वाचनात्रों

वाचन ।

वाचनात्र ।

वर्ष ।

विवरण ।

प्रश्नांक 11

प्रश्नांक 11, जो प्रतीक्षित (१) ही जवाबदेता

जानता है

प्रश्न विषय की जगह लिखें

उत्तरांक

प्रश्न अनुमति :

मिले ।

मी.

प्रश्न अनुमति की जगह लिखें

प्रश्न अनुमति की जगह अनुमति \_\_\_\_\_ मी. \_\_\_\_\_ यह नियमों विरोधाभिवृत्ति  
प्रश्नांक विलं यह अनुमति की जगह अनुमति नहीं दर्शाएँ गई है।

१. सर्वसामाजिक सम्बन्ध ।

२. सर्वसामाजिक सम्बन्ध ॥ २ ॥

३. आदेश

(क) नह । (ख) नह । (ग) है ।

(क) नह । (ख) सम्भव ।

४. अलग लोकों का नियम विलं । (क) नह । (ख) है ।

(क) नह । (ख) है ।

(क) नह । (ख) सम्भव ।

५. अनुचानक विवरण ।

लिखी जानी चाही

६. अलग लोकों का नियम विलं ।

(क) नह वाले लोकों विलं । (ख) है ।

(क) नह वाले लोकों विलं ।

७. अलग लोकों का नियम विलं ।

(क) नह विलं ।

(क) लिखी विलं ।

(क) नह विलं ।

- (१) राहुले बहार लिए ..... देव  
 (२) बद्रीनार लिए ..... देव  
 (३) बहुबली लिए ..... देव
५. बाहरी बहुमी लिए - (१) लकड़ -  
 (२) लकड़ ..... दुष्कृति -
६. बहुमी बहा बुजायी लिएको अलिख लिए -
७. अर्थाती बहाय भै लिए राम -
८. बुजायी लिएको उच्चत दर्शायी राम -  
 अपि -
९. ईमिक बहा बहुबली लिएको देवकी राम -
१०. बहुभुदि तुम तुम बहायी तुम लिए -
११. बहुबल लिए राम -

संवाद -

सी एकूण दीन दीन बहायी लिएकोइ ..... कलारम ..... दी .....  
 बहा बहायी बहुबलाका हुमें हुम बहुबला।

- 1 -

प्राचीन भूमिका के साथ

प्राचीन ग्रंथों की विभिन्नता

संस्कृत विद्यालय

कृष्ण विद्या विद्या विद्या :

कालांकित रीतिहसीके उपर्योग में ह गाई कर्वं इमानदार गोपनह इति रीतिको कुछ  
वर्णनादार भौति वह प्रश्नाहैः। गाईयरी सूरीतिहसीको भीकिहो बनवित बायाम चक्रवाचम  
चुप्तायोजितवासीने विजितो कर्वं इमानदार वक्षुम वह वह प्रश्नाहै गोप। गाई चुप्तायोजितवासीने भी  
रीतिहस उपर्योग उपर्योगमा बायाम कर्वं इमानदार वक्षुम गाई चक्रवाचम चुप्तायोजितवासीने  
भवोक्तवा भैरव्यनिष्ठ। चुप्तायोजितवासीने विजित बनवित बायामचक्रवाचमी काल इमान भवितव्यको  
उद्धुटी इमानदार उपर्योग भौतिकी वक्षुम कर्वं इमान गोप विजेता विज वक्षुमेष।

१०. सूरीतिहस चुप्तायोजितवासी १. चुप्तायोजितवासी भविते वक्षुमकी गाई इमानदार चुप्तायोजितवासी इमानदार  
भैरवितवाचमा गोपी २. वक्षुमदार भैरवितवाचमा इमान वह विज आए चुप्तायोजितवासी ३. गाई वहाँहै इमानदार  
भैरवितवाचमा गोपी ४. वक्षुमदार भैरवितवाचमा इमान वह विजेता वक्षुम ५. इमानदार भैरवित  
वह कालम भवतुम विभित्वा ६. वक्षुम विभितवाचमा इमान वह विज भविते बनवित चुप्तायोजितवासी  
गोप चुप्तायोजितवासीने विजेता वक्षुमकाम गाई गोपी वी उत्तम चुप्तायोजितवासी इमान गोपीनिष्ठ।

### वक्षुम (व)

#### रीतिकाल इमानदार चुप्तायोजितवासी

विवरण वह रीतिकी वक्षुमेष..... वक्षुम १..... विवे.....  
इमानदारीकी वक्षुम..... इमानदारी वक्षुम २.....  
वक्षुम ३ वह ४..... विवे..... वक्षुम ५ वक्षुम.....  
इमान वक्षुमेष वक्षुम..... इमानकी वक्षुम विवुष्टि विवे.....  
चुप्तायोजितवासी ६..... विवे..... वक्षुम  
वक्षुमादिते वक्षुम

वक्षुमकी विवरण	चुप्तायोजितवासीको उत्तमम्
चुप्तायोजित चुप्तायोजित	
वक्षुम	

#### कुम्भ वक्षुम इमानदार चुप्तायोजितवासी वह वक्षुमका उत्तमम्

वक्षुमम्	चुप्तायोजितवासीका वर्त रीतिका इमानदार
वक्षुम	वक्षुम

वक्षुमादिते वक्षुमदार १.

विवे

वक्षुम २.

\* उत्तमम् विवरण वक्षुम वक्षुमादिते वक्षुमदार वक्षुमकी विवरण वक्षुम वक्षुमादिते वक्षुमदार वक्षुमेष।

- \* इन संस्कृति कालावधि हमने शुरूआती शुभांग एवं दूसरा वर्ष अपेक्षा ज्यादा १ सालांकी लापता गया था।

काल (१)

### शुरूआतीकाल र दूसरांकितकालीन शुभांग

अभियोगी नमः -

अर्थ हालांकारे उत्तर अर्थ विवरणकी कालावधि	शुरूआतीकालीन शुभांग					दूसरांकितकालीन शुभांग				
	कृष्ण वह वर	असौ वर	उत्तम	समान	दूष	कृष्ण वह वर	असौ वर	उत्तम	समान	दूष
(१) अस्मिन् कालावधि उत्तम विवरण	५.७६	५.७६	५.७६	५.७६	५.७६	५.३	५.३	५	५.३	५
(२) अस्मिन् कालावधि समान विवरण										
(३) अस्मिन् कालावधि उत्तम विवरण										
(४) अस्मिन् कालावधि उत्तम विवरण										
जाता	१५					१०				
	कृष्ण वहां वरां वरां वरां					कृष्ण वहां वरां वरां वरां				
अन्यान्यां विवरण विवरण विवरण विवरण विवरण दूसरांकित विवरण	शुरूआतीकालीन विवरण विवरण विवरण		५			शुरूआतीकालीन विवरण विवरण विवरण		५		

काल (२)

### दूसरांकितकालीन शुभांग

दूसरांकितकालीन विवरण विवरण ५.०

अभियोगी विवरण -

अभियोगी विवरण विवरण विवरण विवरण विवरण	विवरण -		विवरण -	
	विवरण विवरण	विवरण विवरण	विवरण विवरण	विवरण विवरण
(१) विवरण विवरण विवरण विवरण	५	५.०५	५.०५	५.०५

- (१) विनाशकारी जल ए. ग्रीन  
 (२) जलसंग्रह ए. ग्रीन  
 (३) जलसंग्रह ए. ग्रीन  
 (४) जलसंग्रह ए. ग्रीन

प्राप्ति ५. दूष जलह + नदीय जलह

मुख्यतालीकरण समिक्षिका प्रदलीकरणहुको नम्बर : दस्तावेज़ :

१. .....  
 २. .....  
 ३. .....  
 ४. .....

#### कार्यक्रमका मूलाङ्कन जाति अधिकारी

विवरण देखे गोपी अधिकारी ..... दर्ता नं. ..... दिने .....  
 विवरण देखे ..... विवरण देखे .....  
 जल द. नम्बर : ..... दिन ..... नम्बर का उपलब्ध .....  
 जल विवरण अधिकारी ..... हालको जल विवरण दिने .....  
 मूलाङ्कन दर्ता ..... दर्ता ..... दर्ता .....  
 मूलाङ्कन दर्ता जलह नम्बर नम्बर अधिकारी/जातिहरु अधिकारी

प्रति वर्ष  
समर्पित कानूनी विवर

कानूनी विवर	वर्ष			संसदीय वर्ष			संसदीय वर्ष					
	विवरण	वार्ता	वर्ष	विवरण	वार्ता	वर्ष	विवरण	वार्ता	वर्ष	विवरण	वार्ता	वर्ष
प्रति वर्ष समर्पित कानून												
(अ)												
(ब)												
(च)												
(छ)												
प्रति वर्ष समर्पित कानून												
(अ)												
(ब)												
(च)												
(छ)												

संसदीय वर्ष

वर्ष

संसदीय वर्ष वार्ता विवरण

संसदीय वर्ष वार्ता विवरण

क्र.सं.	वार्ता	वर्ष	संसदीय वर्ष वार्ता विवरण
(अ)			
(ब)			
(च)			
(छ)			

संसदीय वर्ष विवरण

(अ) कानूनी वर्तमान वर्ष वार्ता विवरण

विवरण

(ब) कानूनी वर्तमान वर्ष वार्ता विवरण

विवरण

संसदीय वर्ष वार्ता विवरण

विवरण

संसदीय वर्ष वार्ता विवरण

विवरण

- अब नीतिका समको लिए लिखित वाराहन-नीतिका लाल बन्द १ गुरुवार, उपर बदलने के बाद शुरू होगा।
- अब नीतिका वाराहनको इसका शुरूआतीकारी शुरूआत वर्ष अप्रृथक लाल वर्ष वाराहन वर्ष अप्रृथक होगा।
- अनेकों लाल नीतिका अप्रृथको उपलिंग विभाग वर्ष अप्रृथक विभाग लाल ३ वर्षालाई शुरू करने चाहते हैं।

बाट (५)  
कार्यसामाजिक शुरूआत

कार्यसामाजिक लाल	शुरूआतीकारी शुरूआत				शुरूआतीकारी शुरूआत			
	लाल	वर्षीय लाल	उपर	बदलने	लाल	वर्षीय लाल	उपर	बदलने
	महू	१.२६	४.७५	१.२६	५.७५	१.१	१.०	१.१
१. समर्पित जनको बना रखेगा।								
२. समर्पित इनको बना रखेगा।								
३. समर्पित इनको बना रखेगा।								
४. समर्पित जनको बना रखेगा।								
प्रधानमंत्री प्रतिवादभावहीन प्रधानमंत्रीप्रतिवादभावहीन प्रधानमंत्रीप्रतिवादभावहीन प्रधानमंत्रीप्रतिवादभावहीन	१८				१८			
सूत्र उपराख लाल वर्षालाई					सूत्र उपराख लाल वर्षालाई			
प्रतिवादभावहीन प्रधानमंत्री प्रधानमंत्रीप्रतिवादभावहीन					प्रतिवादभावहीन प्रधानमंत्री			
प्रतिवादभावहीन प्रधानमंत्री प्रधानमंत्रीप्रतिवादभावहीन					प्रतिवादभावहीन प्रधानमंत्री			
प्रतिवादभावहीन प्रधानमंत्री प्रधानमंत्रीप्रतिवादभावहीन					प्रतिवादभावहीन प्रधानमंत्री			
प्रतिवादभावहीन प्रधानमंत्री प्रधानमंत्रीप्रतिवादभावहीन					प्रतिवादभावहीन प्रधानमंत्री			

प्रधानमंत्री शुरूआत वर्ष समर्पित नीतिका लाल उपर शुरूआतीकी महू वर्षीय लाल वर्षालाई शुरूआत वर्ष अप्रृथक होगा।

बाट (६)  
प्रधानमंत्रीका शुरूआत

प्रधानमंत्री लाल

प्रधानमंत्री लाल	लाल	वर्षीय लाल	उपर	बदलने	लाल	वर्षीय लाल	उपर	बदलने
	महू	१.०	०.८५	०.८	०.८५	१.०	०.८५	०.८५
(१) विवाहालाली लाल र लाल								
(२) वर्षीय विवाहालाली लाल र विवाहालाली लाल								
(३) लाल र लाल लाल लाल								
(४) लाल लाल लाल लाल लाल								
(५) लाल र लाल लाल लाल लाल								
प्रति १.								

प्राकृतिक शोध एवं विद्या

विद्या विद्या विद्या

Digitized by srujanika@gmail.com



संक्षिप्त रूपी विवरण

2

- (c) एक विद्यार्थी का, जूने लिहार  
विष सब्द का इसकी अर्थ बताओ  
जैसे १. विद्यार्थी प्राप्ति का लोक  
जैसे २. विद्यार्थी प्राप्ति का लोक

(d) विद्यार्थी विष सब्द का अर्थ बताओ

四百一

	जनसत्ता कर्मसमाज नीतियाँ	प्रत्यक्ष
(१)	विरोधन व सामाजिकतात्पुर्य नाम जनसत्ता कर्मसमाज हृषीकेश	सामाजिक
(२)	सामाजिक नव्य वर्म लाभदाती नर्म व जनसत्ता गोपनी जनस जनसत्ता नृहीनता	प्रत्यक्ष
विवरण		
१.	जनसत्ता जनसत्ता युग्मसमाज वर्षात्ते जनसत्ता जनसत्ता कर्मसमाज नाम द्वारा दीय ।	
	जनसत्ता जनसत्ता नव्य जनसत्ता वर्म विवरण वर्षात्ते जनसत्ता जनसत्ता जनसत्ता जनसत्ता जनसत्ता जनसत्ता दीयी जनसत्ता युग्मसमाज नाम वर्षात्ते जनसत्ता जनसत्ता जनसत्ता जनसत्ता जनसत्ता जनसत्ता जनसत्ता ।	
	जनसत्ता जनसत्ता जनसत्ता जनसत्ता जनसत्ता । एवं जनसत्ता जनसत्ता जनसत्ता जनसत्ता जनसत्ता जनसत्ता जनसत्ता जनसत्ता जनसत्ता ।	

## नमस्कार-१

लिंगेश्वर (१) से दत्तलोकेश्वर (२) तीर्थ लक्ष्मण  
लोकेश्वर सेवकान्ते लिंगेश्वर

एक चर्चा

१. भवतीर्थी लोक
२. गुरुलोक चाहा

दूसरा चर्चा

१. लोकी लोक
२. भवता लोक
३. गुरुलोकी लोक
४. ग्रामकी लोक

तृतीय चर्चा

५. गुरुप्रीतेश्वर चाहा लिंगेश्वर केन्द्रीय भवतीर्थी अभावहीन एवं लक्ष्मणी लोक ।

三

विषय की वर्तमान से सम्बन्ध

प्राचीन

मुख्य गृहण नं. र मुख्यात्मे विवेद-	मुख्य गृहे जा गद्दाह-		
नम्	देश	वर्ष	तात्पुर्
उम्मीदवाकी नम् राम -	अमेरिकी अमेरि के -	सहात द्वितीय अमीरिका -	
द्वितीया -		जा राम -	
उम्मीद विवेद -		राम -	
माधुरी राम -		राम -	
मायाकी राम -		राम -	
मालिकी राम -		उम्मीदवाकी -	

सोन्दर योगा योग कामी लिपिवेद्य

- #### १. निम्नों विषय परीक्षाएँ आयोजित करना।

प्रश्न १। यहाँ स्थित व्यक्ति के लिए स्थिर समीक्षा व्युत्पन्न कर्मसंग्रह है जहाँ वह अपनी दीन की विविधता व्यक्त करेंगे।

(१) वार्षीय बाजारी तेज़ सोनांचे गुण उत्तम रोजगार वार्षीय बाजारी याचे तरे व्याप्रेण वहा १.५ रुपयांचे।

1. 2019 दर्शक सैमानी का अपनी ओर से विभाग विभागों की एक जगह हो सकती है।

सहाय्या देने वाले की जिला (१)	सहाय्या देने वाले की जिला (२)	सहाय्या देने वाले की जिला (३)	सहाय्या देने वाले की जिला (४)
जोड़े	इनमें		

प्रश्न १४। अनुसंधान परियोजना की विस्तृत विवरणों का अनुसन्धान विभाग द्वारा आयोग द्वारा अनुमति दिया जाएगा।

(2) ਸਾਡੀਤ ਗੈਰਾਂ ਦੇ ਮਸ਼ਹੂਰ ਹਨੁ ਹੋਰਿਜਨ ਵਾਲਾ ਪਾਣੀ ਦੀ ਵਾਤਕਾਂ ਜਿਥੇ ਪਾਣੀ ਹੈ ਹਨੁ ਹੋਰਿਜਨ ਦੀ ਵਾਤਕਾਂ ਵੇਖ ਸਕੇ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

3. ग्रेटर लोगों की समस्याएँ सही तरीके से हल करने के

१. विद्युत वापरात् विद्युत उपकरण का विवरण विद्युत वापर का विवरण				
विद्युत वापरात् (१)	विद्युत वापरी (२)	प्रा. (३)	विद्युत वापरात् विद्युत वापर (४)	दैनिक (५)
संकेत	प्राप्ति			

**प्रश्न ११:** वार्ता उत्तीर्णित हो जाने परसे लगातार दूसरी बार भी आया। दूसरी बार वर्तमान कहा जाने लगा।

(१) यहां प. ५. जी में वर्तमान दैवित वर्तमानी वर्तमान विवरण वर्तमान की एवं युग्मी युग्मी सम्बन्धित हैं। उत्तीर्ण वार्ता युग्मी आया।

२. विवरणी सम्बन्धित विवरणी सम्बन्धित विवरण। वर्तमानी वार्ता वर्तमान युग्मी विवरणी वार्ता।

विवरणी विवरण	विवरण द्वारा वर्तमानी वार्ता	वर्तमानी		विवरणी
		दृष्टि	वर्तमान	

**प्रश्न १२:** वार्तावाकी वर्तमानी वार्ताएँ युग्मी हुए आया।

(१) विवरणी सम्बन्धित विवरणी वर्तमानीकी एवं वर्तमान विवरणी वर्तमानीकी युग्मी आया।

(२) विवरणी सम्बन्धित विवरणी वार्ता युग्मी वर्तमान विवरणी सम्बन्धित विवरणी वार्ता युग्मी विवरणी वार्ता। वर्तमान विवरणी वार्ता युग्मी वर्तमान विवरणी वार्ता।

विवरणी वार्ता-

वर्तमान-

वर्त-

विवरण-

वर्तमानीकी वर्तमानी वर्तमान

वर्तमान वर्तमान

वर्तमान वार्ताएँ वार्तावाकी वार्ताएँ युग्मी हुए आया। वर्तमान विवरणी वर्तमान विवरणी वार्ता युग्मी हुए आया। वर्तमान विवरणी वार्ता युग्मी हुए आया।

वर्त-

वर्तमान-

विवरण-

**नमूदी 11**

(विभिन्न ११ को वाह (का ही बनायेत्र)  
उत्तराखण्ड राज्य सर्कार द्वारा जारी किया गया विवरण)

क्र.सं.	पद & विवर	वार्षिक वाह			
		उत्तराखण्ड	जनरल	सरु वर्षालय वाह	विवर
१	वाह सरु वर्षालय वर्ष ११	५३८०।-	५०००।-	०।-	५३८।-
२	सुख उत्तराखण्ड वाह १२	५०००।-	५०००।-	५००।-	५५०।-
३	उत्तराखण्ड वाह १	४५२।-	५०००।-	५००।-	५०२।-
४	सह उत्तराखण्ड वाह २	५०१।-	५०००।-	५००।-	५०१।-
५	वाह उत्तराखण्ड वाह ३	४५१।-	५०००।-	५००।-	५०१।-
६	वाह उत्तराखण्ड वाह ४	४५१।-	५०००।-	५००।-	५०१।-
७	सहाय उत्तराखण्ड वाह ५	४५१।-	५०००।-	५००।-	५०१।-
८	सहाय उत्तराखण्ड वाह ६	४५१।-	५०००।-	५००।-	५०१।-
९	सहाय उत्तराखण्ड वाह ७	४५१।-	५०००।-	५००।-	५०१।-
१०	सहाय उत्तराखण्ड वाह ८	४५१।-	५०००।-	५००।-	५०१।-

विवेक ८५ से इन्हींमें १०। रविवार १०१ से इन्हींमें १। ही इन्हींमें

वरदान का अधिकार जल्दी बनायी जाएगा तभी जनुरियालालों द्वारा

जिवेक ने \_\_\_\_\_ के खत्तरोंमें से \_\_\_\_\_ के द्वारा द्वारा  
 जाने वाले \_\_\_\_\_ के द्वारा जीव द्वारा जन्मनी विवेकोंको \_\_\_\_\_ वह जन्मनी की  
 जाने वाले \_\_\_\_\_ द्वारा \_\_\_\_\_ द्वारा \_\_\_\_\_ वह \_\_\_\_\_ में \_\_\_\_\_ का  
 वरदान हुआ \_\_\_\_\_ विवेकों वरदान का अधिकार बनायीजाए जानेवाला वह वरदान वह द्वारों  
 द्वारा वरदान का अधिकार होता था जो जन्मनी विवेकोंवालोंको प्रीतिहार... जो विवेक...  
 वरदान... द्वारों जन्मनीको देखा वर्ष वरदान होता... जो वरदान देखे वरदान जन्मनी विवेकोंवालोंको  
 वर्ष वर्ष जन्मनी वरदान हुआ होता... वरदान वर्ष देखे वरदान वरदान जन्मनी वरदान वर्ष वर्ष  
 वर्ष वर्ष जन्मनी वरदान हुआ होता... वरदान वर्ष देखे वरदान वरदान जन्मनी विवेकोंवालोंको हुआ होता...  
 होते वरदान... वर्ष... वर्ष... वर्ष... वर्ष... वर्ष...

अभियांत्रिकी वर्णी

सबी

मन

मन

जन्मनी

विवेक

अभियांत्रिकी वर्ण

वर्ष

वरदान

उपरोक्तानुसारे वर्णने वाले वर्ष

वर्ष	वर्ष

मानवीकी १८

सिलेक्शन १२ भर्ती प्रतिवेदन ११। ईडी इनप्रेस  
सिलेक्शन निपोर्ट

प्रिय चेतना की सभी जल्दी होनीची

अपरिहार

कर्मसुखी भर्ती के लिए

नाम - \_\_\_\_\_ विवरण - \_\_\_\_\_

उमेर - \_\_\_\_\_ जन्म दिन - \_\_\_\_\_

लिखा जाना	जल्दी होनी चाही विवरण	विवरणीय जारी	कागज
	१. निर्दिष्ट जारी किया रखा विवरण २. यह विवरण ३. विवरणीय विवरण ४. अद्यती विवरण ५. अद्यती जारी किया रखा विवरण ६. निर्दिष्ट विवरण ७. यथावत विवरण ८. यथावत जारी किया रखा विवरण		

विवरणीय विवरण \_\_\_\_\_ रुपये \_\_\_\_\_ क्रम

कर्मसुखी वही

विवरण -

कर्मसुखी वही कर्मसुखी विवरण

प्रिय चेतना दीन कर्मसुखी विवरण

अपरिहार

विवरण नीतिकृतीकृत

यह विवरण -

विवरण -

नीतिकृतीकृतीकृती

विवरणीय विवरण	वर्तमान	इस दृष्टि विवरण	आवश्यकता होने पर्याप्त

कर्मसुखी वही-

विवरण -

## वार्षिकी ११

विवेद ११ श्री चतुर्वीता (१) ईश वायदी  
विद्यालय विवेद विवेद

विवेदीय वर्ष			वायद		विवेद			विवेद		विवेदीय वर्ष	
वर्ष	विवेदीय वर्ष	विवेदीय वर्ष	विवेदीय वर्ष	विवेदीय वर्ष	विवेदीय वर्ष	विवेदीय वर्ष	विवेदीय वर्ष	विवेदीय वर्ष	विवेदीय वर्ष	विवेदीय वर्ष	विवेदीय वर्ष
२०२३	२०२३	२०२३	२०२३	२०२३	२०२३	२०२३	२०२३	२०२३	२०२३	२०२३	२०२३

(विवेता ११३ को उपर्युक्त इच्छा के लिए नियमीकृति)

## सम्पादित विवेता विवरण

भवित्वात् यह विवरण विवेता की सम्पादिति का बदला है।

प्राप्ति

प्राप्ति

विवेता विवेता की सम्पादिति विवरण :

विवरण :

विवेता विवेता की विवरण :

## १. विवरण विवेता की विवरण

(क) विवरण

सं. सं.	विवरण	अ. १. विवेता विवेता की विवरण				विवरण विवरण विवरण	विवरण विवरण विवरण	विवरण विवरण विवरण
		विवरण विवरण	विवरण विवरण	विवरण विवरण	विवरण विवरण			

(ख) विवरण

सं. सं.	विवरण	विवरण				विवरण विवरण विवरण	विवरण विवरण विवरण	विवरण विवरण विवरण
		विवरण विवरण	विवरण विवरण	विवरण विवरण	विवरण विवरण			

## २. विवरण विवेता की विवरण

(ख) विवरण विवरण विवरण :

सं. सं.	विवरण	विवरण	विवरण	विवरण	विवरण	विवरण

(ख) विवरण विवरण विवरण विवरण विवरण

सं. सं.	विवरण	विवरण	विवरण	विवरण	विवरण	विवरण

२० लिंगार देवता एवं चाराकी लिंग

सं	विद्यालयकी नम ्र सं	कामनाकी नम उपलब्ध	विद्यालयात्तमां दिविन	विद्यालयात्तमी विद्या नवदाता	विद्या रक्षण	प्रतिकृ ति	कैवियता

(iii) यहाँ लिख दीजिए । जिनको लिखायें

क्र. नं.	वारा वित्त देवे देवे गांडी समाजी नव दैवत	देवता	देवता	देवता	देवता	देवता

(३) संकालित वाक्योंसहित की गणना को दिएगा

क्र.सं.	उत्तरी राजस्थान का नाम	उत्तरी राजस्थान के लिए दृष्टि	उत्तरी राजस्थान के लिए विशेष विधि	उत्तरी राजस्थान का दृष्टि	उत्तरी राजस्थान के लिए विशेष विधि

1. जीवन का अवधि से लिए

क्र. सं	विषय	मूल्य	संग्रह नंबर	प्रतिक्रीया नंबर	प्रतिक्रीया दोमा	क्रियाएँ

१२. अन्य समिक्षा लिंग

क्र. सं	विद्यालय	संकीर्तन नम्बर	प्रतिक्रिया दिनी	प्रतिक्रिया दोष	दैनिकता

એવે પ્રાણીનું જીવન કરી રહેતું હોય તેઓ જીવના દીક્ષા હૈ। જીવન કરી રહીએ

कानूनी वाक्याद् ॥

30

TYPE

60

प्राचीन जटिल सांस्कृतिक वर्षों में यह गोदान इमारति विकल्प उत्तम बनकर विभिन्न अधीनसिद्धकों द्वारा लगभग अभी भी चुना जाता है।

विदेश राष्ट्रों को सावधानी ।। सौ लाखों

विवरण ग्रन्थालय की विविधता द्वारा

37

Digitized by srujanika@gmail.com

40

प्राचीन भारतीय शिल्प वाचन

10

20